पूर्वी अफ्रीका का प्रवेशद्वार
युगांडा

मेरी विदेश यात्राएँ : पाँच

पूर्वी अफ्रीका का प्रवेशद्वार
युगांडा

रमेश पोखरियाल 'निशंक'

प्रभात प्रकाशन

प्रकाशक • प्रभात प्रकाशन प्रा. लि.
4/19 आसफ अली रोड,
नई दिल्ली-110002
सर्वाधिकार • सुरक्षित
संस्करण • प्रथम, 2021
मूल्य • तीन सौ रुपए
मुद्रक • आर-टेक ऑफसेट प्रिंटर्स, दिल्ली

Poorvi Africa ka Praveshdwar UGANDA
by Shri Ramesh Pokhriyal 'Nishank' ₹ 300.00
Published by Prabhat Prakashan Pvt. Ltd., 4/19 Asaf Ali Road, New Delhi-2
e-mail: prabhatbooks@gmail.com ISBN 978-93-90366-65-1

दिल की बात

एक लंबे समय से मन में युगांडा जाने की तमन्ना थी, इसके दो कारण थे : एक तो मुझे युगांडा के मित्रों द्वारा वहाँ आने के लिए बार-बार आमंत्रित किया गया था। दूसरा, मैं हमेशा से इस अत्यंत सुंदर अफ्रीकी देश की नैसर्गिक सुंदरता एवं जैव-विविधता को साक्षात् देखना चाहता था, क्योंकि इसके बारे में काफी सुना एवं पुस्तकों में पढ़ा था।

1908 में युगांडा का दौरा करते समय पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने युगांडा को प्राकृतिक सुंदरता के लिए 'अफ्रीका का मोती' के रूप में वर्णित किया था। यह नील नदी का स्रोत है, जो दुनिया की दूसरी सबसे लंबी नदी है। रंग-बिरंगी तितलियों से लेकर पहाड़ी गोरिल्ला, लुप्तप्राय प्रजातियों के घर के रूप में और एक वैश्विक पर्यटक केंद्र के रूप में युगांडा आकर्षक गंतव्य है।

युगांडा के बारे में एक और महत्त्वपूर्ण बात यह है कि यह दुनिया भर के शरणार्थियों का स्वागत अत्यंत खुले मन से करता है। यही कारण था कि युगांडा की शरणार्थी आबादी जुलाई 2016 से लगभग तीन गुना अधिक है और वर्तमान में लगभग 1.35 मिलियन है, जो इसे अफ्रीका में सबसे बड़ा शरणार्थी मेजबान राष्ट्र बनाता है। छोटे देशों के लिए यह संख्या काफी बड़ी है। ओपन डोर शरणार्थी नीति इसे दुनिया के प्रगतिशील राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करता है। उत्तम बात यह है कि

जहाँ शरणार्थी सामाजिक सेवाओं का आनंद लेते हैं, वही वह स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ सकते हैं और काम कर सकते हैं। हाँ, यह जरूर है कि शरणार्थियों का निरंतर प्रवाह मेजबान समुदायों और सेवा क्षेत्र में चुनौती प्रस्तुत करता है।

युगांडा सबसे तेजी से बढ़ती आबादी वाले अफ्रीकी देशों में से एक है। इसके अधिकांश 34 मिलियन निवासी ग्रामीण क्षेत्रों में खेती करते हैं। कॉफी, चाय, वेनिला, फूल, तिल और कपास के प्रमुख निर्यातक के रूप में देश के घरेलू उत्पाद का बड़ा हिस्सा कृषि आधारित है। बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटकों के आने से यह क्षेत्र भी विदेशी मुद्रा अर्जन में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। युगांडा ने पिछले दशकों में गरीबी को कम करने के लिए उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए हैं, जो मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र द्वारा संचालित है। 1992 से 2013 तक, गरीबी में रहनेवाले युगांडा के परिवारों का प्रतिशत आधा हो गया था, जो समस्त अफ्रीकी राष्ट्रों के लिए उत्कृष्ट उदाहरण है।

युगांडा जाते समय मन में यह भी उत्सुकता थी कि कैसे एक राष्ट्र के रूप में युगांडा ने अपनी चुनौतियों से मुकाबला कर, अपने मुश्किलों से भरे हुए अतीत को छोड़ते हुए देश को एक सक्षम, समृद्ध राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। एक अनुशासित, मेहनतकश राष्ट्र के रूप में युगांडा ने तमाम कठिनाइयों के बावजूद अपने लोगों को एक नई पारी के लिए न केवल तैयार किया, बल्कि एक नई जीवन-शैली के लिए प्रेरित किया।

भारत की तरह युगांडा भी ब्रिटिश शासकों के अधीन था। देश 1962 में ब्रिटेन से स्वतंत्र हुआ और उसके पश्चात् यहाँ सैन्य तानाशाही का दौर रहा। 1980 में चुनाव हुए, लेकिन देश में अस्थिरता जारी रही। फिर 1986 में देश में एक नई सरकार आई और इन अत्यंत कठिन परिस्थितियों के बावजूद सरकार ने युवाओं को सामुदायिक भागीदारी का मूल मंत्र देते हुए उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रेरित किया। सबसे अच्छी बात

यह रही कि पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देकर सरकार ने पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन पर पूरा ध्यान दिया। अपनी विपुल प्राकृतिक संपदा की रक्षा में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर देश को न केवल पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने का महत्त्वपूर्ण कार्य किया है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में महत्त्वपूर्ण सफलता पाई है। सरकार के अथक प्रयासों से देश ने कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर न केवल अपने आप को आर्थिक रूप से सुदृढ़ किया, बल्कि अन्य अफ्रीकी राष्ट्रों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। अफ्रीकी देशों में एच.आई.वी./एड्स के खिलाफ अपनी जोरदार अभियान के कारण भी युगांडा ने पूरे विश्व की सराहना बटोरी है, कहीं-न-कहीं यह सफलता स्वस्थ्य राष्ट्र के अनुशासन, समर्पण, कार्य-कुशलता की कहानी अवश्य बयाँ करता है।

युगांडा में समृद्ध विरासत एवं परंपराएँ, विश्वविख्यात, स्थापत्य-कला समेटे भवन, शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्र, युद्ध स्मारक, मनमोहक प्राकृतिक छटा के अतिरिक्त यहाँ अत्यंत दोस्ताना संबंध वाले लोग हैं। युगांडा लोग जाते हैं, परंतु हमारे देश के लोगों को यहाँ की कम जानकारी है। यात्रा-वृत्तांतों की शृंखला में युगांडा के संबंध में एक ऐसी पुस्तक प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहा हूँ, जो इस देश के विषय में समग्र जानकारी देती है। यह पुस्तक संक्षेप में इस देश की संस्कृति, अर्थव्यवस्था, रीति-रिवाज, इतिहास, भूगोल से लेकर वहाँ के पर्यटक स्थलों, शैक्षिक तंत्र, धार्मिक विविधता, भाषा, जैव-विविधता, राजनीतिक व्यवस्था की जानकारी सहज ही उपलब्ध कराती हो। वैसे भी इस देश के विषय में हिंदी की किताब नहीं दिखी। हाँ, अंग्रेजी में जरूर कुछ किताबें हैं। जहाँ तक विदेशों के यात्रा-वृत्तांतों की बात है, हिंदी में विशेषकर ऐसी किताबों का बिल्कुल अभाव देखा गया है। मेरी कोशिश है कि आपको यह पुस्तक पसंद आए। मुझे लगता है कि आनेवाले समय में हिंदी में

अधिक-से-अधिक इस प्रकार की पुस्तकों का प्रकाशन होना चाहिए। युगांडा यात्रा की यादों को आपके साथ साझा करने के उद्देश्य से यह किताब आपके हाथों में सौंप रहा हूँ। इस उम्मीद के साथ कि हमेशा की तरह आपका प्यार मिलेगा।

—रमेश पोखरियाल 'निशंक'

अनुक्रम

	दिल की बात	*5*
1.	युगांडा की यात्रा	11
2.	युगांडा का भूगोल, संस्कृति, सामाजिक जीवन एवं आर्थिकी	39
3.	युगांडा का इतिहास	71
4.	युगांडा में शिक्षा	80
5.	युगांडा में पर्यटन	93
6.	युगांडा के विभिन्न धर्म	110
7.	भारत-युगांडा दोस्ताना संबंध	120
8.	संभावनाओं का देश युगांडा	129

1

युगांडा की यात्रा

युगांडा के विषय में मन में काफी उत्सुकता थी। 11 अक्तूबर, 2016 जैसे ही सुबह 10 बजे इथोपियन एयरलाइन का हमारा जहाज नीचे उतरने लगा, नयनाभिराम 'विक्टोरिया लेक' का बहुत सुंदर दृश्य दिखाई दिया। एंतेब्बे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा कंपाला और बाकी युगांडा का मुख्य प्रवेशद्वार है। हवाई अड्डा एंतेब्बे शहर के पास स्थित है, जो अफ्रीका की सबसे बड़ी झील, विक्टोरिया झील के किनारे स्थित है। कंपाला से 35 किलोमीटर की दूरी पर एंतेब्बे हवाई अड्डा स्थित है। युगांडा के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण का मुख्यालय भी यहाँ स्थित है, जिसे नए ब्लॉक में स्थानांतरित किया गया है। कंपाला का एंतेब्बे हवाई अड्डे पर उतरते हुए बहुत सारे भारतीय मूल के लोग दिखने लगे। विदेश में आप कहीं भी जाएँ, देश से दूर हिंदी-उर्दू भाषा में लोगों को बात करते देखकर मन में हर्ष की अनुभूति होती है। यह बात कहीं-न-कहीं भारत के विश्व में बढ़ते प्रभाव और हमारी भाषा की लोकप्रियता को दरशाता है।

एंतेब्बे हवाई अड्डे में दो टर्मिनल हैं, जो क्रमशः घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को सँभालते हैं। हम जहाज से उतरकर कंपाला एयरपोर्ट के बाहर आए तो हवाई अड्डे पर हमारे मित्र एवं भारतीय एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी स्वागत के लिए आए थे। भावपूर्ण

स्वागत के पश्चात् हम पौने ग्यारह बजे होटल की तरफ चल पड़े। युगांडा के बारे में यह जरूर सुना था कि यह सुंदर देश पूर्वी अफ्रीका का प्रवेशद्वार है, परंतु बाहर आकर महसूस हुआ कि लुभावने प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह देश न केवल जैव-विविधता का बड़ा केंद्र है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है।

गाड़ी में मेरे मित्रों ने बताया कि अनुकूल मेजबानी, नैसर्गिक सौंदर्य, परंपरागत लोगों और उष्णकटिबंधीय परिदृश्य के लिए प्रसिद्ध यह देश दुनिया भर से पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाहर निकलते ही सुंदर नजरों से स्पष्ट हो गया कि युगांडा प्राकृतिक सुंदरता का पर्याय है। इस सुंदरता ने विंस्टन चर्चिल को 1908 में अपनी पुस्तक 'माई अफ्रीकन जर्नी' में युगांडा को 'द पर्ल ऑफ अफ्रीका' के रूप में संदर्भित करने के लिए प्रेरित किया।

सड़कों पर परंपरागत वेशभूषा में लोग आकर्षक और अद्वितीय अफ्रीकी संस्कृति से स्वादिष्ट व्यंजनों, जीवंत बाजारों में काफी कुछ भारत सा लग रहा था। मेरी उत्सुकता देखकर मेरे मित्रों ने बताया कि यहाँ देखने के लिए काफी कुछ है। अत्यंत भीड़भाड़ वाले बाजार, अनियंत्रित ट्रैफिक किसी बड़े भारतीय शहर की याद दिला रहा था।

भारतीय और युगांडा दोनों ब्रिटिश उपनिवेशवाद की कड़वी यादें साझा करते हैं। इसी उपनिवेशवाद का परिणाम था कि बड़ी संख्या में भारतीय युगांडा पहुँचे। बड़े संख्या में भारतीय मजदूरों के युगांडा में आने से युगांडा के लोग भारतीय संस्कृति के कई पहलुओं से प्रभावित हुए। लगभग घंटे भर में सेरेना होटल पहुँच गए, जहाँ पर युगांडा की पारंपरिक शैली में स्वागत हुआ।

कंपाला हवाई अड्डे का विहंगम दृश्य

मुझे बताया गया कि सेरेना वहाँ का अत्यंत प्रतिष्ठित बुटीक होटल है। करीब एक घंटे बाद हम होटल पहुँचे। सुरुचिपूर्ण शैली को सुसज्जित कमरे अफ्रीकी कला को प्रदर्शित कर रहे थे। कंपाला सेरेना होटल में लगभग 190 कमरे और सुइट्स को खूबसूरती से अद्वितीय अफ्रीकी कलाकृतियों के साथ सजाया गया था। होटल के महाप्रबंधक ने बताया कि हर कमरा अग्रणी होटलों में शामिल करने के लिए आवश्यक कठोर मानकों को पूरा करता है। 17 एकड़ के हरे-भरे पानी के बगीचों के बीच निजी बालकनियों के यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया होटल सेरेना निस्संदेह बहुत सुंदर लगा। कंपाला सेरेना होटल के सभी कमरे धूम्रपान रहित हैं; यहाँ पर शाकाहारी भोजन के अच्छी व्यवस्था थी। भोजन के दौरान बातों-बातों में युगांडा के भोजन, रीति-रिवाज, धर्म, शिक्षा, उत्सवों, सांस्कृतिक मूल्यों पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसको विस्तार से मैंने आगे के अध्यायों में दिया है।

अवसंरचना और सुरक्षा

युगांडा में पहुँचते ही मैंने एक बात महसूस की कि भले ही यह एक विकासशील देश है, लेकिन युगांडा सरकार ने विभिन्न पर्यटन स्थलों तक आसानी से पहुँचने के लिए सड़क नेटवर्क विकसित करने का प्रयास किया है। मुझे मेरे मित्रों ने बताया कि आराम करने में मदद करने के लिए अच्छी संख्या में आवास विकल्प भी रखे गए हैं। कंपाला सेरेना होटल, मिड रेंज जैसे होटल हैं, वहीं दूसरी ओर कई ऐसे होटल हैं, जहाँ आप सस्ते बजट में रह सकते हैं। देश/स्थान पर जाने के लिए लोगों की पसंद को प्रभावित करनेवाले प्रमुख कारकों में से एक इसकी सुरक्षा होता है और इस दृष्टि से युगांडा अपने आपको आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित करता है।

इस देश की सुंदरता के अलावा यहाँ के लोगों के आतिथ्य सत्कार से आप जरूर प्रभावित होंगे। यदि आप एक प्रकृति-प्रेमी हैं, तो आप जिनजा में बंजी जंपिंग और सफेद पानी के राफ्टिंग के लिए दर्शनीय स्थलों और बहुत सारी गतिविधियों का आनंद के अलावा संग्रहालय, धार्मिक केंद्र जैसे ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण और यहाँ के पारंपरिक भोजन का लुत्फ उठा सकते हैं।

बातों-बातों में हमने भोजन किया। भोजन की समाप्ति बाद हमें प्रधानमंत्री से मिलने जाना था, लगभग दो बजे हम प्रधानमंत्रीजी के कार्यालय पहुँचे। मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि प्रधानमंत्री ने अपने व्यस्त कार्यक्रम के समय में हमारे लिए समय निकाला। शाम को प्रधानमंत्रीजी द्वारा मेरी पुस्तक 'सेलेब्रटिंग लाइफ' का विमोचन भी था। मुझे इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्रीजी द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया जाना था। इस सम्मान के लिए मेरा चयन साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों को उजागर करने हेतु किया गया।

स्थानीय समय के एक बजे दोपहर के भोज के लिए एकत्र हुए।

होटल में लोग अपने अपेक्षाकृत बड़े परिवारों के साथ दिखे। मुझे बताया गया कि युगांडा के लोग अधिकांश पश्चिमी देशों की तुलना में या अन्य अफ्रीकी देशों की तुलना में अपने परिवारों के करीब हैं। भारत की तरह युगांडा में, लोग परिवार एक साथ रहना पसंद करते हैं, वे अपना अधिकांश समय एक साथ बिताने को प्राथमिकता देते हैं। इस देश की संस्कृति अपनी मेहमाननवाजी के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ के लोग अत्यंत मिलनसार एवं मेहमानों को भाँति-भाँति के व्यंजन खिलाने में प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। भारत की तरह लोग अपने अतिथियों की सेवा में प्रसन्नता पाते हैं।

कार्यक्रम में युगांडा के विदेश मंत्री श्री हेनरी औकेलो एवं अधिकारी

भोजन के पश्चात् हम सीधा प्रधानमंत्री कार्यालय चले गए। होटल से प्रधानमंत्री कार्यालय अधिक दूर नहीं था, इसलिए दस मिनट पहले हम उनके कार्यालय पहुँच गए। मेरे साथ मित्रों ने बताया कि देश के

प्रधानमंत्री रुहकाना रगुंडा अत्यंत विनम्र (जन्म 7 नवंबर, 1947) एवं लोकप्रिय राजनेता हैं, जिन्होंने वर्ष 2014 में युगांडा के प्रधानमंत्री की कमान सँभाली। डॉ. रगुंडा पेशे से एक चिकित्सक, उन्होंने 1986 में राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी के नेतृत्व में कई कैबिनेट पदों को कुशलतापूर्वक सँभाला। उन्होंने युगांडा के विदेश मंत्री का महत्त्वपूर्ण दायित्व भी सँभाला। 1994 से 1996 तक मामलों और 2003 से 2009 तक आंतरिक मामलों के मंत्री के रूप में डॉ. रगुंडा ने अपनी उत्कृष्ट कार्य कुशलता की छाप छोड़ी। इसके बाद वह 2009 से 2011 तक संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधि और 2013 से 2014 तक स्वास्थ्य मंत्री रहे। भारतीय समुदाय के साथ अत्यंत घनिष्ट संबंधों के लिए जाने जानेवाले प्रधानमंत्री के भारत प्रेम को मैंने स्वयं महसूस किया। उन्हें 18 सितंबर, 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने अम्मा एमबीबाजी की जगह ली। अत्यंत सौम्य, विनम्र राजनेता के रूप में डॉ. रगुंडा देश के उठान में महत्त्वपूर्ण नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। अपने युगांडा अंदाज में प्रधानमंत्रीजी में जोरदार तरीके से स्वागत किया, जिसमें प्रोटोकॉल की सीमाएँ न होकर आत्मीयता झलक रही थी। मेरी पहली यात्रा पर अभिनंदन करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने मेरा पूरा जीवनवृत्त पढ़ा है और राजनीति के साथ साहित्य साधना से वे हतप्रभ थे।

वार्त्ता के दौरान युगांडा के प्रधानमंत्री ने बताया किस प्रकार युगांडा में भारतीय समुदाय ने अपने कड़े परिश्रम, अपने समर्पण से विकास के एक नए युग का सूत्रपात किया है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार राष्ट्रपति मुसेवेनी की कुशल नीतियों के कारण भारत मूल के लोगों के लिए एक सकारात्मक वातावरण का सृजन हुआ, जिसके कारण उनकी प्रतिभा उभरकर आई।

युगांडा के विदेशमंत्री श्री हेनरी औकेलो एवं यूगांडा उद्योग संघ के प्राधिकारी

हमेशा की तरह मैं विश्वविद्यालयों में जाने के लिए उत्सुक था और जो सेरेना होटल के बगल में था, इसलिए विश्वविद्यालय को देखने चला गया। युगांडा के श्रेष्ठ विक्टोरिया विश्वविद्यालय युगांडा के अच्छे विश्वविद्यालयों में से एक है और शैक्षणिक उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में जाना जाता है। नवाचारयुक्त एवं बौद्धिक दृष्टि से उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करते हुए यह विद्यालय सृजनशीलता का पोषण करता है।

विश्वविद्यालय अगस्त 2010 में खोला गया था और इसका लक्ष्य क्षेत्र में उच्च शिक्षा को पुनर्जीवित करने की क्षमता, बेहतरीन सुविधाएँ उपलब्ध कराना निर्धारित किया गया। विश्वविद्यालय उत्कृष्टता के मानकों के आधार पर उच्च गुणवत्ता, छात्र-केंद्रित सीखने के अवसरों को लाने और विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो अद्वितीय और नवीन है।

विश्वविद्यालय केंद्रीय रूप से कंपाला शहर के केंद्र में स्थित है। विक्टोरिया विश्वविद्यालय भारत मूल के रूपारेलिया ग्रुप ऑफ कंपनीज

का हिस्सा है, जिसकी युगांडा में शिक्षा क्षेत्र में एक मजबूत उपस्थिति है और इसके पोर्टफोलियो के तहत कंपाला इंटरनेशनल स्कूल युगांडा, कंपाला पेरेंट्स स्कूल और दिल्ली पब्लिक स्कूल इंटरनेशनल हैं।

मुझे अधिष्ठाता द्वारा बताया गया कि विक्टोरिया विश्वविद्यालय राष्ट्रीयताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ एक सर्वदेशीय विश्वविद्यालय है। पूर्वी अफ्रीका में सर्वश्रेष्ठ निजी, आगे की सोच और आधुनिक विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठा के साथ, विक्टोरिया विश्वविद्यालय आपके अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए एक जीवंत और सकारात्मक वातावरण प्रदान करता है। क्षेत्र की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन किए गए हैं—किसी विषय को अधिक गहराई से अध्ययन या शोध करना या अपने कॅरियर की महत्त्वाकांक्षाओं के अनुसरण में अपने ज्ञान और कौशल का विस्तार करने के प्रावधान के साथ विश्वविद्यालय उद्योग जगत् से जुड़ा है

विक्टोरिया विश्वविद्यालय मोटे तौर पर एक प्रतिनिधि मंच है, जो विश्वविद्यालय के सभी उद्देश्यों पर विशेष ध्यान देने के साथ अपने सभी चरणों में विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर विशेष ध्यान देता है।

छात्रों का प्रशिक्षण विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। अभ्यास करने के लिए सिद्धांत को लागू करना हमेशा आसान नहीं होता है, इसलिए एक सुरक्षित सेटिंग में गलतियाँ करना सीखने का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। **आप सीखेंगे कि स्लिप-अप** से कैसे बचा जा सकता है, जो अभ्यास में महत्त्वपूर्ण परिणाम दे सकता है।

मुझे इस बात की प्रसन्नता हुई कि विक्टोरिया विश्वविद्यालय सुनिश्चित करता है कि उनके विद्यार्थी आत्मविश्वास से अपना कॅरियर शुरू करें। विश्वविद्यालय में मानवीय मूल्य और करुणा जैसी व्यक्तिगत विशेषताओं को भी विकसित करने का प्रयास सराहनीय है।

विश्वविद्यालय में हम अपने स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के भीतर और

स्थानीय समुदाय के साथ भागीदारी के साथ हमारे छात्रों के लिए प्रशिक्षण का समर्थन करने के लिए नवीनतम स्वास्थ्य विज्ञान उपकरणों के लिए अपने प्रयासों को समर्पित कर चुके हैं। हम संकाय में एक छात्र निकाय विकसित करने पर जोर देते हैं, जो प्रशिक्षण का समर्थन करनेवाले प्रभावी और इंटरैक्टिव सीखने के अनुभव के माध्यम से वर्तमान और भविष्य के लिए स्वास्थ्य विज्ञान में सुधार करता है।

पाठ्यपुस्तकों और व्याख्यानों के क्षितिज से परे जाकर सीखने को अभिनव और निश्चित रूप से व्यावहारिक रूप से किसी व्यक्ति को बेहतर बनाने का एक उपाय है। नियमित अंतराल पर आयोजित कार्यशालाएँ, सेमिनार और सम्मेलन एक छात्र के लिए जबरदस्त लाभ देते हैं। इन प्रथाओं के संपर्क में आने से उसे सीखने और प्रत्येक सत्र के साथ बेहतर होने की संभावना बढ़ जाती है। एक समानांतर नोट पर अध्ययन और कार्यशाला की निरंतरता विभिन्न शैक्षणिक हाइलाइट्स को कॉन्फिगर कर सकती है। यह जानना उत्साहजनक था कि हमेशा व्यावहारिक अनुभव और ज्ञान के साथ पाठ्यपुस्तक के उपकरण का उपयोग करने का एक अच्छा विकल्प विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराया जाता है। इन कार्यशालाओं में भाग लेनेवाले छात्र अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकते हैं और इस तरह के प्लेटफार्मों के माध्यम से अपने ज्ञान को और अधिक अपडेट कर सकते हैं।

विषय के लिए समान जुनून के साथ सीखने वाले समुदाय निश्चित रूप से संसाधन के अधिकतम उपयोग के साथ अपने स्वयं के एक समूह का निर्माण कर सकते हैं, जिससे एक सहजीवी संबंध होता है। इसके अलावा कार्यशालाएँ किसी अन्य संगठन द्वारा सामना किए जानेवाले मुद्दों को संबोधित करती हैं, जो गंभीरता को हल करने में सहायक हो सकती हैं।

कंपाला में मानवीय मूल्य सम्मान देते हुए युगांडा के प्रधानमंत्री

मैंने प्रधानमंत्रीजी एवं युगांडा के लोगों ने हृदय से ज्ञापित किया, धन्यवाद किया। जिन्होंने मुझे अपने हाथों सम्मानित करने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किया और मुझे भारत निमंत्रण भेजा।

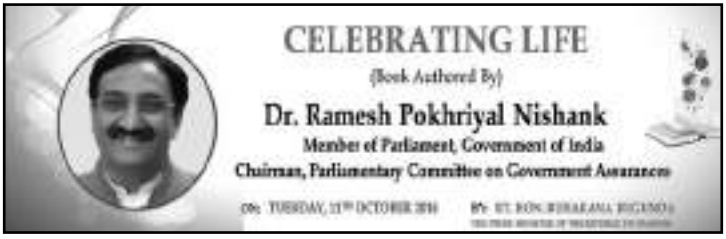

कंपाला में पुस्तक विमोचन समारोह का बैनर

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और युगांडा का संबंध सदियों पुराना है। उन्होंने उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष सहित दोनों देशों के बीच

ऐतिहासिक संबंधों को याद करते हुए कहा कि भारत एवं युगांडा के समक्ष एक जैसी चुनौतियाँ हैं। मैंने उन्हें बताया कि किस प्रकार भारत अफ्रीका महाद्वीप को महत्त्व देता है और युगांडा के साथ भारत के भावनात्मक रिश्ते हैं।

बातचीत के दौरान मैंने 1972 में तानाशाह ईदी अमीन द्वारा भारतीय मूल के लोगों के निष्कासन के बाद देश में वापस लाने के लिए राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी का भी धन्यवाद किया। राष्ट्र के पुनर्निर्माण में भारतीय मूल के लोगों द्वारा द्वारा किए गए अद्‌भुत कार्यों पर भी चर्चा हुई। बातचीत के दौरान युगांडा में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के नेता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के महान् कार्य पर चर्चा हुई अफ्रीकी देशों पर उनके अद्‌भुत प्रभाव के बारे में बताते हुए डॉ. रुगुंडा ने बताया कि अफ्रीका के समस्त देशों में महात्मा गांधी एक श्रेष्ठ प्रेरक व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने बताया कि महात्मा के संघर्ष में कई अफ्रीकी देशों को स्वाधीनता आंदोलन के लिए प्रेरित किया। भारत ने आजादी के लिए लड़ाई लड़ी, इसने अफ्रीका के स्वाधीनता सैनानियों को भी नई ऊर्जा प्रदान की। भारत के स्वतंत्रता संग्राम की कहानी अफ्रीका से बहुत नजदीकी से जुड़ी हुई है। मैंने उन्हें बताया कि महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका का प्रवास के दौरान उनपर हुए अत्याचार ने उन्हें अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया। भारत ने महात्मा के सिद्धांत पर चलते हुए दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद का प्रबल विरोध किया।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के संबंध में वार्त्ता के कुछ क्षण

कार्यालय में गर्मजोशी से स्वागत करते प्रधानमंत्री

पर्यावरण, हिमालय, मौसम परिवर्तन, जैसे गंभीर विषयों पर भारतीय भूमिका पर भी मैंने विचार रखे, वे इस बात से सहमत थे कि अफ्रीकी देश कई मायनों में भारत के समान है, ऐसी स्थिति में परस्पर सहयोग

बढ़ाने, लोगों के बीच अधिक संवाद स्थापित करने, अर्थात् People to People contact बढ़ाने पर बल देने की बात हुई। उन्होंने इस बात की सराहना कर भारत का धन्यवाद किया कि किस प्रकार एक देश के रूप में भारत ने महात्मा के सिद्धांत पर चलते हुए दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद का प्रबल विरोध किया। शाम को कार्यक्रम था, इसलिए हमने दोपहर बाद 2.45 पर विदा ले ली।

प्रधानमंत्री के साथ मंच पर अन्य अतिथि

चूँकि शाम का कार्यक्रम 7 बजे शुरू होना था, फिर हम कंपाला शहर घूमे को निकल पड़े। कंपाला मूल रूप से सात पहाड़ियों पर बनाया गया है, लेकिन इसका विस्तार मूल सात पहाड़ियों की तुलना में अधिक है। कंपाला को देखकर एक और वहाँ की सांस्कृतिक विरासत के दर्शन हो रहे थे तो दूसरी ओर प्रगति की दौड़ को उत्सुक देश की राजधानी के प्रमाण दिख रहे थे। कंपाला सात पहाड़ियों पर बसा है। **पहली,** ओल्ड कंपाला हिल, जिस पर फोर्ट लुगार्ड स्थित था, युगांडा में

ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने सबसे पहले इसी स्थान पर अपने को स्थापित किया। **दूसरी,** पहाड़ी मेंगो हिल है, जो ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की शुरुआत में बुगांडा राज्य का तत्कालीन किबुगा (राजधानी) था। **तीसरी,** पहाड़ी किबुली हिल है, जो कि विख्यात किबुली मसजिद के लिए जानी जाती थी। **चौथी,** पहाड़ी नामीम्बे एंग्लिकन कैथेड्रल के लिए प्रख्यात नामीरेम्बे हिल है, जो 1888 से 1892 के बुगांडा धार्मिक युद्धों के एंग्लिकन (वैंगलेजा) समुदाय का घर था। **पाँचवीं,** पहाड़ी लुगागा हिल है, जो उपर्युक्त बुगांडा धार्मिक युद्धों के व्हाइट कैथर्स कैथोलिक (वफराना) गुट का घर था और रूबागा कैथोलिक कैथेड्रल का स्थल भी था। **छठी,** पहाड़ी नतांबा हिल के नाम से जानी जाती है। युगांडा समझौते (1900) पर हस्ताक्षर के प्रसिद्ध यह स्थान कई उपनिवेशवादी यादों को समेटे हुए है। **सातवीं,** पहाड़ी नाकासेरो हिल है, जो ब्रिटिश सैन्य प्रतिष्ठान फोर्ट कंपास का क्षेत्र रहा था।

कंपाला शहर देखने के पश्चात् हम सादे 6 बजे तक होटल आ गए। होटल में पुस्तक विमोचन के लिए भव्य कार्यक्रम रखा गया था। प्रधानमंत्रीजी एकदम 7 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुँच गए। कार्यक्रम में काफी संख्या में भारतीय अतिथियों के अलावा स्थानीय लोग भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में मेरी पुस्तक 'सेलेब्रटिंग लाइफ' का विमोचन किया गया। प्रधानमंत्रीजी ने अपने अभिभाषण में इस बात पर बल दिया कि दो देशों का बीच साहित्य एक सेतु का कार्य करता है। उन्होंने आग्रह किया कि मेरी अगली पुस्तक युगांडा के विषय में हो। भारत और युगांडा एक सदी में फैले ऐतिहासिक संबंधों को साझा करते हैं। प्रधानमंत्रीजी ने बताया कि भारतीय 20वीं शताब्दी की शुरुआत में युगांडा आए और तब से इन लोगों ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन, समर्पण से देश में अपने लिए विशेष स्थान बना लिया है। भारत का स्वतंत्रता संग्राम उपनिवेशवाद से लड़ने और अंतत: युगांडा के शुरुआती कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। युगांडा ने

1962 में स्वतंत्रता हासिल की और तब से दोनों देशों ने आपसी संबंधों को प्रगाढ़ करने लिए प्रयास किए हैं। उन्होंने बताया कि एक व्यवधान आया था, जब युगांडा में '70 के दशक की शुरुआत में राष्ट्रपति अमीन के शासनकाल के दौरान भारतीयों/PIO को निष्कासित कर दिया गया; हालाँकि 1986 में सत्ता में आने के बाद राष्ट्रपति जनरल योवेरी कागुटा मुसेवेनी ने उन्हें वापस आमंत्रित किया। कई पी.आई.ओ. से जब्त संपत्तियों को बहाल करने जैसे प्रगतिशील कदमों ने कई लोगों को प्रोत्साहित किया, उन भारतीयों के वापस आने और नए सिरे से शुरुआत करने के लिए प्रेरित किया, जिसका सुखद परिणाम पूरे विश्व के समक्ष है। भारत के बीच संबंध और युगांडा, वर्षों में अधिक गहराई और चौड़ाई हासिल कर चुका है। राजनीतिक, रक्षा, आर्थिक, वाणिज्यिक, सांस्कृतिक, शिक्षा और पर्यटन क्षेत्र में हमें संबंध आगे बढ़ने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्रीजी के बाद मेरा भाषण हुआ, जिसे आपसे साझा कर रहा हूँ।

'सेलेब्रिटिंग लाइफ' पुस्तक का विमोचन करते युगांडा के प्रधानमंत्री

युगांडा के प्रधानमंत्री के समक्ष भाषण (अवार्ड लैक्चर)

आदरणीय प्रधानमंत्रीजी, सभी सम्मानित अतिथि, मित्रो!

सर्वप्रथम इस खूबसूरत देश में आमंत्रित करने, सम्मानित करने और शानदार मेजबानी के लिए आपका आभार प्रकट करता हूँ।

आज हमारे सम्मुख अनेक वैश्विक चुनौतियाँ हैं। मौसम परिवर्तन, महामारी, बढ़ता प्रदूषण, आतंकवाद। गरीबी, भुखमरी, गिरते मानवीय मूल्य से विश्व त्रस्त है। यहाँ पर आपने मुझे आणविया मूल्यों के लिए सम्मानित किया, जिसे मैं अपना सौभाग्य मानता हूँ। मित्रों में देवभूमि हिमालय से आया हूँ, जिसे लोग धरती का स्वर्ग कहते हैं। मैं एक ऐसे देश से आया हूँ, जो विश्व को अपना परिवार मानता है। वैश्विक सभ्यता, जिसे हम अपने चारों ओर देखते हैं, वह तेजी से एक ऐसी व्यवस्था के सृजन में संलग्न है, जहाँ अनिवार्य रूप से हर चीज में बर्बर, इच्छा-चालित भौतिकवाद भरा हुआ दिखाई देता है। प्रवृत्तियाँ और उच्च आकांक्षाएँ के इस दौर में हम अपने मूल्यों, अपनी आध्यात्मिक विकास यात्रा से विमुख हैं।

ऐसी विकट परिस्थितियों में हमें श्रेष्ठ चिंतकों, मनीषियों, विद्वानों का अनुसरण करना चाहिए, जिन्होंने मूल्यों के प्रति अपने को समर्पित किया है, क्योंकि उनका चिंतन, उनके अनुभव हर युग में भी प्रेरणा का महत्त्वपूर्ण स्रोत है। हमने पश्चिमी दुनिया देखी है, जो भौतिकतावाद पर अधिक बल देती है। मेरा मानना है कि कोई भी स्त्री-पुरुष हो, हम उसकी प्रतिष्ठा का आकलन उसके जीवन-मूल्यों से आसानी से लगा सकते हैं। जीवन-मूल्य सफलता के लिए आवश्यक है।

यह हमारा सौभाग्य है कि मैं भारतभूमि से आता हूँ, एक ऐसी पुण्यभूमि से, जिसने पूरे विश्व को ज्ञान का रास्ता दिखाया है। भारतीय ज्ञान-परंपरा वैदिक काल से अविरल रूप से प्रवाहित हो रही है। गौतम बुद्ध, श्रीअरविंद, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी तक अनेक महापुरुष

अपने जीवन-मूल्यों के कारण इतिहास में अमर हो गए। जीवन-मूल्य व्यक्ति को सकारात्मक बनाते हैं। आज पूरे विश्व को यह समझने की आवश्यकता है कि जो व्यक्ति मूल्यहीन जीवन जीते हैं; वे समाज में व्यर्थ माने जाते हैं। वस्तुतः वे समाज पर बोझ हैं। ऐसे व्यक्ति समाज के लिए अतिरिक्त भार होकर दूसरों के लिए मुश्किल खड़ी करते हैं निठल्ले, केवल बातें व्यक्ति-समाज का कभी भी मार्गदर्शन नहीं करतीं। हमारे शास्त्रों में मूल्यहीन व्यक्ति की जिंदगी पंगु मानी जाती है, जिसमें कोई गति, कोई स्पंदन की ऊर्जा और निरंतरता नहीं होती और सिद्धांतों के अभाव में ऐसे लोग महत्त्वहीन, अनुपयोगी और परिवार के लिए परेशानी स्वरूप होते हैं।

सिद्धांत और मूल्य जीवन को नई ऊर्जा, नई गति, नया उत्साह देते हैं। समाज हो चाहे परिवार, सबका संचालन कुछ आदर्शों और सिद्धांतों से होता है। यदि जीवन में इनका अभाव हो जाए तो समाज का ढाँचा गड़बड़ाने लगता है, व्यवस्था चरमराने लगती है और विषम परिस्थितियाँ उत्पन्न हो जाती हैं। नियम, मूल्य, आदर्श जीवन की दिशा तय कर जीवन को अनुशासित करते हैं। ये जीवन के आधारभूत तत्त्व होने के साथ जीवन का उद्देश्य निर्धारित करते हैं।

अनियमित, आलसी, अव्यवस्थित व्यक्ति जीवन के किसी क्षेत्र में सफल नहीं माना जाता। जीवन अनेक सत्यों, आदर्शों और नियमों के द्वारा संचालित होता है। इन्हीं के द्वारा जीवन-मूल्य स्थापित होते हैं। संसार के सभी महापुरुष या सफलतम व्यक्ति अपने ऊँचे आदर्शों और मान्यताओं के कारण ही समाज में गाथा बनकर अपना नाम रोशन करते हैं। समाज सर्वदा ऐसे लोगों का अनुकरण करता है। रीढ़विहीन या लिजलिजे व्यक्ति का समाज में कभी आदर नहीं होता। ऐसे लोग सदैव आलोचना और निंदा के पात्र होते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त

करने के लिए व्यक्ति को कुछ मूल्य निर्धारित करने पड़ते हैं। कल्याण और सफलता को पाना है तो हमें मूल्य-आधारित जीवन का मार्ग चुनना पड़ेगा। इसके अभाव में जीवन की सार्थकता सदा संदिग्ध बनी रहेगी। हम समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनें, यही हमारी सार्थकता है। इसके लिए हमें मूल्य-आधारित जीवन जीने के मार्ग का चयन करना पड़ेगा। नि:संदेह मूल्यों का निर्धारण करने में हमारे लिए प्रारंभ में कठिनाइयाँ आएगी, जिनसे हमें जूझना पड़ेगा। जीवन-मूल्य सहज ही निर्धारित नहीं होते, इसके लिए त्याग और सत्य के तत्त्व जरूरी हैं। हम दूर न जाकर मात्र गांधी, गोखले, तिलक, राममोहन राय आदि-आदि। लोगों की तरफ दृष्टि डालें तो सहज ही पता चल जाएगा कि इन लोगों के जीवन में मूल्यों का क्या स्थान था।

पूरे विश्व को युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों आधारित शिक्षा ही नहीं देनी चाहिए, बल्कि मूल्य-आधारित जीवन जीने के लिए उन्हें प्रेरित करना चाहिए। मुझे लगता है कि मूल्य-आधारित शिक्षा देने में भारत पूरे विश्व का नेतृत्व कर सकता है। आज एक बड़े वैश्विक विमर्श की आवश्यकता है। हमारी शिक्षा, हमारी सोच, हमारी दृष्टि, हमारा आचार-व्यवहार, हमारा दर्शन हमारे शाश्वत मूल्यों पर आधारित होना चाहिए।

हमें इस बात का ध्याम रखना चाहिए कि मूल्य हमारे जीवन की आधारशिला है। मूल्य हमारे निर्णय का मार्गदर्शन करते हैं, इसलिए हमारे जीवन को निर्धारित करते दिशा देते हैं। मूल्यों को जानने से हमें इस बात की स्पष्टता हासिल करने में मदद मिलती है कि हमने जो किया, जो कर रहे हैं, जो करेंगे, उन मूल्यों के अनुसार करते हैं और इसका परिणाम यह रहता है कि हमारा जीवन सुसंगत रहे। हम जो भी करते हैं, वे हमारे मूल्यों से प्रभावित होते हैं। अपने अनुभव के आधार पर में कह सकता हूँ कि जो लोग उनके मूल्यों को जानते हैं,

पहचानते हैं, उनके प्रति समर्पित रहते हैं, वे जीवन में हमारे समाज में नेतृत्व प्रदान करते हैं।

चाहे स्वामी विवेकानंद हो, महात्मा गांधी हों, नेल्सन मंडेला हो, मार्टिन लूथर किंग हो। सबने मूल्यों पर आधारित जीवन जीकर सफलता के आयामों को छुआ है।

मूल्य जहाँ हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है, वहीं हमारे अंदर दक्षताओं का निर्माण करने के लिए मूल्यों की आवश्यकता है। मूल्य हमें तृप्ति और समृद्धि के साथ मन, यश, प्रतिष्ठा सबकुछ प्रदान करते हैं, साथ ही हमारे जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा प्रदान करते हैं।

हमें दोनों व्यक्तिगत और व्यावसायिक रूप में दोनों दशा में हमें पूर्ण समर्पण के साथ उन शाश्वत मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित रहना है, जो हमें अपने लक्ष्यों के प्रति प्रेरित करे। हमारे मूल्यों की समीक्षा करने का सबसे अच्छा तरीका है कि हम अपने लक्ष्यों की समीक्षा करे और देखे हम लक्ष्य के कितने करीब हैं। मूल्यों के प्रति पूर्ण समर्पण ही वह आवश्यकता है, जो हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता प्रदान करती है। स्थायी मूल्यों के साथ रहने का अर्थ है, परिणामों के बारे में परेशान किए बिना इन मूल्यों का पालन करने के लिए किसी भी हद तक जाना, अगर सच बोलना हमारा मूल्य है और सच बोलने से अगर हम कुछ परेशानी हो तो होती रहे। मूल्यों को अपनाने की प्रक्रिया में उन मूल्यों की ओर बढ़ना शामिल है। इसी तरह उन मूल्यों की पहचान करना भी महत्त्वपूर्ण है, जो हमें उन अनुभवों से दूर जाने में मार्गदर्शन करते हैं, जिनसे हम बचना चाहते हैं।

कंपाला में सम्मान उपरांत मानवीय मूल्यों पर अभिभाषण

हमारे मूल्यों के बारे में स्पष्टता जीवन के किसी भी चरण में सहायक होती है, जिसमें कामकाजी जीवन भी शामिल है, क्योंकि मूल्य हमारे कार्यों और व्यवहार का मार्गदर्शन करते हैं, जो हमारे भाग्य का फैसला करते हैं। यदि आपके पास मूल्य है तो अपने कार्य पाने की आपकी संभावना, विशेषकर उन संगठनों में, जो आपके मूल्यों को महत्त्व देते हैं, उच्च बन जाते हैं। व्यक्ति के मूल्य कार्यस्थल में उसके व्यवहार के अच्छे भविष्यवक्ता हैं, इसलिए संगठन निश्चित रूप से आवश्यक दक्षताओं के अलावा उसके मूल्यों के बारे में स्पष्टता के साथ एक उम्मीदवार को पसंद करेंगे। नौकरी में रहते हुए आपके मूल्य आपके व्यवहार का मार्गदर्शन करते हैं, जो अंततः आपके ब्रांड को समय के साथ बनाता है।

जब हम दुविधा में होते हैं तो मूल्य विशेष रूप से हमें निर्णय लेने में मदद करते हैं। हमें बस खुद से पूछने की जरूरत है कि अमुक निर्णय

हमारे मूल्यों की परिधि में आता है कि नहीं, अगर हम परिस्थितयों में अपने मूल्यों के अनुसार रास्ता चुनने में सक्षम हो तो बड़ी से बड़ी चुनौती का पार पा सकते हैं।

हालाँकि वास्तविक दुनिया में लोगों के मूल्यों और दिन-प्रति-दिन के व्यवहार के बीच एक डिस्कनेक्ट है, अर्थात् एक व्यवधान है। मेरा मानना है कि अधिक-से-अधिक लोगों को कर्तव्यों के अधिकांश लोगों को दिन-प्रति-दिन के आधार पर उनके मूल्यों का पालन करने की संभावना है, यदि उन्हें याद दिलाया जाता है, यदि उन्हें इसका मतलब समझाया जाए, इसलिए संगठनों को प्रासंगिक गतिविधियों और कार्यक्रमों के माध्यम से समय-समय पर संगठनात्मक और व्यक्तिगत मूल्यों के कर्मचारियों को याद दिलाने की आवश्यकता है। जीवन-मूल्य योग्यता के रूप में महत्त्वपूर्ण हैं, भले ही हमारे सी.वी. में इसका उल्लेख न होता हो। संगठन हो, नौकरी हो, कोई सेवा का प्रकल्प हो, सर्वत्र अपेक्षित मूल्यों का महत्त्व है। अपने टूटे-फूटे शब्दों में, अपनी पुस्तकों में इन्हीं मूल्यों को उजागर करने का प्रयास किया है। मेरी कविता हो, उपन्यास या कहानी के नायक-नायिका हो, सर्वत्र इन मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता साफ दिखाई देती है।

एक बार पुन: प्रधानमंत्रीजी का धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने मेरी पुस्तक का विमोचन किया और देश के महत्त्वपूर्ण सम्मान से मुझे सम्मानित किया। हृदय की गहराइयों से आप सबके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए आप सबको भारत आमंत्रित करता हूँ।

कार्यक्रम के पश्चात् रात्रि भोज हुआ, जिसमें परंपरागत युगांडा का भोजन परोसा गया, जिसमें युगांडा के कई सम्मानित व्यक्ति उपस्थित थे।

युगांडा स्थित भारतीय अधिकारी को पुस्तक भेंट

विक्टोरिया विश्वविद्यालय, युगांडा के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक है और शैक्षणिक उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में खड़ा है। हम एक ताजा और बौद्धिक रूप से सकारात्मक वातावरण प्रदान करते हैं, जो महत्त्वपूर्ण विचारकों का पोषण करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

विश्वविद्यालय अगस्त 2010 में खोला गया था, कहीं भी विदेशी प्रवास में मेरी यह हमेशा कोशिश रहती है कि मैं वहाँ के शैक्षणिक संस्थानों को देखूँ, क्योंकि इन स्थानों पर जाकर आप पूरे देश के दर्शन कर सकते हैं। अगले दिन सुबह हम स्थानीय विक्टोरिया विश्वविद्यालय गए।

जब मुझे बताया गया कि सेरेना होटल के बगल में ही विक्टोरिया विश्वविद्यालय का परिसर है तो मैं अपने को रोक न सका और बिना किसी पूर्व सूचना के मैं विश्वविद्यालय पहुँच गया।

कोई भी विश्वविद्यालय क्षेत्र में उच्च शिक्षा को पुनर्जीवित करने की

क्षमता, सुविधाएँ और दृढ़ संकल्प के साथ युवाओं का भविष्य निर्माण करता है। अच्छे विश्वविद्यालय वही होते हैं, जो उत्कृष्टता के मानकों के आधार पर उच्च गुणवत्ता, छात्र-केंद्रित सीखने के अवसरों को लाने और विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विक्टोरिया विश्वविद्यालय भी कुछ इसी श्रेणी में नजर आया।

विश्वविद्यालय केंद्रीय रूप से कंपाला शहर के केंद्र में स्थित है और मुख्य सार्वजनिक परिवहन मार्गों के बीचोबीच होने के कारण विद्यार्थियों के लिए सुविधाजनक है। मुझे यह जानकर अच्छा लगा कि विक्टोरिया विश्वविद्यालय, भारतीय मूल के रूपारेलिया ग्रुप ऑफ कंपनीज का हिस्सा है, जिसकी युगांडा में शिक्षा क्षेत्र में एक मजबूत उपस्थिति है और इसके पोर्टफोलियो के तहत कंपाला इंटरनेशनल स्कूल युगांडा, कंपाला पैरेंट्स स्कूल और दिल्ली पब्लिक स्कूल इंटरनेशनल हैं।

विक्टोरिया विश्वविद्यालय राष्ट्रीयताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ एक सर्वदेशीय विश्वविद्यालय है। पूर्वी अफ्रीका में सर्वश्रेष्ठ निजी, आगे की सोच और आधुनिक विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठा के साथ विक्टोरिया विश्वविद्यालय अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए एक जीवंत और सकारात्मक वातावरण प्रदान करता है। कार्यक्रम विद्यार्थियों की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

मुझे वहाँ पर उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि किसी विषय को अधिक गहराई से अध्ययन या शोध करने की सुविधा के साथ कॅरियर की महत्त्वाकांक्षाओं के अनुसरण में अपने ज्ञान और कौशल का विस्तार करने के लिए देश-विदेश के विद्यार्थी यहाँ आते हैं।

विश्वविद्यालय में बताया गया कि छात्रों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना एक प्राथमिकता है, वैसे भी अभ्यास करने के लिए सिद्धांत को लागू करना हमेशा आसान नहीं होता है, इसलिए एक सुरक्षित सेटिंग में गलतियाँ करना, आपके सीखने का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। सीखने से पता चल सकता है कि कहाँ-कहाँ पर कठिनाइयाँ आ सकती हैं और उनसे कैसे बचा जा सकता है। नई शिक्षा नीति में हमने व्यावहारिक, प्रैक्टिकल, नवाचार युक्त अभ्यास युक्त शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया है।

विक्टोरिया विश्वविद्यालय नर्सिंग के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहा है। मुझे यह देखकर अच्छा लगा कि विद्यार्थियों में कौशल के साथ आत्मविश्वास, करुणा और विनम्रता जैसी व्यक्तिगत विशेषताओं को भी विकसित कर छात्रों को हर कदम पर सहायता होती है। इंटरैक्टिव और व्यावहारिक वातावरण में आवश्यक कौशल प्रदान होने से विद्यार्थियों का समूचा विकास संभव होता है। अच्छी बात यह है कि शिक्षा

संस्थान स्थानीय समुदाय के साथ भागीदारी करते हुए नवीनतम विज्ञान उपकरणों, प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सामाजिक कल्याण के लिए समर्पित रहते हैं।

शैक्षिक क्षेत्र में बढ़ती लड़कियों की संख्या

वहाँ पर मुझे बताया गया कि शिक्षा देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है।

देखा जाए तो कार्यशाला में एक ही विचारवाले लोगों को एक विशेष मंच में वर्गीकृत करने की क्षमता है। इस तरह के प्लेटफॉर्म समान विचार और व्यवहार के दिमाग के लिए दरवाजे खोलते हैं। विषय के लिए समान जुनून के साथ सीखने वाले समुदाय निश्चित रूप से संसाधन के अधिकतम उपयोग के साथ अपने स्वयं के एक समूह का निर्माण कर सकते हैं, जिससे एक सहजीवी संबंध होता है। इसके अलावा कार्यशालाएँ किसी अन्य संगठन द्वारा सामना किए जानेवाले मुद्दों को संबोधित करती हैं, जो कई गंभीरता को हल करने में सहायक हो सकती

हैं। उत्कृष्ट शिक्षा के माध्यम के रूप में यह छोटे-छोटे कदम निश्चित रूप से शैक्षिक स्तरोन्नयन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विश्वविद्यालय के पश्चात् अगले दिन हम विक्टोरिया लेक देखने गए। विक्टोरिया झील समतल रूप से अल्बर्टिन रिफ्ट के पश्चिमी भाग और ग्रेट रिफ्ट वैली के पूर्वी हिस्से के बीच स्थित है। इसके अलावा कागेरा नदी की छोटी-छोटी धाराएँ भी झील के बेसिन में पानी भरती हैं। झील के लिए सिंगल आउटलेट जिंजा के किनारे है। लेक विक्टोरिया को जलवायु विविधताओं और वर्षा की विषमताओं के प्रति बेहद संवेदनशील बनाते हैं। यहाँ मैं अपने पाठकों को बताना चाहता हूँ कि विक्टोरिया झील लगभग 4,00,000 साल पुरानी है।

मुर्चिसन जलप्रपात

और इसकी 3,440 किमी. लंबी तटरेखा है, जो इसे विश्व की दूसरी बड़ी झील बनाता है।

झील का सतह क्षेत्र लगभग 800 वर्ग किलोमीटर या 26,600 वर्ग मील है। रिवर व्हाइट नाइल या विक्टोरिया नाइल और काटोंगा नदी—दोनों विक्टोरिया झील से बहती हैं। विक्टोरिया झील तीन अफ्रीकी देशों की सीमा बनाती है। युगांडा, तंजानिया और केन्या को आच्छादित करती यह झील क्षेत्र की सबसे बड़ी नदी कागरा नदी का उद्गम भी है। भूवैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिलता है कि झील लगभग 17,300 साल पहले पूरी तरह से सूख गई थी। यह झील, जहाँ देश की जल आवश्यकता को पूरा करती है, वहीं झील का पानी मुख्य रूप से पनबिजली उत्पादन के लिए उपयोग किया जाता है।

Govt hails Indian Nobel prize nominee

कार्यक्रम के विषय में स्थानीय अखबार 'न्यू विजन' की कवरेज

किआरा और नालुबाले (ओवेन फॉल्स) बाँध विक्टोरिया नील नदी पर बनाए गए हैं, नील नदी जिंजा के पास रिपन फॉल्स में झील छोड़ती है, जो 500 किमी. तक उत्तरी दिशा में बहती है।

नील नदी

मुर्चिसन जलप्रपात से गुजरने के बाद नदी अल्बर्ट झील में और अल्बर्ट नील नदी के रूप में बहकर जो सूडान में प्रवेश करती है। झील में कई आकर्षक द्वीप हैं। ये द्वीप उनके आकर्षक प्राकृतिक वातावरण, विदेशी वन्यजीव, वनस्पतियों और जीवों की बदौलत पर्यटकों के आकर्षण का एक प्रमुख स्रोत बन गए हैं। सभी द्वीप अपने आकार, आकार और वनस्पति सहित लोगों और वन्य जीवन के संदर्भ में एक-दूसरे से काफी भिन्न हैं। अपनी जैव-विविधता के लिए सुविख्यात अफ्रीका की सबसे बड़ी उष्णकटिबंधीय झील के रूप में इसे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी ताजे पानी की झील और नील नदी के जलाशय के रूप में भी जाना जाता है। लेक से सीधा हम हवाई अड्डे के तरफ चल पड़े, हमें इथियोपिया होते हुए भारत जाना था। हवाई अड्डे पर भारतीय समुदाय के लोगों के अतिरिक्त माधवानी समूह के सदस्य हमें विदा करने आया थे। भारत की व्यस्तता के कारण जल्दी आना पड़ा अन्यथा इतना जल्दी इस खूबसूरत देश से आने का मन बिल्कुल नहीं था।

□

2

युगांडा का भूगोल, संस्कृति, सामाजिक जीवन एवं आर्थिकी

युगांडा पूर्वी अफ्रीका में विविध संस्कृति एवं समृद्ध जैव प्रौद्योगिकी वाला देश है, जिसके विविध परिदृश्य में बर्फ से ढकी रोंजोरी पर्वत और अपार झील विक्टोरिया शामिल हैं। इसके प्रचुर वन्य जीवन में चिंपांजी और दुर्लभ पक्षी शामिल हैं। दूरस्थ बविंडी इंपेनेत्रबल राष्ट्रीय उद्यान के प्रसिद्ध पर्वत गोरिल्ला अभयारण्य से लेकर उत्तर-पश्चिम में मुर्चिसन फॉल्स नेशनल पार्क के 43 मीटर लंबे झरने और हाथी, शेर, हिप्पोस जैसे वन्यजीवों के लिए यह देश पूरे विश्व में विख्यात है।

युगांडा के दक्षिण सूडान के उत्तर में, पूर्व में केन्या, दक्षिण में तंजानिया और रवांडा और पश्चिम में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य है। राजधानी शहर, कंपाला, विक्टोरिया के किनारे से दूर सात पहाड़ियों के आसपास बना है, जो केन्या और तंजानिया के साथ सीमा का हिस्सा है।

युगांडा का भूगोल

युगांडा 2,36,040 वर्ग किमी. के कुल क्षेत्रफल के साथ एक लैंडलॉक देश है, जिसमें 36,330 किमी. अंतरदेशीय पानी है। यह पूर्वी अफ्रीकी पठार-पूर्वी अफ्रीकी दरार के क्षेत्र में उप-सहारा अफ्रीका में स्थित है। देश अफ्रीकी ग्रेट लेक क्षेत्र का हिस्सा है और उत्तरी और दक्षिणी

गोलार्ध में भूमध्य रेखा से विभाजित सात अफ्रीकी देशों में से एक है। देश प्रतिवर्ष अलग-अलग बारिश और शुष्क मौसम हेतु जाना जाता है।

देश में जहाँ एक तरफ आप बर्फ के साथ पश्चिमी उच्च शीर्ष पहाड़ों देख सकते हैं, वहीं उत्तर अर्ध शुष्क क्षेत्र होने से और बारिश से परिपूर्ण क्षेत्र युगांडा को जैव-विविधता की एक विस्तृत श्रृंखला के रूप में प्रस्तुत करता है। यह खूबसूरत राष्ट्र विविधता के लिए जाना जाता है। पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल द्वारा 'अफ्रीका के मोती' के रूप में नामित किया गया है।

पूर्वी अफ्रीका में स्थित युगांडा पाँच देशों—पूर्व में केन्या, उत्तर में सूडान, दक्षिण में तंजानिया, दक्षिण-पश्चिम में रवांडा और पश्चिम में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य से घिरा है। 'अफ्रीका के मोती' के रूप में विख्यात यह राष्ट्र कई झीलों से घिरा है, जब आप युगांडा कंपाला में लैंड करते हैं तो पूरा क्षेत्र पानी और हरी वनस्पतियों से ढके हुए स्थान के रूप में नजर आता है।

सौ साल पुरानी तसवीर में टोकरी बनाते ग्रामीण

युगांडा अपने रणनीतिक स्थान और विभिन्न जलवायु के कारण देश पूरे अफ्रीकी क्षेत्र में विविधतापूर्ण वनस्पति का घर है। यह देश महाद्वीप के पक्षियों की प्रजातियों के 50 प्रतिशत से अधिक और विश्व पक्षी की प्रजातियों के 10 प्रतिशत से अधिक को अपने यहाँ आश्रय देता है। 60 महत्त्वपूर्ण संरक्षित क्षेत्र और 10 राष्ट्रीय राजपत्रित उद्यानों के साथ यह देश प्रकृतिप्रेमियों को आकर्षित करता है। राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण नीति संरक्षित क्षेत्र में युगांडा के नियमों की वजह से वन्यजीवों

की संख्या में सकारात्मक असर पड़ा है। युगांडा के दो राष्ट्रीय उद्यानों बी.वी.आई. इंपेनेट्रेबल नेशनल पार्क और रोंजोरी पर्वत राष्ट्रीय उद्यान को विश्व धरोहर स्थलों के रूप में यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त है।

युगांडा समुद्र तल से लगभग 1,100 मीटर (3,609 फीट) ऊपर है। देश में ज्यादातर कुछ रोलिंग पहाड़ियों और कम पहाड़ों के साथ पठार है। पूर्व में ज्वालामुखी की तलहटी के साथ ग्रासलैंड और उष्णकटिबंधीय वन मध्य क्षेत्र जैव-विविधता से भरपूर हैं। रूजेनोरी पर्वत युगांडा और डी.आर.सी. के बीच दक्षिण-पश्चिम सीमा का अधिकांश भाग बनाते हैं। वहाँ की सबसे ऊँची चोटियाँ बर्फ से ढकी हैं। पूर्वी युगांडा में केन्या के साथ सीमा ज्वालामुखी पहाड़ियों द्वारा चिह्नित है।

जल-संसाधनों के मामले में युगांडा अत्यंत समृद्ध देश है। पूरा देश विभिन्न नदियों, जल-प्रपातों, जलाशयों से भरा हुआ है और इसमें कई बड़ी-बड़ी झीलें हैं। वास्तव में इसके कुल क्षेत्रफल का लगभग पाँचवाँ हिस्सा खुला पानी या स्वापलैंड है। पूर्वी अफ्रीका की महान् झील में से चार—झील विक्टोरिया, झील क्योगा, झील अल्बर्ट और झील एडवर्ड युगांडा में बड़े पैमाने में मछली पकड़ने का कार्य होता है, जो देश के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करने में सहायक है। विक्टोरिया झील दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अंतरदेशीय मीठे पानी की झील (सुपीरियर झील के बाद) है, जिसे इस क्षेत्र में विक्टोरिया नील नदी के रूप में संदर्भित किया जाता है। अल्बर्ट झील को छोड़ने के बाद नदी को अल्बर्ट नील नदी के रूप में जाना जाता है। इसके बाद यह सूडान में बहती है, जहाँ इसे बहार अल जबाल या माउंटेन नाइल के नाम से जाना जाता है।

क्योगा झील और आसपास का बेसिन मध्य युगांडा कृषि की दृष्टि से अत्यंत उपजाऊ है। अन्य झीलों में झील कावानिया, लेक बुगोंडो,

लेक जॉर्ज और ओपेटा झील शामिल हैं।

इस अद्‌भुत देश में कई प्रमुख झीलें हैं—जिनमें झील एडवर्ड, लेक विक्टोरिया, झील अल्बर्ट और झील क्योगा प्रमुख हैं। झीलों के चारों ओर प्राकृतिक लुभावने समुद्र तटों की मौजूदगी के कारण झीलों का तट नैसर्गिक सौंदर्य से भरपूर है। दस राष्ट्रीय उद्यानों के साथ युगांडा एक ऐसी जगह है, जहाँ कई प्रकार की गतिविधियों का आनंद लिया जा सकता है, जिनमें गोरिल्ला ट्रैकिंग, बर्ड वाचिंग, चिंपांजी ट्रैकिंग, प्रकृति की सैर, सांस्कृतिक पर्यटन, लंबी पैदल यात्रा और खेल ड्राइव प्रमुख हैं। भूमध्य रेखा पर सटा युगांडा 236,580 वर्ग किमी. के क्षेत्र में चार क्षेत्रों (मध्य, पूर्वी, उत्तरी और पश्चिमी) तक फैला है। इसकी राजधानी कंपाला है। विक्टोरिया झील देश के लिए अत्यंत भाग्यशाली मानी जाती है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी नदी नील का स्रोत है, कंपाला से कुछ दूरी पर स्थित है। युगांडा औसतन 1,100 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। देश दक्षिण सूडान गणराज्य से उत्तर-पूर्व में केन्या गणराज्य, पश्चिम में कांगो लोकतांत्रिक और तंजानिया संयुक्त गणराज्य और दक्षिण में रवांडा गणराज्य से घिरा है। युगांडा एक समशीतोष्ण जलवायु वाला देश है। युगांडा में मौसम न अधिक गरमीवाला न अत्यधिक सर्दीवाला होता है, देश के अधिकांश भागों में तापमान 16–26^{0}C के बीच रहता है।

युगांडा की संस्कृति

विविधता पूर्ण सांस्कृतिक प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता दरशाता यह देश संपूर्ण विश्व से पर्यटकों को अपनी समृद्ध संस्कृति के प्रति आकर्षित करता है। एक राष्ट्र के रूप में युगांडा की संस्कृति अत्यंत जीवंत है। अपनी विविध सांस्कृतिक प्रथाओं को बनाए रखने की लोगों में जोश एवं प्रतिबद्धता दिखती है।

पूर्व औपनिवेशिक काल में अब युगांडा में पारंपरिक परंपराओं को बारीकी से बुनना इकाइयाँ थीं, उनका सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संगठन पारंपरिक नेता के परिवार, कबीले और/या संस्था के चारों ओर घूमता था। पुरुषों, महिलाओं के बच्चों की दैनिक गतिविधियाँ, चाहे वे व्यक्ति हों या समूह, संस्कृति द्वारा निर्धारित आंतरिक रूप से जुड़े हुए थे।

युगांडा एक समृद्ध और विविध विरासत के साथ संपन्न है, अठारहवें स्वदेशी समुदायों के अनूठे धर्मशास्त्रों के साथ। इस विरासत में कलात्मक और सांस्कृतिक भाव शामिल हैं। ये हैं—भाषा और साहित्य कला, प्रदर्शन कला, दृश्यकला और हस्तशिल्प, स्वदेशी ज्ञान, सांस्कृतिक विश्वास, परंपराएँ और मूल्य, सांस्कृतिक स्थल स्मारक और प्राचीन वस्तुएँ।

भाषा और साहित्य कला

युगांडा में विभिन्न प्रकार की स्वदेशी भाषा और बोलियाँ हैं। अंग्रेजी युगांडा की आधिकारिक भाषा है और किस्किल्ली दूसरी आधिकारिक भाषा है। विभिन्न भाषाएँ ज्ञान का एक विशिष्ट केंद्र हैं और लोगों के बीच तथा देश के बाहर संचार की सुविधा प्रदान की है। इसके अलावा साहित्यिक कलाएँ देश में सबसे अच्छे सांस्कृतिक उद्योगों में से एक हैं।

कला प्रदर्शन

प्रदर्शन करनेवाली कलाओं में शामिल हैं—नृत्य, नाटक, संगीत, रंगमंच, चलचित्र, ओपेरा, पारंपरिक खेल और पीतल के बैंड जैसे मार्चिंग। इनका उपयोग आत्म-अभिव्यक्ति, शिक्षा और समुदायों के मनोरंजन के साथ-साथ मनोरंजन के लिए किया जाता है। समुदायों में, पारंपरिक और आधुनिक प्रदर्शन कलाओं को विकास में समुदायों द्वारा

टोफसिलिटेट भागीदारी के साधन के रूप में लोकप्रिय किया गया है। इसके अलावा सांस्कृतिक, शैक्षणिक संस्थानों और निजी क्षेत्र ने प्रदर्शन करनेवालों का समर्थन किया है।

दृश्यकला और हस्तशिल्प

दृश्यकला और हस्तशिल्प में अन्य लोग शामिल हैं—टोकरी, मैट, चीनी मिट्टी की चीजें, मोती, मिट्टी के बरतनों, हाथ से बुने हुए वस्त्र-उत्पाद, खिलौने, आभूषण, बैग और आभूषण, चमड़े के उत्पाद, बैटिक, लकड़बग्घा और चित्र।

देश में कला और शिल्प कला के उत्पादन में इस्तेमाल होनेवाले कच्चे माल आसानी से उपलब्ध हैं। देश के लगभग सभी क्षेत्रों में दृश्यकला और शिल्पकला का उत्पादन संस्कृति और इतिहास के आधार पर किया जाता है। इसने विभिन्न समुदायों की पहचान को बढ़ावा दिया है और आय-सृजन के लिए रास्ते तैयार किए हैं।

स्वदेशी ज्ञान

स्वदेशी ज्ञान विविध, सुलभ, सस्ता और स्वीकार्य है। स्वदेशी ज्ञान स्थानीय समुदायों, विशेषकर गरीबों के लिए समस्याओं के समाधान के लिए आधार प्रदान करता है।

स्वदेशी ज्ञान का उपयोग आमतौर पर कृषि, पारंपरिक चिकित्सा, स्वास्थ्य देखभाल, भोजन तैयार करने, शिक्षा, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और ग्रामीण समुदायों में अन्य गतिविधियों के लिए किया जाता है। यह उन महिलाओं के लिए चारित्रिक रूप से प्रासंगिक है, जो इसका उपयोग अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को निभाने के लिए करती हैं।

सांस्कृतिक मान्यताओं, परंपराओं और मूल्यों का देश

युगांडा की अलग-अलग मान्यताएँ और परंपराएँ हैं, जो उनके

सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों में गहराई से निहित हैं। अविश्वासियों, परंपराओं और मूल्यों ने सामाजिकता और विकास के प्रसार में योगदान दिया है।

इन मान्यताओं, परंपराओं और आधुनिक कानूनों के साथ संघर्ष स्पष्ट रूप से दिखता है। विधवा वंशानुक्रम, जैसे विषयों पर स्थानीय और विदेशी लोगों के बीच संघर्ष देखा गया है। कुछ मामलों में इससे समाज में नैतिक ताने-बाने का क्षरण हुआ है, जिससे सबसे अधिक प्रभावित होने वाला वर्ग युवा है।

सांस्कृतिक स्थल, स्मारक और स्मारक

युगांडा में कई सांस्कृतिक स्थल और मान्यताओं, परंपराओं के समृद्ध केंद्र पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं। उनमें से कुछ मानव निर्मित हैं, जबकि अन्य प्राकृतिक हैं। ये स्थल, स्मारक और प्राचीन वस्तुएँ सामाजिक-सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। वे पर्यटन को बढ़ावा देते हैं और फलस्वरूप लोगों के लिए रोजगार का सृजन करते हैं। प्राकृतिक स्थल पर्यावरण की सुरक्षा को भी बढ़ाते हैं।

युगांडा के स्वदेशी समुदाय

युगांडा के पास 65 सांस्कृतिक समुदाय हैं, जो युगांडा के विविध सांस्कृतिक विरासत को दरशाते हैं। विविधता में स्वदेशी ज्ञान, भाषाओं, लोककथाओं, रीति-रिवाजों और परंपराओं और संस्कृति के विकास में योगदान होता है, जो विकास के लिए सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं। कार्यस्थलों पर, शैक्षिक संस्थानों में परिणामी अंतर्संबंधों के रूप में अन्य संस्कृतियों की आपसी समझ और सामंजस्य एवं सामाजिक सहयोग को बढ़ाते हैं।

देश में गैर-स्वदेशी भी मौजूद हैं। कुछ स्वदेशी लोगों के बीच के

अंतर्जातीय विवाह के परिणाम हैं, जबकि अन्य विदेशी हैं, जो युगांडा में रहते हैं। इन अंतर्विरोधों ने न केवल अन्य संस्कृतियों की समझ को बढ़ाया है, बल्कि नई संस्कृतियों के उद्‌भव के लिए भी प्रयास किया है।

विविधता पूर्ण जीवंत संस्कृति

युगांडा के कई राज्यों ने युगांडा संस्कृति को मूर्त रूप दिया, जिसमें टोरो और बुगांडा का राज्य, बानोरो का राज्य और बुसोगो का साम्राज्य और अन्य वंश शामिल हैं। युगांडा में कई राज्यों और प्रमुखों के अलग-अलग परंपराओं का सजीव चित्रण देश की संस्कृति में देखा जा सकता है। युगांडा के लोगों की अलग-अलग संस्कृतियाँ और मानदंड हैं; इसलिए कई आकर्षणों, जैसे सांस्कृतिक स्थलों और सांस्कृतिक कला के माध्यम से संस्कृति का अवलोकन किया जा सकता है, शिल्प गतिविधियों, जैसे लकड़ी की नक्काशी, आभूषण, चटाई और हथियार, कपड़ों, आभूषणों के माध्यम विविधतापूर्ण संस्कृति के दर्शन होते हैं। देश की संस्कृति से जुड़ी अनेक वस्तुएँ संपूर्ण विश्व में प्रख्यात हैं।

मूल कला बहुत लोकप्रिय थी; अफ्रीकी लोगों ने प्रवासियों की बातों को केवल उतना ही अपनाया है, जितना कि उनके जीवन के तरीके के अनुसार लगता है। कई ने इसलामिक प्रभावों के खिलाफ अपनी आदिवासी परंपराओं का बचाव किया, बाद में ईसाई धर्म के खिलाफ भी। लगा हुआ प्लास्टिक आर्ट ब्लैक अफ्रीका सभी लोगों के बीच समान स्तर का महत्त्व हासिल नहीं कर पाया है। कुछ जनजातियों ने अपनी झोंपड़ियों या मिट्‌टी के बरतनों की सजावटी पेंटिंग को अधिक महत्त्वपूर्ण माना, दूसरों ने बड़े सम्मान से नक्काशी की। बंटू लोगों के बीच मूर्तिकला अत्यधिक विकसित हुई, इसका विनाश स्पष्ट रूप से यह दरशाता है कि महिलाओं ने सामाजिक जीवन पर वर्चस्व कायम किया था।

युगांडा में हस्तशिल्प उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें टोकरी, चटाई, मिट्टी के पात्र, मोती, मिट्टी के बरतन, हाथ से बने वस्त्र और बुने हुए उत्पाद से लेकर खिलौने, आभूषण, बैग, चमड़े के उत्पाद, बैटिक और लकड़ी के शिल्प आदि शामिल हैं। इन वस्तुओं का उत्पादन सभी जिलों में किया जाता है। स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करना और संस्कृति, इतिहास और परंपराओं के आधार पर सीमित संस्करण में जनजातीय आभूषणों का निर्माण युगांडा की विशेष है।

हस्तकला एक सांस्कृतिक परंपरा है और मुख्य रूप से एक कुटीर उद्योग है, जिसका अभ्यास दोनों लिंगों के ग्रामीण युवाओं द्वारा किया जाता है, लेकिन मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा—अपनी आय के पूरक के लिए। यह पीढ़ी-दर-पीढ़ी शिल्प कौशल को आगे सौंपने की परंपरा रही है। यह परंपरा समय के साथ चलती रही है। यहाँ तक कि शिल्प कौशल के वास्तविक स्वामी भी पाए जा सकते हैं। हालाँकि हस्तकला के उत्पादन ने एक नई औद्योगिक शाखा के रूप में तेजी देखी है और यह स्थायी पारिवारिक आय के लिए एक संभावित व्यवसाय के रूप में मान्य है। इस प्रकार युगांडा कलाकारों, व्यापारियों और निर्यात के लिए आधुनिक कला को अधिक-से-अधिक आकर्षक बना देता है।

युगांडा की कला और शिल्प में से कुछ वास्तव में संगीत वाद्ययंत्र हैं, जैसे ड्रम, थंब पिआनोस, रुकी हुई मिट्टी और ईख के पाइप, लियर फिडल और रैटल। कुछ कास्ट-आयरन की घंटियाँ नर्तक द्वारा पैरों पर बाँधी जाती हैं। युगांडा में शिल्प कौशल एक ऐसी प्रथा है, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। इसमें बॉस्केट, पॉटरी, वुड-वर्किंग जैसे शिल्प शामिल हैं।

विश्वप्रसिद्ध युगांडा की हस्तकला

आर्थिक कठिनाइयों से गुजरकर नए युग का सूत्रपात

लकड़ी को एक कुल्हाड़ी के माध्यम से संसाधित किया जाता है। इसे या तो कालिख या वसायुक्त मिश्रण के साथ पॉलिश कर, जड़ों और पत्तियों से रस के साथ ट्रीटमेंट कर उसे कलात्मक नमूनों में ढाला जाता है।

- मिट्टी की मूर्तियों को कुम्हार के चाक की मदद के बिना हाथ से बनाया गया है। युगांडा में लुजिवा की मिट्टी की मूर्तियाँ विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।
- आइवरी मूल रूप से शक्ति के लिए प्रतीक माना जाता है और ट्रॉफी के शिकार के रूप में इसे प्रस्तुत किया जाता है। इसे बहुत कुशलता से हाथ के छल्ले और मुखौटे में संसाधित कर सुंदर नक्काशी की जाती है। पुराने समय से ही लोहे को भाले, चाकू, औजार आदि से संसाधित किया जाता था।
- कांस्य, जस्ता और सीसा के साथ पीला रंग मिला है, इसलिए

इसे 'पीला कास्ट' नाम दिया गया।

- जल्द-से-जल्द सोने और चाँदी पर भी कलात्मक प्रक्रिया कर इसे सुंदर कलाकृत्यों में ढाला गया। इसलाम के प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में चाँदी को प्राथमिकता दी जाती थी।

विदेशी सैलानियों को आकर्षित करती हस्तशिल्प की दुकानें

- पत्ता फाइबर, केले के पौधों के तनों के साथ-साथ विभिन्न घास के विकरवर्क—पत्ता फाइबर, केले के पौधों के तनों के साथ-साथ शुरुआती सामग्री के लिए प्रदान किए गए विभिन्न घास के प्रकार को प्रसंस्कृत कर बेहद खूबसूरत टोकरियों का निर्माण किया गया। टोकरी, कटोरे, छींटे, ढाल और मट (जो सजावट और दीवार के हैंग के रूप में भी उपयोग किए जाते थे) का उत्पादन किया गया था। करघा के माध्यम से बुनाई

कर उत्तम उत्पाद तैयार किए जाते हैं।

- चमड़ा विशेष रूप से देहाती जनजातियों द्वारा संसाधित कर उसमें सामंजस्यपूर्ण रूप से संतुलित अमूर्त डिजाइन चित्रित किए। महिलाएँ चमड़े और मोतियों से आभूषण बनाने में निपुण हैं। कद्दू (लौकी) या ज्यामितीय डिजाइन के साथ सजाया गया पैटर्न अत्यधिक लोकप्रिय है।

मूर्तियाँ और मुखौटे

यूरोपीय बहुत लंबे समय तक काले अफ्रीकियों के अधिशेष रूपों को पहचानने में सक्षम नहीं थे, क्योंकि वे ग्रीक विचारों की प्रणाली में निहित थे। इन 'मूर्तियों' से बाहर कला में आध्यात्मिक दर्शन और औपचारिक समाधान करना उनके लिए कठिन था। इस प्रणाली के केंद्र में मानव आकृति को रखा गया था, लेकिन इसके प्राकृतिक अनुपात में नहीं; आध्यात्मिक महत्त्व क्या था, इस पर जोर दिया गया था, इसलिए इससे इन सार रूपों का निर्माण हुआ। कला मुख्य रूप से धर्म की सेवा थी—दिव्य शक्ति, दैवीय महानता, भव्यता, शांति और मृत्यु जैसी अमूर्त अवधारणाएँ कलाकार द्वारा चित्रित की जानी थीं, लेकिन वे मानव के लिए बहुत अच्छी समानता नहीं रखते थे, क्योंकि इन्हें उचित माना जाता था।

लिपि के बिना लोगों के लिए कला ने अभिव्यक्ति के एक प्राकृतिक रूप का गठन किया। यह सभी द्वारा समझी जानेवाली भाषा थी। यह जनजातीय इतिहास, मिथकों और किंवदंतियों के बारे में बताती है और पवित्र क्रियाओं के लिए आवश्यक गरिमा को स्वीकार करती है। मूर्तियाँ अदृश्य और अलौकिक शक्तियों की अभिव्यक्ति मानी जाती रही हैं। ये लेख विभिन्न पंथ-प्रदर्शनों में उपयोग किए जाते रहे हैं। मूर्तियाँ वास्तव में एक सामान्य प्रतीकात्मक मूल्य को प्रदर्शित करती हैं; उनके सम्मान

में वेदियों और मंदिरों का निर्माण कर पशु मूर्तियाँ बिजली और सुरक्षा के लिए और अभिभावकों के रूप में खड़ी की जाती थी।

मुखौटे अलौकिक शक्तियों की अभिव्यक्ति, मुखौटा नृत्य में दैवीय शक्ति के आह्वान, आत्माओं के आह्वान में उपकरण के रूप में प्रयुक्त होते रहे हैं।

बुवाई से पहले, फसल की कटाई के बाद, बारिश के लिए और जनजातियों की उर्वरता के लिए भी समय अवधि के लिए नृत्य किए जाते थे। हलकों, डॉट्स और धारियों के रूप में चेहरे की पेंटिंग करके नर्तकियों को अकसर मुखौटे लगाए जाते हैं; शायद यह भी मुखौटे का मूल रूप था।

कला और हस्तकला, विशेष रूप से पूरे समुदाय (ग्रामीणों) द्वारा शुष्क मौसम के दौरान अभ्यास करके पीढ़ी-दर-पीढ़ी ज्ञान प्रदान किया जाता रहा है। पूर्व समय में विशेष रूप से कुशल कलाकारों को बढ़ावा दिया गया था और उनमें से कुछ को शाही दरबार में बुलाया गया था।

प्रारंभ में मूर्तियाँ एक सामाजिक आवश्यकता के अनुरूप थीं, क्योंकि उन्होंने सामूहिक भावना और व्यवस्था को परिभाषित किया तथा अलौकिक शक्तियों के साथ संबंधों को विनियमित किया। बाद में इसने प्रतिष्ठा और सजावट का नेतृत्व किया। कपास के पेड़, आबनूस और महागनी के पेड़ आवश्यक कच्चा माल प्रदान करते हैं। इस तरह की हस्तकला विशेष रूप से बंटू लोगों के बीच विकसित की गई थी, जबकि खानाबदोश (देहाती जनजातियों) ने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

युगांडा के शिल्प कार्य इतने विविध हैं कि विभिन्न जातीय सेटिंग पर ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी को भी अलग-अलग जातीय समूहों के शिल्प के भीतर होनेवाले भेद बनाने और समानताएँ देने की आवश्यकता होती है। शिल्प में जो अंतर दिखाई देते हैं, वे प्रत्येक जातीय समूह की सांस्कृतिक प्रथाओं के परिणाम हैं।

इसके अलावा नृवंशविज्ञानी मानते हैं, चूँकि बहु-मुख वाले भाले लगभग हमेशा औपचारिक या मैगिको-धार्मिक प्रथाओं से जुड़े होते हैं, इसलिए बहु-मुँह वाले बरतन का उपयोग पीड़ित को जहर की बीयर देने के लिए किया जाता था, जो कबाका के प्रकोप से पीड़ित होते थे। लुओ और कुछ बंटू समूह—बसमिया और बग्वे कुछ धार्मिक संस्कारों में एक डबल माउथ पॉट का उपयोग करते हैं, विशेष रूप से जुड़वाँ बच्चों के जन्म के अवसर पर यह लोकप्रिय था।

आमतौर पर युगांडा के शिल्प के घरेलू और सांस्कृतिक स्तर पर विभिन्न श्रेणियों की खास पहचान है—युगांडा से भोजन और पेय के लिए लौकी के बरतन और लकड़ी के बरतन, मिट्टी के बरतनों, पाइप, टोकरीसाजी, दस्त, विविध घरेलू वस्तुएँ, कपड़े और अलंकरण, खाल और छाल, पूँछ और एप्रन, बेल्ट और करधनी, बाल ड्रेसिंग, हेडड्रेस और चेहरे के गहने, गर्दन, हाथ और पैर के गहने; ढाल, भाले, धनुष और तीर, तलवारें, नाचने वाले हथियार, शिकार चाकू, उँगली चाकू और कलाई चाकू, शिकार गियर और ध्वनि उपकरण पूरे विश्व में निर्यात किए जाते हैं।

आधुनिक समय में विभिन्न क्षेत्रों और संस्कृतियों के बीच झड़पें होती हैं। उदाहरण के लिए, बुगंडा में, युगांडा और उससे आगे के सभी हिस्सों में अप्रवासी हैं। इस प्रकार शिल्प और कला के संबंध में एक-दूसरे को प्रभावित करनेवाली संस्कृतियों की देशव्यापी प्रवृत्ति है।

नई सामग्री और तकनीकों के उपयोग से कला क्षेत्र में प्रवीणता आई है। प्लास्टिक और एल्युमीनियम उत्पादों ने मिट्टी के बरतनों जैसे उपयोगी स्थानीय शिल्पों की कमी को जन्म दिया है। युगांडा में अधिक-से-अधिक लोग प्लास्टिक के बरतन, जैसे कि जेरे के डिब्बे, मग और कटोरे का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए युगांडा के अधिकांश शिल्प सजावटी हो गए हैं। शब्द के शाब्दिक अर्थों में प्रसंस्करण हाथ में था—

हाथ, पैर और दाँत काम की प्रक्रिया में शामिल थे। टोकरी, कटोरे, छींटे, ढाल और मट (जो सजावट और दीवार के हैंग के रूप में भी उपयोग किए जाते थे) का उत्पादन किया जाता रहा है।

परंपरागत कलाओं के विपणन को प्राथमिकता

अतीत में जब बाजार स्थानीय थे, जब जीवन धीमी गति से चलता था और उत्पादों के खरीदार नहीं थे, उस समय आधुनिक उपयोग के लिए पारंपरिक शिल्प को नया स्वरूप देने की आवश्यकता नहीं थी। विदेशी लोगों की उत्पादों में रुचि से इस क्षेत्र में काफी संभावनाएँ बढ़ी हैं। आज सरकार स्वदेशी तरीकों को संरक्षित करना और प्रोत्साहित कर स्थानीय लोगों, विशेष रूप से महिलाओं के लिए रोजगार पैदा करना, विशाल बाजार का फायदा उठाना चाहती है। युगांडा में विश्व भर से आनेवाले पर्यटकों ने युगांडा के अधिकांश हस्तशिल्पों की दिल खोलकर प्रशंसा की है। युगांडा के लोग अफ्रीका के सबसे अच्छे मेहमाननवाज हैं। यह राष्ट्र प्राचीन राज्यों के एकीकरण के साथ-साथ कई स्वतंत्र

सरदारों का परिणाम है। उनकी विरासत लोगों के दिलों में रहती है और उनकी वंशागत हस्तकला, पारंपरिक वेशभूषा, भाषा और व्यवहार आज भी युगांडा की संस्कृति का अभिन्न अंग है। युगांडा की भूमध्यरेखीय जलवायु पहाड़ों से ठंडी हवाओं के कारण शीतोष्ण मौसम में एक बड़ा क्षेत्र आच्छादित रहता है, वर्षा ऋतु में भरपूर वर्षा होती है, (जो अप्रैल और नवंबर के आसपास गिरती है), यहाँ पर विविध प्रकार की वनस्पति देखने को मिलती है। इन्हीं वनस्पतियों से देश की कलात्मक वस्तुओं के लिए कच्चा माल मिलता है।

विविधता भरी संस्कृति का देश

विविध भाषाओं का देश

देश में 30 से ज्यादा भाषाएँ बोली जाती हैं, अंग्रेजी आधिकारिक भाषा है। स्वाहिली भी व्यापक रूप से बोली जाती है। युगांडा में जातीय समूहों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें कई अलग-अलग भाषाएँ बोली जाती हैं, जैसे कि लुगंडा (सबसे आम), अंग्रेजी (केवल एक छोटा सा

हिस्सा इसे बोलता है), बंटू, स्वाहिली, नीलोटिक और लुमासाबा। ईसाई लोग युगांडा की आबादी का 85.2 प्रतिशत हैं। सिखों और हिंदुओं की एक निश्चित संख्या है। 12 प्रतिशत लोग मुसलिम हैं। लोगों के अलग-अलग पृष्ठभूमि से आने के कारण भाषायी विविधता बनी हुई है।

विनम्रता और सम्मान को महत्त्व

युगांडा के विषय में सबसे अच्छी बात मुझे यह लगी कि हमारी तरह इस देश की संस्कृति में विनम्रता और सम्मान को बहुत महत्त्व दिया जाता है। युगांडा के लोग अत्यंत सरल-सौम्य होते हैं। वे अकसर मुसकराते रहते हैं और हँसने तथा मजाक करने के लिए जाने जाते हैं।

साधारणत: दुर्व्यवहार और आक्रामक व्यवहार असामान्य बात है। देश के लोग विनम्रता को किसी भी चीज को अर्जित करने का तरीका मानते हैं। विशेष रूप से मध्य क्षेत्र में, युगांडा के लोगों में उनके ऊपर पदानुक्रम और सम्मान की भावना है।

युगांडा का पारंपरिक नृत्य

कंपाला के बुगंडा राज्य में महिलाएँ और बच्चे अकसर किसी आगंतुक या व्यक्ति को सम्मान देने के लिए बिल्कुल झुक जाते हैं। देश में मूल्य आधारित जीवन पर जोर है, जिसका एक कारण यह भी है कि यहाँ ईसाई धर्म के अनुयायी परोपकार, समभाव, उदारता, परस्पर सहयोग, सच्चाई को जीवन में उतारने का प्रयास करते हैं। महिलाओं के प्रति सम्मान पर विशेष ध्यान दिया जाता है। पूर्वी अफ्रीकी रेलवे के निर्माण में तकनीकी श्रम आपूर्ति के एक प्रमुख स्रोत के रूप में युगांडा में भारतीयों के शुरुआती आगमन इस देश के विकास में अत्यंत महत्त्वपूर्ण कदम था। उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया के दौरान भारतीयों की एक दूसरी लहर ने भी युगांडा को अपना घर बनाया।

ये वे लोग थे, जो पुराने लोगों की अपेक्षा अधिक शिक्षित, अधिक कौशलयुक्त थे। ज्यादातर सैनिक, क्लर्क और कारीगर थे, जिन्हें संविदा पर रखा गया था। उनमें से कुछ देश में मौजूद व्यापार और वाणिज्यिक अवसरों के बाद यहीं बने रहे। युगांडा के प्रमुख शहरों में हिंदू मंदिर आम हैं, जो विभिन्न वास्तुकला, ऊँची उड़ान वाले झंडों और इमारतों को सजानेवाली मूर्तियों के कारण पहचाने जाते हैं। निष्कासन के समय उनके मंदिरों को स्थानीय लोगों ने अपने कब्जे में ले लिया और सामुदायिक हॉल, स्कूलों, धार्मिक केंद्र को भंडारण सुविधाओं में बदल दिया।

बच्चों द्वारा पारंपरिक नृत्य

विविध सांस्कृतिक धरोहरों के साथ युगांडा एक बहुलतावादी देश है। विभिन्न धर्मों, संप्रदायों, समूहों के होते हुए भी देश एकता के सूत्र में आबद्ध है।

पारंपरिक विवाह में भाग लेती महिलाएँ

देश के सभी 30 जातीय समूह विभिन्न प्रकार की भाषाएँ, सांस्कृतिक प्रथाओं, परंपराओं और शासन के ऐतिहासिक रूपों के साथ आपसी सौहार्द के साथ रहते हैं। युगांडा में एक बाजार-शैली की अर्थव्यवस्था और एक मजबूत लघु-उद्यमशील संस्कृति है, परंतु समग्र रूप से देखा जाए तो देश मुख्य रूप से ग्रामीण देश है, जिसकी आबादी देश के दक्षिणी हिस्सों में केंद्रित है। औपनिवेशिक काल में कई क्रूर शासकों ने यहाँ शासन किया।

पारंपरिक नृत्य

स्वाधीनता के उपरांत युगांडा में अस्थिरता का युग रहा। 1970 और '80 के दशक की अराजकता तथा नागरिक संघर्ष के बाद स्थिरता और आर्थिक विकास के नए युग का सूत्रपात हुआ। राष्ट्रपति मुसेवेनी अब अपने चौथे कार्यकाल में हैं। सक्षम नेतृत्व के माध्यम से आर्थिक विकास और असंतोष को शांत करने के लिए जाने जाते हैं।

परंपरागत पुरुष नृत्य

अतीत में मुसलमानों, एंग्लिकन और अन्य ईसाइयों के बीच बहुत अधिक प्रतिस्पर्धा हुई, लेकिन आज के दौर में ये रिश्ते काफी अच्छे और मजबूत हैं। देश में अल-शबाब जैसी ताकतों की घुसपैठ, सोमाली

आतंकवादी समूह, जो पूर्वी अफ्रीका में फैलने की कोशिश कर रहा है, का खतरा रहता है, परंतु अभेद्य सुरक्षा के कारण देश की सुरक्षा अत्यधिक मजबूत है।

ढोल

ढोल एक सामान्य वाद्ययंत्र है, जिसका उपयोग पूरे युगांडा में किया जाता है। इसका उपयोग भी विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है, जो मुख्य रूप से भेड़, बकरियों और अन्य पशुओं की खाल से बना होता है। जिसका उपयोग पूरे युगांडा में किया जाता है।

युगांडा में बहुप्रचलित ड्रम

ड्रम जानवरों की खाल से बने होते हैं। यंत्र का उपयोग राजा के उत्सव और कबाका की वर्षगाँठ के दौरान बुगांडा में किया जाता है। इसका उपयोग जनता के लिए मुद्दों को संप्रेषित करने के लिए भी किया जाता है। वे लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए संगीत पेश करते हैं और फिर उस संदेश को प्रकट करते हैं, जिसे वे समुदाय या पूरे कबीले में भेजना चाहते हैं।

युगांडा के पारंपरिक टॉम्ब

पारंपरिक रूप से माब्ले संस्कृति, अंतिम दफन अनुष्ठानों और चर्च सेवाओं का उपयोग किया जाता है और पारंपरिक पूजा के दौरान ड्रम, द्रव्यमान का भी उपयोग किया जाता है। ड्रम भी मनोरंजन का एक और तरीका है और विभिन्न समूह विभिन्न तकनीकों का उपयोग करते हैं, जो कि विभिन्न संस्कृतियों के नृत्य आंदोलनों से मेल खाती हैं।

युगांडा की अर्थव्यवस्था

ईश्वर ने युगांडा को पर्याप्त प्राकृतिक संसाधन दिए हैं, जिसमें उपजाऊ मिट्टी, नियमित वर्षा, पुनर्प्राप्त करने योग्य तेल का पर्याप्त भंडार, ताँबा, सोना और अन्य खनिजों के छोटे भंडार शामिल हैं। अर्थव्यवस्था मूल रूप से कृषि आधारित है और यह कामकाजी आबादी के कुल तीन-चौथाई हिस्से को व्यस्त रखती है। युगांडा की मध्यम जलवायु विशेष रूप से पशुधन और फसलों दोनों के अनुकूल है। अधिकांश अफ्रीकी देशों की तरह है, आर्थिक विकास

और आधुनिकीकरण देश की राजनीतिक अस्थिरता से प्रभावित हुए हैं। ईदी अमीन और मिल्टन ओबोटे की सरकारों द्वारा अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान की भरपाई के लिए मुख्य रूप से पश्चिमी देशों और पूर्व एशियाई निवासियों से कृषि एवं कोर उद्योगों में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित किया गया था।

कार्यक्रम में परंपरागत वेशभूषा

1991 के निवेश कोड ने स्थानीय और विदेशी निवेशकों को कर तथा अन्य प्रोत्साहन की पेशकश की और युगांडा निवेश प्राधिकरण बनाया, जिससे संभावित निवेशकों के लिए लाइसेंस और निवेश अनुमोदन प्राप्त करना आसान हो गया। इस कदम ने देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

'90 के दशक से आर्थिक सुधार

1990 के दशक और 2000 के दशक की शुरुआत में अर्थव्यवस्था

में तेजी से सुधार हुआ और युगांडा को आर्थिक स्थिरता और विकास की उच्च दर के लिए प्रशंसित किया गया। यह विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और सरकारी विभाजन तथा निजीकरण एवं मुद्रा सुधार की अपनी आर्थिक नीतियों के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय समुदाय द्वारा प्रशंसा किए जाने वाले कुछ अफ्रीकी देशों में से एक है। युगांडा अंतरराष्ट्रीय समर्थन और ऋण को सुलझाने में विशेष रूप से सफल रहा है।

टेक्सटाइल इंडस्ट्री

कड़े आर्थिक सुधार परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए ऋण राहत प्राप्त करनेवाले कुछ देशों में से एक के रूप में चुना गया था और तब से महत्त्वपूर्ण ऋण राहत के लिए अर्हता प्राप्त करना जारी रखा है। इस वजह से युगांडा गरीबी उन्मूलन और संसाधन शोषण, उद्योगों और पर्यटन के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम है

कृषि आधारित अर्थव्यवस्था

कृषि युगांडा की अर्थव्यवस्था के सबसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है, जिसमें देश का 72 प्रतिशत कार्यबल कार्यरत हैं। कृषि निर्यात से देश ने अपनी अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है।

कृषि आधारित अर्थव्यवस्था

कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को, पिछले दशक में देश के निर्यात बाजार को दक्षिण सूडान में संघर्ष के कारण एक बड़ी मंदी का सामना करना पड़ा। कॉफी देश के निर्यात का 16 प्रतिशत है और सोने का निर्यात देश का 10 प्रतिशत है। युगांडा में एक छोटा औद्योगिक क्षेत्र है, जो कि रिफाइंड तेल तथा चीनी पर आधारित है। कुल मिलाकर देश को आज भी उत्पादकता में व्यापक सुधार की आवश्यकता है।

मैन्युफैक्चरिंग औद्योगिक क्षेत्र

पर्याप्त बुनियादी ढाँचे, कृषि में आधुनिक तकनीक एवं आपूर्ति-बाधाओं रहित विपणन पर कार्य करने की आवश्यकता है। देश को कृषि क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में कुशल मानव संपदा मिलना काफी कठिन होता है, विशेषकर कृषि-वैज्ञानिकों की अत्यधिक कमी है। यहाँ पर यह बताना उचित रहेगा कि भारत से अनेक वैज्ञानिक युगांडा में कृषि क्षेत्र में काम कर रहे हैं। वर्ष 2016 से युगांडा की आर्थिक वृद्धि अत्यंत धीमी हो गई है, क्योंकि सरकारी खर्च और सार्वजनिक ऋण बढ़ गया है। सरकार का बजट ऊर्जा और सड़क बुनियादी ढाँचे के खर्च पर हावी है, जबकि युगांडा कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित विकास के दीर्घकालिक चालकों के लिए दाता समर्थन पर निर्भर करता है।

अर्थव्यवस्था के उत्प्रेरक तेल उद्योग

बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ

सबसे बड़ी बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ रियायती ऋणों के माध्यम से बाह्य रूप से वित्तपोषित हैं, लेकिन फुलाए गए लागतों पर। परिणामस्वरूप इन ऋणों के लिए ऋण सेवा में वृद्धि होने की उम्मीद है। तेल के राजस्व और करों से सरकार के वित्तपोषण का एक बड़ा स्रोत बनने की उम्मीद है, आनेवाले वर्षों में तेल उत्पादन शुरू हो जाएगा।

अवसंरचनात्मक परियोजनाओं पर ध्यान

जिसके साथ घरेलू और पूर्वी अफ्रीकी सामुदायिक बाजारों के लिए पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति की जा सकेगी। आज के समय युगांडा की कई आर्थिक चुनौतियाँ क्षेत्र की अस्थिरता के कारण है। दक्षिण सूडान में अराजकता, अनिश्चितता की स्थिति के कारण सूडानी शरणार्थियों की आवक में तेज वृद्धि हुई है। देश बेहतर आर्थिक प्रबंधन, कौशल विकास, अच्छी स्वास्थ्य, शिक्षा और युवा आबादी के लिए आर्थिक अवसरों में पर्याप्त निवेश करने में सरकार नई योजनाएँ सृजित कर रही है। विद्युतीकरण एक ऐसा क्षेत्र है, जहाँ पर युगांडा को काफी काम करना है, क्योंकि अभी भी देश की बड़ी आबादी के पास बिजली नहीं है।

बिजली परियोजना

वेजिटेबल ऑयल कंपनी

आर्थिक पुनर्वास की दिशा में बढ़ता युगांडा

सरकार युगांडा को 2040 तक एक उच्च-मध्यम आय वाले देश में बदलने की इच्छा रखती है, इसके लिए आवश्यक निवेश आकर्षित करने के लिए आर्थिक स्वतंत्रता का बहुत विस्तार करना होगा, जिसका अर्थ होगा कि न केवल कमजोर संस्थागत क्षमता की चुनौती से निपटना होगा, बल्कि कड़े सुधारों के माध्यम से देश को आकर्षक गंतव्य के रूप में विकसित करना पड़ेगा। युगांडा यदि न्यायिक प्रभावशीलता, व्यावसायिक स्वतंत्रता, व्यावसायिकता, कुशल मानवसंसाधन जैसी चुनौतियों से पार पा लेता है तो तेज विकास दर वाली अफ्रीकी अर्थव्यवस्था में शामिल हो सकता है।

ककीरा शुगर का प्लांट

1986 की शुरुआत में सत्ता सँभालने के बाद से मुसेवेनी की सरकार ने आर्थिक पुनर्वास की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। देश के बुनियादी ढाँचे, विशेष रूप से इसके परिवहन और संचार प्रणालियों को, जो युद्ध और उपेक्षा से नष्ट हो गए थे, उन सबका पुनर्निर्माण किया जा रहा है। बाहरी समर्थन की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए युगांडा ने 1987 में IMF और विश्व बैंक के साथ एक नीति-ढाँचे पर विस्तृत बातचीत की। युगांडा ने मूल्य स्थिरता, भुगतान के स्थायी संतुलन को बहाल करने, क्षमता उपयोग में सुधार के लिए नई आर्थिक नीतियों को लागू करना शुरू किया है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं।

विश्वप्रसिद्ध ककीरा शुगर

मछली उद्योग

युगांडा की अर्थव्यवस्था के लिए मछली पकड़ने का उद्योग बहुत महत्त्वपूर्ण रहा है। यह पर्यटन उद्योग के बाद देश में दूसरा सबसे अधिक विदेशी मुद्रा कमाने वाला है। मछली पकड़ने का क्षेत्र स्थानीय और औद्योगिक मछली प्रसंस्करण, अनुसंधान और विकास, मछली पकड़ने के उपकरण की बिक्री, नावों के निर्माण, मछली पकड़ने के जाल के बुनकर और मछली पकड़ने के व्यवसाय में शामिल वास्तविक व्यापारियों जैसे मछली से संबंधित गतिविधियों में 7,00,000 से अधिक लोगों को रोजगार देता है। युगांडा में जल निकाय अपने कुल सतह क्षेत्र का 18 प्रतिशत हिस्सा आच्छादित करते हैं। देश में मछलियों के दो मुख्य स्रोत झीलें और नदियाँ हैं, जो प्रतिवर्ष लगभग 4,61,000 टन मछलियों का उत्पादन करती हैं। एक्वाकल्चर द्वारा 1,11,000 टन मछली का उत्पादन होता है।

संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रमों से सुधार

सार्वजनिक क्षेत्र में संसाधन जुटाने और आवंटन में सुधार एवं अन्य संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रमों के कारण युगांडा ने अर्थव्यवस्था के आकार में अत्यधिक सुधार किया। 1995 से युगांडा ने तेजी से आर्थिक विकास की नई इबारत लिखने में सफलता पाई है। अच्छी बात यह है कि पूरा विश्व यह महसूस करता है कि युगांडा की अर्थव्यवस्था में बड़ी संभावनाएँ हैं और यह तेजी से आर्थिक विकास तथा विकास के लिए तैयार है। युगांडा महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है, जिसमें पर्याप्त उपजाऊ भूमि, नियमित वर्षा और खनिज संसाधन शामिल हैं। लगातार राजनीतिक अस्थिरता और अनिश्चित आर्थिक प्रबंधन ने दुनिया के इस गरीब और कम विकसित देश ने आज एक नई प्रतिबद्धता के साथ आर्थिक विकास पर चलने का संकल्प लिया है। युगांडा के लोग आश्चर्यजनक ढंग से बहुत मिलनसार और शांतिप्रिय हैं। न केवल अफ्रीका, बल्कि पूरा विश्व आशा भरी निगाहों से युगांडा की सफलता की प्रतीक्षा कर रहा है।

□

3

युगांडा का इतिहास

युगांडा के इतिहास में उन लोगों का इतिहास शामिल है, जिन्होंने युगांडा गणराज्य की स्थापना से पहले वर्तमान युगांडा के क्षेत्र में निवास किया था और उस देश का इतिहास एक बार स्थापित होने के बाद पुरा पाषाण युग के साक्ष्य से पता चलता है कि मनुष्यों ने कम-से-कम 50,000 वर्षों तक युगांडा में निवास किया है। युगांडा के जंगलों की धीरे-धीरे उन लोगों द्वारा कृषि के लिए मंजूरी दे दी गई थी, जो शायद बंटू भाषा बोलते थे। काश्तकार धीरे-धीरे जंगल साफ करते थे, वे शायद बंटू बोलने वाले लोग थे, जिनका धीरे-धीरे विस्तार रेगिस्तान के दक्षिण अफ्रीका तक हो गया। उन्होंने बकरियों और मुरगियों को भी पाला। उन्होंने संभवत: मवेशियों को रखा। कृषि के बारे में उनके ज्ञान और लौह-फोर्जिंग तकनीक के उपयोग ने उन्हें भूमि को खाली करने तथा बड़ी संख्या में बसने की सुविधा प्रदान की। उन्होंने स्वदेशी शिकारी कुत्तों, मवेशियों के साथ के छोटे-छोटे समूहों में रहना प्रारंभ कर फिर पहाड़ों में स्थानांतरित हो गए।

इस बीच पहली शताब्दी ईसा पूर्व और संभवत: पश्चिमी तंजानिया में चौथी शताब्दी ईसा पूर्व के रूप में, कुछ संबंधित बंटू बोलनेवाले मेटलर्जिस्ट भट्ठियों में मध्यम ग्रेड कार्बन स्टील का उत्पादन करने के लिए लोहे के गलाने को सही कर रहे थे, हालाँकि इनमें से अधिकांश

विकास आधुनिक युगांडा की सीमाओं के दक्षिण-पश्चिम में हो रहे थे।

चौदहवीं शताब्दी तक तीन राज्यों का वर्चस्व था, बुगंदा (जिसका अर्थ 'गंडों का राज्य'), बानोरो और अंकोल। युगांडा को पहली बार 1844 में यूरोपीय व्यापारियों के साथ-साथ अरब व्यापारियों ने खोजा था। 1890 के एंग्लो-जर्मन समझौते ने इसे अफ्रीका में ब्रिटिश प्रभाव क्षेत्र में घोषित किया और इस क्षेत्र को विकसित करने के लिए इंपीरियल ब्रिटिश ईस्ट अफ्रीका कंपनी को नियुक्त किया गया था।

राजनीतिक इतिहास युगांडा

जब अरब व्यापारियों ने पूर्वी अफ्रीका के हिंद महासागर के तट के साथ इनराइटर एन्क्लेव से अंतरदेशीय यात्रा की और 1830 के दशक में युगांडा पहुँचे तो उन्होंने कई अफ्रीकी राज्यों को कई सदियों पुराने राजनीतिक संस्थानों को विकसित पाया।

युगांडा भूमध्य रेखा पर मध्य अफ्रीका की महान् झीलों से घिरा हुआ है, जो बाहरी लोगों द्वारा पहुँचने के लिए महाद्वीप के अंतिम भागों में से एक है, फिर भी यहाँ बड़ी संख्या में लोग आते रहे। गुलामों और हाथीदाँत की तलाश में अरब व्यापारी 1840 के दशक में पहुँचे, इसके तुरंत बाद दो ब्रिटिश खोजकर्ता आए। 1862 में यहाँ स्पेक और 1875 में स्टैनली यहाँ पहुँचे स्पेके और स्टेनली दोनों शासक मुत्संगा है, जो बुगंडा का राजा (या काबाका) है। औपनिवेशिक काल में युगांडा के विकास पर अन्य अफ्रीकी राज्यों के अस्तित्व का गहरा प्रभाव है।

1860 के दशक में ब्रिटिश खोजकर्ताओं द्वारा नेल्सन नदी के थ्रेसर स्रोत की खोज की गई थी। प्रोटेस्टेंट मिशनरियों ने 1877 में तथा कैथोलिक मिशनरियों ने 1877 में देश में प्रवेश किया।

1960 के दशक के माध्यम से स्वतंत्रता

1894 में युगांडा बेस्मीया ब्रिटिश रक्षक था और उसे 9 अक्तूबर, 1962 को स्वतंत्रता मिली। स्वतंत्रता के बाद अपोलो मिल्टन ओबोटे, युगांडा पीपुल्स कांग्रेस (UPC) के नेता पहले प्रधानमंत्री और सरकार के प्रमुख बने।

यूपीसी कैमिस्टो ने एक समर्थक-राजशाही पार्टी के साथ गठबंधन के माध्यम से सत्ता हासिल की, जिसे काबायकेका (किंग ओनली) कहा जाता है, जिसका एकमात्र उद्देश्य था, बुगांडा के राजाओं की रक्षा करना।

नवंबर 1963 में बुगांडा के काबाका एडवर्ड म्यूटसा-II को युगांडा का औपचारिक अध्यक्ष चुना गया, इस प्रकार यह यू.पी.सी. और केवाई के राजनीतिक गठजोड़ पर मुहर लगाता है। यह व्यवस्था अल्पकालिक रही थी।

द्वितीय विश्वयुद्ध और उसके बाद

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान रक्षक को आत्मनिर्भर बनने के कार्य का सामना करना पड़ा, जितना वह कर सकता था। युगांडा के लिए और अधिक महत्त्वपूर्ण था। गवर्नर सर चार्ल्स डंडस द्वारा अपने पूर्ववर्तियों की नीति को उलटने और बुगांडा में सत्ता के लिए प्रयास करनेवाले गुटों को अधिक स्वतंत्रता देने का प्रयास। 1945 में दंगों के प्रकोप के बाद पुरानी नीति को पुनर्जीवित किया गया था। उस वर्ष भी पहले अफ्रीकियों को विधान परिषद् के लिए नामित किया गया था और आगे के वर्षों में अफ्रीकी प्रतिनिधित्व लगातार बढ़ता गया। 1954 में एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाया गया, जब अफ्रीकी परिषद् की सदस्यता कुल 28 गैर-सरकारी सदस्यों में से 14 हो गई; 14 उन जिलों से चुने गए थे, जो पहले से मौजूद प्रांतों की तुलना में प्रतिनिधित्व की प्राकृतिक इकाइयाँ मानते थे।

15 अप्रैल, 1966 को अपोलो मिल्टन ओबोटे ने मतदान करने के लिए एक नया संविधान पेश किया और उसे पारित कर दिया। अन्य परिवर्तनों के बीच राज्यों की संवैधानिक स्थिति को समाप्त कर दिया गया तथा प्राइम मिनिस्टर के कार्यालय का राष्ट्रपति के साथ विलय हो गया और सभी कार्यकारी शक्तियों ने निहित प्रेसीडेंसी निहित कर दी। युगांडा को गणतंत्र घोषित किया गया।

मेन्गो में काबाका प्रशासन ने 1962 के संस्करण पर जोर देते हुए थेपोनहोल संविधान के वर्चस्व को मान्यता देने से इनकार कर दिया। इसने 24 मई, 1966 को युगांडा सेना द्वारा जनरल ईदी अमीन की कमान में कबका के महल में एक सैन्य दल का नेतृत्व किया। काबा बच गया और यूनाइटेड किंगडम में निर्वासित हो गया, जहाँ 1969 में उसकी मृत्यु हो गई।

1967 में संवेदनशीलता विधानसभा क्षेत्र बन गई और बाद में UPC को छोड़कर सभी राजनीतिक दलों को छोड़ दिया गया। बाईं ओर एक चाल में युगांडा एक पार्टीवाला राज्य बन गया

साम्राज्यवादी शक्तियों के बीच संभवत: टकराव होता रहता था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री लॉर्ड सैलिसबरी ने एक प्रस्ताव पेश कर बर्लिन को इस बात के लिए मनाया कि जंजीबार, युगांडा और इक्वेटोरिया (सूडान के दक्षिणी प्रांत) में ब्रिटिश संरक्षकों को जर्मन मान्यता देकर जर्मनी बदले में हेलिगोलैंड (1814 के बाद से ब्रिटिश कब्जे में) के छोटे और बेकार द्वीप को स्वीकार करे, लेकिन जर्मनी ने सौदे में अपना फायदा देखा। हेलिगोलैंड बाद में दो विश्वयुद्धों में एक अमूल्य नौसैनिक आधार साबित होता है।

1971 में युगांडा के शासक बनने के लिए ईदी अमीन ने मिल्टन ओबोटे को पदच्युत कर दिया। 1979 में युगांडा-तंजानिया युद्ध अन्य नेताओं की एक श्रृंखला के बाद योवेरी मुसेवेनी 1986 में सत्ता में आया और उस समय से युगांडा का नेतृत्व किया। युगांडा में बड़े पैमाने

पर प्रकृति में राजशाही था। इसके अधिकांश उप-क्षेत्रों को अलग-अलग राज्यों में विभाजित किया गया था, जो राजनीतिक और सांस्कृतिक नेताओं के रूप में दोगुने थे। इनमें से अधिकांश अब केवल अपने राज्यों के सांस्कृतिक क्षेत्रों का पूर्वाभास करते हैं।

तात्कालिक युद्ध के बाद के वर्षों में रक्षा प्रशासन ने राजनीतिक उन्नति की तुलना में आर्थिक और सामाजिक विकास पर अधिक जोर दिया। 1952 से सरकार ने तेजी से माध्यमिक शिक्षा का विस्तार किया, कानून बनाया गया और अफ्रीकियों को व्यापार में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक ऋण कोष की स्थापना की गई। कपास और कॉफी के लिए उच्च मूल्यों की तुलना में एक अपेक्षाकृत महत्त्वाकांक्षी विकास कार्यक्रम को बहुत मदद मिली। कॉफी 1957 में युगांडा के सबसे मूल्यवान निर्यात के रूप में कपास से आगे निकल गई। 1954 में जिंजा के पास नील नदी पर ओवेन फॉल्स में एक बड़ी पनबिजली परियोजना का उद्घाटन किया गया और 1962 में पाँच साल की विकास योजना की घोषणा की गई। युगांडा के ब्रिटिश रक्षा विभाग की स्थापना 1894 में हुई, जब तक कि देश ने 9 अक्तूबर, 1962 को अपनी स्वतंत्रता नहीं दी। 1980 में देश को गुरिल्ला युद्धों का सामना करना पड़ा, क्योंकि विभिन्न सरकारों ने सत्ता पर काबिज होने के लिए बहुत पहले ही सत्ता से बाहर कर दिया था; हालाँकि यह सब अब इतिहास है। देश में शांति पूरी तरह से बहाल हो गई है।

युगांडा गणराज्य का शासन युगांडा गणराज्य के राष्ट्रपति, सरकार और संसद् द्वारा किया जाता है। देश को जिलों, काउंटियों और उप-काउंटियों, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं में विभाजित किया गया है। राष्ट्रपति, संसद् सदस्य, लॉर्ड मेयर और अन्य स्थानीय राजनीतिक नेताओं के लिए चुनाव होते हैं। युगांडा केन्या, पूर्वी गणराज्य तंजानिया, बुरुंडी, रवांडा, दक्षिण सूडान के साथ पूर्वी अफ्रीकी समुदाय का हिस्सा है।

1955 में कुल 11 में से 5 गैर-अफ्रीकी मंत्रियों के साथ एक मंत्रिस्तरीय प्रणाली शुरू की गई थी। परिषद् की सफलता को कम करके आँका गया था, हालाँकि बुगंडा की अनियमित भागीदारी से, जिसने केंद्रीय विधायिका को अपनी स्वायत्तता के लिए खतरा माना। इस भावना ने मूटा II को 1953 में संरक्षित किए जाने के बाद नाराजगी को दूर किया और संरक्षित सरकार के साथ सहयोग करने से इनकार कर दिया। वह दो साल बाद एक संवैधानिक शासक के रूप में रहा, लेकिन बुगंडा और रक्षक सरकार के बीच तालमेल लचर ही था।

1998 और 2003 के बीच युगांडा सेना कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में दूसरे कांगो युद्ध में शामिल थी। युगांडा ने विद्रोही समूहों को कांगो की मुक्ति के लिए आंदोलन का समर्थन करने और कांगो के लोकतंत्र के लिए रैली के कुछ गुटों का समर्थन जारी रखा है।

योवरी मुसेवेनी

योवरी मुसेवेनी अमीन के पतन के बाद अंतरिम सरकार के दौरान संक्षेप में युगांडा के रक्षा मंत्री थे। जब ओबोट 1980 में राष्ट्रपति के रूप में सत्ता में लौटे और उनकी पार्टी (यूपीसी) ने व्यापक रूप से धोखाधड़ी के रूप में माने जानेवाले चुनावों में बहुमत हासिल किया तो मुसेवेनी ने इसे मानने से साफ इनकार कर दिया। वह दोबारा वनों में लौट गए और एक छापामार समूह का गठन किया, जिसे बाद में राष्ट्रीय प्रतिरोध सेना (एन.आर.ए.) के रूप में जाना गया। 1980 के दशक के दौरान NRA लगातार दक्षिणी और पश्चिमी युगांडा के क्षेत्र को अपने नियंत्रण में लेती है और ओकेलो, 1985 में ओबोट को पछाड़ने के बाद मुसेवेनी के समक्ष अत्यंत कमजोर साबित हुआ।

ईदी अमीन का शासन युगांडा का काला अध्याय रहा। बहुत से लोगों को विश्वास नहीं हुआ, जब 4 अगस्त, 1972 को अचानक

समाचार आया कि युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन ने युगांडा में वर्षों से रह रहे 60,000 एशियाइयों को अचानक देश छोड़ देने का आदेश दे दिया है। यह भी घोषणा हुई कि उन्हें देश छोड़ने के लिए सिर्फ 90 दिन का समय दिया जाता है। छह फीट चार इंच लंबे और 135 किलो वजन वाले ईदी अमीन को हाल के विश्व इतिहास के सबसे क्रूर और निर्दयी तानाशाहों में गिना जाता है।

एक जमाने में युगांडा के हैवी वेट बॉक्सिंग चैंपियन रहे ईदी अमीन 1971 में मिल्टन ओबोटे को हटाकर सत्ता में आए थे। अपने आठ वर्ष के बर्बर शासनकाल में उन्होंने क्रूरता के इतने वीभत्स उदाहरण पेश किए, जिसकी मिसाल आधुनिक इतिहास में बहुत कम ही मिलती है। 04 अगस्त, 1972 को ईदी अमीन को अचानक एक सपना आया और उन्होंने युगांडा के एक नगर टोरोरो में सैनिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए उसने कहा कि सपने में उनसे कहा गया कि वे सारे एशियाइयों

युगांडा के एशियाई डोलर पोपट
ब्रिटिश प्रधानमंत्री कैमरून युगांडा के लिए विशेष दूत

को अपने देश से तुरंत निकाल बाहर करें।

इस बात पर हम सब गौरवान्वित हो सकते हैं कि युगांडा के निष्काषित एशियाई लोगों ने अपनी कड़ी मेहनत, अपने कौशल से विभिन्न देशों में अपना विशिष्ट स्थान बनाया।

विश्व के लिए एक मॉडल

योवरी मुसेवेनी अमीन के पतन के बाद अंतरिम सरकार के दौरान वे युगांडा के रक्षा मंत्री थे। जब ओबोट 1980 में राष्ट्रपति के रूप में सत्ता में लौटे और उनकी पार्टी (यू.पी.सी.) ने व्यापक रूप से धोखाधड़ी के रूप में माने जानेवाले चुनावों में बहुमत हासिल किया, मुसेवेनी ने इसे स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। वह वापस वनों में आ गए; उन्होंने एक छापामार समूह बनाया, जिसे बाद में राष्ट्रीय प्रतिरोध सेना (एन.आर.ए.) के रूप में जाना गया। पश्चिमी देशों के समक्ष एकमात्र दोष यह है कि यह एकदलीय शासन है। यह एक अनिवार्य एवं व्यावहारिक स्थिति है, जिसमें राजनीतिक स्पेक्ट्रम के किसी भी हिस्से से अच्छे विचारों का स्वागत किया जाता है (यहाँ तक कि युगांडा के राजाओं की अब उनके लिए एक भूमिका है), लेकिन 1995 का नया संविधान राष्ट्रीय प्रतिरोध आंदोलन के लिए कार्यकारी शक्ति को सीमित करता है।

एक दशक बाद देश में कानून का शासन वापस आ गया है (कुछ उत्तरी क्षेत्रों के अलावा, जहाँ विद्रोह है)। अर्थव्यवस्था व्यापक प्रगति कर रही है (1990 के दशक की शुरुआत में 5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर और 1996 में 8 प्रतिशत से अधिक)। शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन में सुधार है। अंतरराष्ट्रीय निवेश और वैश्विक समुदाय द्वारा उधार देने की इच्छा सुदृढ़ अर्थनीति का प्रमाण है। भयावह अराजकता के दो दशकों से उभर रहा राष्ट्र न केवल अफ्रीका के लिए, पर विश्व के लिए एक मॉडल है।

अगस्त 2005, संसद् ने राष्ट्रपति पद की सीमा को उठाने के लिए संविधान को बदलने के लिए मतदान किया, जिससे मुसेवेनी को तीसरे कार्यकाल के लिए प्रतिभाग की अनुमति मिली, अगर वह ऐसा करना चाहते हैं। जुलाई 2005 में एक जनमत संग्रह में 92.5 प्रतिशत मतदाताओं ने बहुपक्षीय राजनीति की बहाली का समर्थन किया, जिससे नो-पार्टी या 'आंदोलन' प्रणाली का जन्म हुआ। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी केजेडा बेसीगई अक्तूबर 2005 में निर्वासन से लौटे और 2006 के चुनावों के दौरान राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थे। इसी महीने में दक्षिण अफ्रीका में ओबोटे का निधन हो गया। मुसेवेनी ने फरवरी 2006 के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल कर नए इतिहास की रचना में सफलता पाई। एक शानदार महत्त्वाकांक्षी यात्रा के लिए तैयार युगांडा श्रेष्ठ अफ्रीकी देश बनने के लिए संकल्पित है।

□

4

युगांडा में शिक्षा

नेल्सन मडेला ने कहा कि "शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसका उपयोग आप दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं।" शिक्षा चाहे औपचारिक हो या अनौपचारिक हो, दोनों आपको एक बेहतर भविष्य निर्माण हेतु के लिए ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास दे सकती हैं। आज के युग में युगांडा में शिक्षा का बड़ा महत्त्व है। लोग इस बात को समझने लगे हैं कि उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा और कौशल आवश्यक है। समाज में यह भावना आ गई है कि चाहे आपको स्वयं के व्यवसाय को शुरू करना हो या फिर नौकरी ढूँढ़नी हो, शिक्षा आपको आत्मविश्वास प्रदान करती है।

बहुत से लोग सीमित संख्या में अच्छी नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और एक उत्कृष्ट शिक्षा के बिना यह प्राप्त करना बहुत कठिन है। विश्व बैंक के अनुसार युगांडा में 83 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं— दुनिया में सबसे अधिक दर में से एक। बहुतायत में ग्रामीण इलाके होने से देश में सब तक शिक्षा पहुँचाना एक बड़ी चुनौती है।

सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा

1997 में युगांडा सरकार ने सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा शुरू की (यह विचार कि सभी बच्चों को मुफ्त में प्राथमिक विद्यालय में भाग लेने में सक्षम होना चाहिए) और 2007 में माध्यमिक शिक्षा। दुर्भाग्य से

नि:शुल्क शिक्षा के कारण सरकारी स्कूलों में संसाधनों की उपलब्धता एक चुनौती है। कक्षा के लिए एक सौ से अधिक विद्यार्थी असामान्य नहीं है, सुविधाओं के रास्ते में बहुत कम और उनके द्वारा शीर्ष किए गए शिक्षकों के पदावनत किए गए। इसका मतलब यह है कि अधिकांश आबादी के लिए, विशेष रूप से जो लोग उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा चाहते हैं, उनका एकमात्र विकल्प निजी स्कूल हैं। युगांडा में निजी स्कूल की फीस और गुणवत्ता सरकारी विद्यालयों से बहुत अलग है, यहाँ के निजी विद्यालय विश्व के श्रेष्ठ विद्यालयों से प्रतिस्पर्धा करते हैं।

स्कूल की फीस भरना कई परिवारों की सामर्थ्य से परे है, खासकर जहाँ उनके पास बहुत सारे बच्चे हैं। इसका परिणाम यह होता है कि कई बच्चों को घर पर छोड़ दिया जाता है, भारत की तरह रिश्तेदारों के पास शहरी क्षेत्रों में बच्चों को भेज दिया जाता है। सभी स्कूलों में फीस के स्कूल की कई अतिरिक्त आवश्यकताएँ हैं। पुस्तकें, यूनिफार्म और स्मार्ट जूतों का प्रबंध छात्र खुद करता है।

युगांडा के शैक्षिक जगत् की एक बड़ी चुनौती है कि कई बच्चे शिक्षा–शुल्क न दे पाने के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। बहुत सारे बच्चे केवल अपनी फीस का कुछ हिस्सा देने का प्रबंध करते हैं। स्कूल आना अनियमित हो जाता है, इस कारण उनके सीखने का पूरा साल प्रभावी रूप से बेकार हो जाता है। नतीजतन, कई बच्चे हर अवधि में स्कूलों को बदलते रहते हैं, जहाँ भी जाते हैं, ऋण का निर्माण करते हैं, क्योंकि वे उन्हें फीस भुगतान नहीं कर सकते हैं।

युगांडा के स्कूलों में सुविधाओं की कमी के कारण भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इससे बच्चों को सीखने और शिक्षकों को उचित मानक सिखाना बहुत कठिन हो जाता है।

यही कारण है कि हम शैक्षिक मानकों को बेहतर बनाने के अवसरों को बढ़ाने के लिए स्थानीय स्कूलों, निजी संस्थानों के साथ भागीदारी

करने के तरीकों को खोजने के इच्छुक हैं। इसमें अब तक उन लोगों को शामिल किया गया है, जो अपने कौशल को स्वेच्छा से चला रहे हैं और स्कूलों में पाठयक्रम के अतिरिक्त गतिविधियों को चला रहे हैं और सबसे गरीब बच्चों तक पहुँचने के लिए व्यापक प्रयास कर रहे हैं।

व्यावसायिक प्रशिक्षण

व्यावसायिक प्रशिक्षण एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण विकल्प है, खासकर उन बच्चों के लिए, जो एक विशिष्ट व्यापार में प्रवेश करने के लिए अधिक व्यावहारिक शिक्षार्थी या उत्सुक हैं। प्रस्ताव में कई पाठ्यक्रम हैं; लोकप्रिय विकल्पों में टेलरिंग, हज्जाम की दुकान, खान-पान, बढ़ईगीरी या एक मैकेनिक बनना शामिल है।

कई व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश की सीमाएँ होती हैं, जैसे कि आप उनके साथ जुड़ने के लिए किस अकादमिक स्तर तक पहुँच चुके हैं, इसलिए यह भी एक सीमित कारक हो सकता है, साथ ही पाठ्यक्रमों के खर्च के लिए (जिसमें भिन्नता है और सभी को भाग लेने के लिए कुछ स्तर की आवश्यकता होती है)। एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम और अंत में एक नौकरी के बीच की कड़ी को देखने के लिए स्पष्ट है; हालाँकि अकसर लोग उस पैसे को पाने के लिए संघर्ष करते हैं, जो उन्हें एक छोटे से व्यवसाय शुरू करने या कार्यशाला में शामिल होने के लिए आवश्यक उपकरण खरीदने के लिए चाहिए। जो छात्र अपने माध्यमिक विद्यालय ए-स्तर से उत्तीर्ण होते हैं, वे विश्वविद्यालय में जा सकते हैं, जहाँ वे डिग्री, या डिप्लोमा और प्रमाण-पत्र प्रदान करनेवाले अन्य संस्थानों में अध्ययन कर सकते हैं। युगांडा सरकार हर साल लगभग 4,000 से ज्यादा विश्वविद्यालय कार्यक्रमों में छात्रवृत्ति देती है और अन्य उच्च संस्थानों में हजारों छात्रों को प्रायोजित करती है, लेकिन दसियों हजार छात्र, जो प्रतियोगी सरकारी छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं करते हैं, वे अपने

ट्यूशन का भुगतान करने के लिए अपने रिश्तेदारों पर निर्भर करते हैं।

युगांडा में विश्वविद्यालयों और पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन उनकी लागत कई छात्रों को आगे की शिक्षा के लिए आगे बढ़ने पर विचार करने में सक्षम होने से रोकती है। यहाँ एक छात्र ऋण प्रणाली उपलब्ध है, लेकिन आपको इसे प्राप्त करने में सक्षम होने के लिए एक अमीर पृष्ठभूमि से आने की आवश्यकता है, क्योंकि आपको अपने ऋण का भुगतान करने के लिए गारंटी की आवश्यकता होती है। मेरा मानना है कि भारत की तरह युगांडा में शिक्षा हर किसी के लिए उपलब्ध करने हेतु हम सामुदायिक शिक्षा कार्यक्रमों, प्रौद्योगिकी युक्त शिक्षा का बेहतर उपयोग कर सकते हैं।

अनिवार्य शिक्षा

जनवरी 1997 में युगांडा ने अपना सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया, जो प्रत्येक युगांडा परिवार के चार बच्चों को मुफ्त प्राथमिक शिक्षा प्रदान करता है। इसका लाभ यह हुआ कि विद्यार्थियों के नामांकन में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला।

प्राथमिक स्कूल

आयु सीमाएँ

कुछ शहरी बच्चे पूर्व प्राथमिक स्कूलों में भाग लेते हैं, लेकिन युगांडा के ज्यादातर बच्चे छह साल की उम्र में अपनी शिक्षा शुरू करते हैं और 13 साल की उम्र में सबसे अधिक प्राथमिक स्कूल की पढ़ाई करते हैं। 2000 के दशक की शुरुआत में, 80 प्रतिशत से अधिक प्राथमिक स्कूल के बच्चों को स्कूल में दाखिला दिया गया था। आमतौर पर प्राथमिक विद्यालय युगांडा में ग्रेड I से ग्रेड VII तक फैली हुई है। बेहतर प्राथमिक विद्यालय, चाहे वह सार्वजनिक हो या निजी विद्यालय हो, भारत की तर्ज पर शिक्षित या प्रभावशाली माता-पिता अपने बच्चों को भविष्य की सफलता के लिए श्रेष्ठ स्कूलों में दाखिला दिलाने के लिए समर्पित रहते हैं। सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर अतिरिक्त छात्रों को समायोजित करने के लिए हर साल अतिरिक्त प्राथमिक स्कूल कक्षाओं के निर्माण का बड़ा कार्य हाथ में लिया है।

ग्रामीण अंचल के स्कूली बच्चे

नामांकन

प्राथमिक विद्यालय के स्नातक 25 प्रतिशत से कम माध्यमिक विद्यालय में दाखिला लेने के लिए जाते हैं। वे अपने पहले चार साल 'ओ' स्तर (साधारण स्कूल) पाठ्यक्रम या तकनीकी स्कूल पाठ्यक्रम पूरा करने में बिताते हैं। देश में तकनीकी स्कूलों, तकनीकी संस्थानों, शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों और वाणिज्यिक कॉलेजों की क्षमता-वृद्धि के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं।

स्कूल खुला रखने की माँग करते प्राथमिक विद्यालय के बच्चे

1985 में मुसेवेनी के सत्ता में आने के तुरंत बाद उन्होंने शांति बहाल की और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण शुरू किया। 1985 और 1989 के बीच माध्यमिक स्कूलों की संख्या में चार गुना वृद्धि हुई और नामांकन में 227 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 1995 तक प्रभावशाली माध्यमिक विद्यालय नामांकन वृद्धि ने इस संख्या को 292,321 छात्रों (UNESCO 2000) तक बढ़ा दिया। उल्लेखनीय रूप से इस अवधि के दौरान शिक्षण बल 260 प्रतिशत बढ़ गया और आधिकारिक शिक्षक-छात्र अनुपात 23:1

से 21:1 तक मामूली कम हो गया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षक-छात्र अनुपात 28:1 पर अधिक था। मुसेवेनी की सरकार शिक्षक-छात्र अनुपात को कम करने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने की दिशा में काफी प्रयास कर रही है। मोटे तौर पर 'ओ' स्तर के ग्रेड का 20 प्रतिशत 'ए' स्तर पर अग्रिम होता है या दो साल के उन्नत स्तर के अध्ययन, जूनियर कॉलेज की तरह कम या ज्यादा। इस स्तर के लिए कोई नामांकन आँकड़े उपलब्ध नहीं थे।

सार्वजनिक और निजी प्राथमिक विद्यालय अच्छे छात्रों के लिए व्यवहार संबंधी समस्याओं और उत्कृष्ट पढ़ाई और गणित के अंकों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। 1979 में युगांडा में 4,294 प्राथमिक स्कूल थे। उन्होंने 1.2 मिलियन छात्रों को दाखिला दिया। 1990 तक 2.5 मिलियन प्राथमिक स्कूल के छात्र नामांकित थे और 1994 तक यह संख्या 2.8 मिलियन छात्रों तक पहुँच गई। इसके अलावा 1995 तक नामांकन के आँकड़े 2.9 मिलियन (यूनेस्को 2000) तक पहुँच गए, जैसा कि पहले कहा गया था, यह संख्या केवल दो वर्षों में दोगुनी हो गई, जब राष्ट्रपति मुसेवेनी ने सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया, जो 1999 तक 5.4 मिलियन छात्रों तक पहुँच गई। ऐसी वृद्धि अभूतपूर्व है। विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा के लिए यूनेस्को के आँकड़े बताते हैं कि मेकेरे विश्वविद्यालय, इसलामिक विश्वविद्यालय और मबारा यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी ने 1990 में 17,578 छात्रों को एक साथ दाखिला दिया था। 1995 तक यह संख्या बढ़कर 34,773 (यूनेस्को 2000) हो गई थी।

महिला नामांकन

युगांडा की महिलाओं को एक 'वंचित' समूह के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। अनाथों, प्रवासियों, गरीब छात्रों और विकलांगों के साथ

लड़कियों के लिए ड्रॉप आउट दर अधिक है और उच्च स्तर तक पहुँचते ही बढ़ जाती है। प्राथमिक विद्यालय में लड़कियों की दृढ़ता लड़कों की तुलना में कम है। लड़कियाँ प्रथम श्रेणी कक्षाओं में 46 प्रतिशत हैं, लेकिन केवल 39 प्रतिशत ही माध्यमिक विद्यालय की कक्षाएँ हैं। यह प्रतिशत अतीत की तुलना में उच्च प्रतिनिधित्व को दरशाता है।

बढ़ती महिला विद्यार्थियों की संख्या

मेकर यूनिवर्सिटी के पास प्रत्येक महिला आवेदक को 1.5 अंक देने की एक तयशुदा नीति है, जो प्रवेश प्रक्रिया में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त करती है। इस नीति ने परिसर में महिलाओं की संख्या को बढ़ाया है। युगांडा समुदाय अकसर सोचते हैं कि लड़के भविष्य में अधिक महत्त्वपूर्ण आर्थिक योगदान करेंगे, इस प्रकार उन्हें अधिक प्रशिक्षण की आवश्यकता है। कुछ जातीय समूहों का मानना है कि 'लड़की का स्थान घर में है,' और जीवन में उसका

प्राथमिक लक्ष्य शादी करना तथा कॅरियर की तलाश नहीं है, लड़की को परिवार का घर में रहकर बच्चों का पालन-पोषण करना होगा। लड़कियाँ अकसर शादी करती हैं और जीवन की शुरुआत में परिवार शुरू करती हैं, जो शिक्षा की पहुँच को सीमित करती है; खासकर युगांडा में ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियाँ शिक्षा में पिछड़ जाती हैं। कई ग्रामीण क्षेत्रों में लड़की की भूमिका के बारे में सांस्कृतिक दृष्टिकोण मजबूत हैं और तेजी से बदलाव का विरोध करते हैं।

कई जातीय समूह लड़कियों को शिक्षित करने के पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे सिर्फ समूह से बाहर शादी करेंगे और उनकी शिक्षा का मूल्य उनके परिवार को लाभ नहीं पहुँचाएगा; हालाँकि आज की तारीख में परिवर्तन के संकेत सुस्पष्ट है समाज में शिक्षित पत्नियों के लिए अब ज्यादा माँग होने लगी है। साथ ही युगांडा के कुछ लोग यह मानने लगे हैं कि अगर एक बेटी की आय स्थिर है तो वह वृद्ध माता-पिता की देखभाल करेगी, जबकि लड़के अपनी पत्नी पर खर्च कर सकते हैं। ये नई सांस्कृतिक मान्यताएँ लड़कियों के हित में काम करती हैं। राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी के शासनकाल में महिला नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, क्योंकि वह शिक्षा में बराबरी के प्रबल पक्षधर हैं। इसका एक कारण यह भी था कि वे महिलाओं की क्षमता को पहचानते हैं। ईदी अमीन के तानाशाही नियंत्रण से मुक्त करने पर कई महिला सैनिकों ने उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी। मुसेवेनी इसलिए महिलाओं के लिए निष्पक्ष होकर कार्य करते हैं।

इसलामिक विश्वविद्यालय

युगांडा में 'एशियाई' के रूप में जानेवाले पूर्व भारतीयों ने भारतीय और पाकिस्तानी बच्चों के लिए अपने स्वयं के स्कूलों का निर्माण किया। उदाहरण के लिए, आगा खान ने इसलामिक संप्रदाय के लिए उत्कृष्ट स्कूलों का निर्माण किया, जिन्हें 'इस्मालिया' के नाम से जाना जाता है।

सुन्नी और शिया मुसलमानों ने भी स्कूल बनाए, यहाँ तक कि हिंदू मंदिर स्कूल का भी काम करते थे। यूरोपीय लोगों ने अपने बच्चों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले, महँगे अंतरराष्ट्रीय विद्यालय भी बनाए। 1971 में ईदी अमीन ने युगांडा से 'एशियाइयों' को निष्कासित कर दिया, लेकिन उनके स्कूलों के बंद होने का युगांडा की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली पर बहुत कम प्रभाव पड़ा, क्योंकि बहुत कम अफ्रीकी इन स्कूलों के विद्यार्थी थे। यूरोपीय और एशियाई आबादी युगांडा की आबादी का 1 प्रतिशत से कम थी, भले ही वे सबसे धनी वर्ग थे और युगांडा की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालते थे। हाँ, उनके जाने से शिक्षा के ये उत्कृष्ट केंद्र बंद जरूर हो गए।

शैक्षणिक वर्ष और शिक्षा का माध्यम

सभी तीन पूर्वी अफ्रीकी देशों (युगांडा, केन्या और तंजानिया) में स्कूल वर्ष जनवरी में शुरू होता है और दिसंबर में समाप्त होता है।

जलवायु और परंपरा ने इस पैटर्न की स्थापना की है। इसका लाभ यह है कि बड़ी संख्या में आ रहे श्रमिकों, शरणार्थियों के बच्चों को सामान सत्र व्यवस्था होने से सुविधा मिल जाती है। कक्षा 4 अन्य की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण होती है। इस साल छात्रों को अंग्रेजी पढ़ाई जाती है। फिर अंग्रेजी शिक्षा का माध्यम बन जाती है। शहरी स्कूलों में अधिकतर शिक्षा अंग्रेजी माध्यम में अनुशंसित है। मुसेवेनी ने एशियाई और यूरोपीय लोगों को वापस लौटने, अपनी संपत्ति का दावा करने, अपने स्कूलों के पुनर्निर्माण और अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने में मदद करने के लिए आमंत्रित किया है। एशियाई और यूरोपीय लोग अपने बच्चों के लिए एक अच्छा जीवन स्तर और उत्कृष्ट स्कूल चाहते थे। इसके कारण उच्च मानकों वाले स्कूल निर्माण को बढ़ावा मिला। देश में कई यूरोपीय शिक्षण संस्थान है, जहाँ पर स्कूलों में ब्रिटिश या अन्य विदेशी शिक्षक का होना एक आम बात है।

युगांडा में उच्चतर शिक्षा

चाहे पब्लिक ऐंड प्राइवेट क्षेत्र हो, युगांडा में माध्यमिक या उच्चतर शिक्षा का तात्पर्य उस शिक्षा से है, जो पोस्ट—'ए' स्तर की है। केवल वे छात्र उच्च संस्थानों में प्रवेश पाने के पात्र हैं, जिन्होंने सफलतापूर्वक 'ए' स्तर पूरा कर लिया है और अपनी युगांडा एडवांस सर्टिफिकेट ऑफ एजुकेशन उत्तीर्ण कर चुके हैं। सार्वजनिक रूप से समर्थित देश में ये संस्थान तीन प्रकार के होते हैं; स्वायत्त विश्वविद्यालय, शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित संस्थान और लोक सेवा आयोग द्वारा प्रशासित संस्थान। देश के सबसे प्रतिष्ठित मेकरेरे विश्वविद्यालय और मबाराारा विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्वायत्त विश्वविद्यालय हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन, युगांडा पॉलिटेक्निक, नेशनल कॉलेज ऑफ बिजनेस, चार तकनीकी कॉलेज, पाँच कॉलेज ऑफ कॉमर्स और

दस राष्ट्रीय शिक्षक कॉलेज शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रशासित हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, युगांडा लॉ डवलपमेंट सेंटर, स्कूल ऑफ रेडियोग्राफी, स्कूल ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, चार कृषि कॉलेज, फिशरीज ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, दो पशु चिकित्सा प्रशिक्षण संस्थान, किग्गा कोऑपरेटिव कॉलेज, सोरोटी फ्लाइंग स्कूल और दस पैरामेडिकल स्कूल, सभी लोक सेवा आयोग द्वारा प्रशासित हैं। ये सभी युगांडा में उच्च शिक्षा के मुख्य संस्थान हैं।

प्रवेश प्रक्रिया

युगांडा के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा के संस्थानों में प्रवेश शिक्षा के युगांडा उन्नत प्रमाण-पत्र को पारित करने पर आधारित है। जिन छात्रों ने डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स पूरा कर लिया है, वे भी दाखिला पाने के पात्र हैं। यदि किसी छात्र ने शिक्षक प्रशिक्षण के चार साल पूरे कर लिए हैं तो वे मैकेरे के स्कूल ऑफ एजुकेशन या इसके शिक्षा संस्थान में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उच्च शिक्षा के अन्य संस्थानों के लिए समान सामान्य प्रवेश योग्यताएँ लागू होती हैं, लेकिन अधिक-से-अधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने हेतु प्रवेश मानक कम कठोर होते हैं।

विदेश में शिक्षा

देश के होनहार मेधावी विद्यार्थी अमेरिका, इंग्लैंड के अतिरिक्त यूरोपीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा हेतु आवेदन करते हैं। प्रत्येक वर्ष लगभग 1,000 छात्र विदेश में पढ़ते हैं। भारत, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, जर्मनी और कनाडा में युगांडा के छात्रों की बढ़ती जनसंख्या इस बात की द्योतक है कि वहाँ पर उच्च शिक्षा के प्रति लोगों में अधिक जागृति आ रही है। अतीत में रूस, चीन और जापान ने भी उच्च स्तर के व्यवसायों

के लिए युगांडा को शिक्षित करने में मदद की है। केन्या, तंजानिया और इथियोपिया के साथ-साथ लीबिया और मिस्र जैसे पड़ोसी राष्ट्र भी युगांडा को प्रशिक्षित करते हैं।

स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट

देश में अधिकांश मास्टर डिग्री उम्मीदवारों को रेजीडेंसी आवश्यकताओं को पूरा करने की अनिवार्यता है। मैंने इस बात का अनुभव किया कि देश में उच्च शिक्षा का स्तर काफी अच्छा है। आवश्यक पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् मूल शोध पर आधारित मास्टर की थीसिस लिखने का प्रावधान है। डॉक्टरेट डिग्री प्रोग्राम में रेजिडेंसी और न्यूनतम शोध आवश्यकताओं के साथ-साथ मूल शोध पर आधारित शोध प्रबंध भी प्रस्तुत करना होता है। छात्रों को अपनी आंतरिक समीक्षा समितियों और बाहरी परीक्षकों को संतुष्ट करना होगा कि उन्हें अपने विषय में महारत हासिल है। साहित्य के डॉक्टरेट (डी.लिट्.) और विज्ञान के डी.एस.सी. कार्य प्रकाशन के बाद संपादित होता है। युगांडा के विद्यार्थियों हेतु ट्यूशन, अनुसंधान और आवास शुल्क मुफ्त है। विदेशी छात्रों को वार्षिक ट्यूशन और फीस का भुगतान करना पड़ता है, साथ ही अनुसंधान और शोध प्रबंध के लिए भुगतान करना पड़ता है। □

5

युगांडा में पर्यटन

युगांडा पर्यटक प्रवाह से अब तक अछूता ही रहा है। दूसरे शब्दों में इस अद्भुत देश में पर्यटन की अपार संभावनाएँ हैं, जिनका अब तक दोहन नहीं हुआ है। अफ्रीका में सफारी के लिए यह एक आकर्षक विकल्प देता है। युगांडा '60 के दशक में एक महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाता था, लेकिन ओबोट और अमीन की तानाशाही ने पर्यटन को बिल्कुल समाप्त कर दिया। मुसेवेनी की शुरुआत के बाद से देश राजनीतिक रूप से स्थिर और शांतिपूर्ण है, इसलिए पर्यटन अब धीरे-धीरे फिर से बढ़ रहा है। पुराने समय में अधिकांश पर्यटक पड़ोसी देशों से आए थे। वास्तव में वे अकसर पर्यटक नहीं थे, वे व्यापारिक यात्रा के लोग थे। समायोजन के बाद 'वास्तविक' पर्यटकों की संख्या काफी कम थी; अधिकांश पर्यटक ब्रिटेन से हैं, इसके बाद अमेरिका, भारत और जर्मनी के। सभी श्रेणियों के होटल पूरे देश में उपलब्ध हैं।

जैव-विविधता

जैव-विविधता की स्थिति और रुझान, जैव-विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं से लाभ सहित युगांडा एक लैंडलॉक्ड देश है, जहाँ अफ्रीका के सात जैव-भौगोलिक क्षेत्र सम्मिलित हैं और यह एक ऐसा देश है, जिसमें उच्च स्तर की जैव-विविधता है। अपने छोटे आकार के बावजूद युगांडा में स्थलीय और जलीय दोनों निवासों में

विविधता की असाधारण क्षमता है। नील नदी इसके पास से गुजरती है, जो बुजगली फॉल्स, करुमा फॉल्स और मुर्चिसन फॉल्स जैसे विभिन्न फॉल्स से पंक्चर होती है। पारिस्थितिक तंत्रों में रोंजोरी पर्वत, विरूंगा ज्वालामुखी और माउंट एलगॉन की बर्फ से ढकी चोटियों से लेकर ऊँचाई वाले मोंटाने के जंगलों, विक्टोरिया, लेक म्युरो, लेक बनयोनी, लेक वनामला, लेक मुटंडा, झील के खुले पानी की अधिकता है। झील नबुगाबो, लेक काटुंगा, न्याबिकोको झील, लेक नाकिवाले, लेक मेराबे, लेक किजनिबारा, लेक नेकुगुट, लेक जॉर्ज, लेक एडवर्ड, लेक क्योगा, लेक अल्बर्ट, लेक ओपीटा और बिसिना झील। देश की प्रमुख नदियाँ हैं—नदी नील, असवा, नदी कटौंगा, नदी नकुसी, कफू, नदी रवी, नदी केगेरा, मपंगा, नदी मनफवा, नदी मपोलोमा, नदी सेमलिकी, नदी मुबुकु, नदी मायाजा, नदी सेजीबवा, नदी। मालाबा नदी, सिपी नदी, नामताल, नदी सिरोंको, नदी मुजीजी और नदी नबुआंगा। द्वीपों में विक्टोरिया और बनीओनी झील के द्वीप शामिल हैं। देश में खेत सबसे व्यापक हैं, इसके बाद घास के मैदान, वुडलैंड, जल निकाय, झाड़ी भूमि और उष्णकटिबंधीय उच्च वन हैं।

Fauna और वनस्पतियों की एक रिकॉर्ड 18,783 प्रजातियों के साथ युगांडा वैश्विक रूप से शीर्ष दस सबसे अधिक जैव-विविधता वाले देशों में शुमार है। यह विश्व के 53 प्रतिशत (400 व्यक्तियों) पर्वत गोरिल्लाओं की शेष आबादी, 11 प्रतिशत (1057 प्रजातियाँ) की विश्व की दर्ज प्रजातियों की पक्षियों (अफ्रीका की पक्षियों की 50 प्रतिशत समृद्धि), 7.8 प्रतिशत (345 प्रजातियाँ) की मेजबानी करता है। वैश्विक स्तनपायी विविधता (अफ्रीका की स्तनपायी समृद्धि का 39 प्रतिशत), अफ्रीका की उभयचर प्रजातियों की समृद्धि की 19 प्रतिशत (86 प्रजातियाँ) और अफ्रीका की सरीसृप प्रजातियों की समृद्धि की

14 प्रतिशत (142 प्रजातियाँ), तितलियों की 1,249 प्रजातियाँ और मछलियों की 600 प्रजातियाँ हैं। इसके अलावा युगांडा अफ्रीका के 18 संयंत्र राज्यों (किसी भी अन्य अफ्रीकी देश से अधिक) में से सात को परेशान करता है और इसकी जैविक विविधता महाद्वीप पर सबसे अधिक है।

सामान्य तौर पर बड़े स्तनधारियों की आबादी स्थिर होती है। कुछ लोगों के लिए जनसंख्या का आकार और भी बढ़ रहा है (उदाहरण के लिए आम ईलैंड), जबकि दूसरों के लिए घटते (जैसे भैंस)। देश की पक्षी प्रजातियों में से 15 लुप्तप्राय हैं और 11 असुरक्षित हैं; कई प्रजातियों को वैश्विक स्तर पर (उदाहरण के लिए शोएबिल बी, रेक्स, ग्रे-क्राउन क्रेन बी, रेगुलेटरम) और क्षेत्रीय (जैसे व्हाइट-समर्थित नाइट हेरोन जी; ल्यूकोनोटोस, रूफस-बेलिड हेरॉन ए, रुफिवेंट्रिस) के स्तर पर धमकी दी गई है।

लोग/संस्कृति

किसी विशेष देश/स्थान पर छुट्टी की योजना बना रहे यात्रियों को प्रभावित करनेवाले प्रमुख कारकों में से एक उस क्षेत्र के लोगों का चरित्र है। इस तथ्य के बावजूद कि देश को जनजातियों की भीड़ मिली है, उनमें से प्रत्येक का स्वागत है। ये लोग हमेशा विभिन्न सांस्कृतिक पहलुओं के माध्यम से आपको तैयार करने, साथ-साथ अपनी परंपराओं से संबंधित सभी मामलों के बारे में आपसे बातचीत करने के लिए तैयार रहते हैं। लोगों का चरित्र इतना अनुकूल है और यह बताता है कि वे क्यों मुसकराते हैं, तरंग करते हैं और कई बार ताली बजाते हैं, जब वे लोगों को एक अलग रंग के साथ देखते हैं, जिन्हें 'बाजुंगु' कहा जाता है, जिसका अर्थ होता है सफेद का अनादर नहीं, बल्कि एक अधिक सुखद प्रारूप में। युगांडा की प्रकृति इसलिए कई

पर्यटकों को अलग-अलग संस्कृतियों के साथ युगांडा आने के लिए देखा गया है, जैसे कि दक्षिण-पश्चिमी युगांडा में पाए जानेवाले बटवा को बविंडी इंपेनेट्रेबल वन में पहले बसनेवाले के रूप में जाना जाता है, उत्तर-पूर्वी युगांडा में करमाजोंग, पूर्वी युगांडा में बागीशू और कई अन्य समूह। ये लोग अपने पारंपरिक गीतों, नृत्यों का प्रदर्शन करके, टोकरी की बुनाई, बच्चों के नामकरण समारोहों और अपनी संस्कृतियों में कई और पहलुओं को प्रदर्शित करके आगंतुकों का मनोरंजन करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

इसकी हरी प्रकृति

इस देश की हरी प्रकृति के कारण 'अफ्रीका के मोती' शब्द के पीछे का रहस्य प्राप्त हुआ। हरे रंग के बारे में बात करते हुए बड़े जंगलों और विभिन्न वृक्षारोपण जैसे कि केला, चाय, कॉफी के बागान यह सब समझाते हैं। यह न केवल जंगलों के शानदार दृश्य का आनंद लेने के लिए आश्चर्यजनक है, बल्कि वे प्राकृतिक आवास के रूप में भी बहुत सारे जानवरों, जैसे बंदर, बबून, तितलियों, पक्षियों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के पेड़ों के लिए काम करते हैं। Mabira, Bwindi impenetrable, Kibale, Budongo, Maramagambo के जंगलों में से कुछ जंगलों में एक का पता लगाने के लिए युगांडा में हैं, क्योंकि वे दुनिया के कुछ दुर्लभ जीवों को पकड़ते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र में सेवाओं के वार्षिक योगदान का अनुमान है कि 2005 में 5,097 मिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर 2010 में यूएस $ 4,405 मिलियन हो गया, मुख्य रूप से वनों की कटाई के कारण। 1900 में कुल भूमि की सतह का 50 प्रतिशत (12.1 मिलियन हेक्टेयर) से कम हो गया है, 2012 में अनुमानित 2.97 मिलियन

हेक्टेयर था। 1994 में वेटलैंड कवर को भी 15.6 प्रतिशत से घटाकर 10.9 प्रतिशत कर दिया गया है। 20 वर्षों में मछली और मछली उत्पाद कृषि निर्यात में कॉफी (युगांडा की सबसे महत्त्वपूर्ण नकदी फसल) के लिए दूसरे सबसे बड़े समूह के रूप में उभरे हैं; हालाँकि मत्स्य क्षेत्र अभी भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में समग्र निर्यात के साथ चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिसमें हाल ही में गिरावट आई है (2005 में 39,201 टन से लेकर 2010 में लगभग 15,417 टन तक), मुख्य रूप से गिरते हुए शेयरों, गिरते हुए शेयरों, अधिकता और क्षेत्रीय बाजारों के विस्तार के कारण। कॉफी उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन के संभावित नकारात्मक प्रभावों को अधिक गंभीर रूप दिया जा रहा है। इको-टूरिज्म को अब अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार बनने का अनुमान है, जो विदेशी मुद्रा अर्जन, कर और गैर-कर राजस्व, रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद के रूप में सबसे अधिक योगदान देता है।

जैव-विविधता में परिवर्तन का मुख्य दबाव और चालक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष)

जैव-विविधता के खतरों को अतिक्रमण (सभी प्रकार के संरक्षित क्षेत्रों में प्रचलित) के रूप में पहचाना जाता है, मानव-वन्यजीव संघर्ष, राष्ट्रीय उद्यानों में अवैध चराई, वन्यजीवों में अवैध शिकार और अवैध व्यापार, विनाशकारी मछली पकड़ने के गियर और प्रौद्योगिकियों का उपयोग, वनों की कटाई, शहरीकरण और औद्योगिकीकरण, विदेशी प्रजातियों की शुरुआत, आर्द्रभूमि का अतिक्रमण, आर्द्रभूमि की जल निकासी, पेश की गई वाणिज्यिक किस्मों द्वारा स्थानीय फसल किस्मों का प्रतिस्थापन, खेतीवाले क्षेत्रों में पाए जानेवाले अन्य देशी प्रजातियों की हानि, गरीबी, नई नस्लों की शुरुआत, व्यवस्थित नस्ल प्रतिस्थापन और तर्कहीन आनुवंशिक परिवर्तन।

युगांडा में 25,000 वर्षों से अधिक पुराने वर्षावन हैं। जंगल अफ्रीका के सबसे समृद्ध पारिस्थितिक तंत्रों में से एक है, इसमें लगभग 400 प्रजातियों के पौधे शामिल हैं। अनुमानित 320 पर्वतीय गोरिल्ला—दुनिया की आबादी का लगभग आधा हिस्सा, पक्षियों की 350 प्रजातियाँ, 120 स्तनधारी और बहुत सारी तितलियाँ इस स्थान को जैव-विविधता के लिए अनुकूल स्थान बनाती हैं।

अधिकांश पर्यटकों के लिए अन्वेषण करने की पहली पसंद के रूप में युगांडा प्रसिद्ध है। इसकी जैव-विविधता से परिपूर्ण सुंदरता अंतहीन है। युगांडा में 10 से अधिक राष्ट्रीय पार्क हैं, जिसमें 11,000 वर्ग किलोमीटर (सीए 7,000 वर्ग मील) से अधिक का क्षेत्र शामिल है। इसके अलावा संरक्षित वन्यजीव भंडार हैं।

युगांडा में पर्यटन विपणन

सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा दिया जाता है, लेकिन उस तरीके से नहीं, जैसा कि युगांडा की सुंदरता और पर्यटकों के लिए संभावनाओं के विषय में होना चाहिए। सबसे बड़ा संगठन जो पर्यटन के लिए विपणन कर रहा है, उसे 'पर्यटन युगांडा' कहा जाता है, जिसे 'युगांडा पर्यटन बोर्ड' भी कहा जाता है। यह संगठन सामान्य रूप से पर्यटन के लिए विपणन कर रहा है।

कंपाला

कंपाला एक विशिष्ट अफ्रीकी शहर है, साथ ही विश्राम और अन्वेषण के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। संस्कृति, शिल्प-कौशल के लिए प्रसिद्ध यह शहर आसपास के देशों के लोगों के लिए आकर्षक केंद्र है।

कंपाला युगांडा की राष्ट्रीय और व्यावसायिक राजधानी है, जो विक्टोरिया झील (अफ्रीका की सबसे बड़ी झील) के किनारे स्थित है। लाल टाइल वाले विला और पेड़ों से आच्छादित पहाड़ियाँ के मध्य समकालीन गगनचुंबी इमारतों का एक शहरी क्षेत्र नए विकास शील युगांडा की प्रगति यात्रा का बयाँ करता है। इसके डाउनटाउन क्षेत्र में युगांडा संग्रहालय ने देश के जनजातीय विरासत को कलाकृतियों के व्यापक संग्रह के माध्यम से सहेजकर रखा है। पास में मेंगो हिल लुबिरी पैलेस है, जो बुगांडा साम्राज्य की पुरानी रियासत है।

गुल्लू शहर

उत्तर-पश्चिमी युगांडा में स्थित गुल्लू शहर, 3,600 फीट (1,100 मीटर) की ऊँचाई पर कंपाला से लगभग 175 मील (285 किमी.) उत्तर में स्थित है। यह उत्तरी युगांडा के मुख्य कृषि क्षेत्र का विपणन केंद्र है; कपास, चाय, कॉफी, मक्का (मक्का), शरबत और तंबाकू की फसलें आसपास के क्षेत्र में उगाए जाते हैं। गुल्लू में प्रसंस्करण उद्योगों में वे शामिल हैं, जो तिलहन और अनाज मिलिंग हैं। कस्बे में सिगरेट का भी निर्माण होता है। गुल्लू में बड़ी संख्या में शरणार्थी शिविर हैं, जहाँ सूडानी, रवांडे और 1960 के दशक की शुरुआत में युगांडा में प्रवेश करनेवाले कांगो शरणार्थी स्थायी रूप से बसे हुए हैं। यह शहर सड़क और रेलवे द्वारा लीरा, सोरोटी और पक्वाच से जुड़ा हुआ है; इसके साथ ही एक हवाई अड्डा भी यहाँ पर है।

लेक म्युरो राष्ट्रीय उद्यान

लेक म्युरो राष्ट्रीय उद्यान अपेक्षाकृत छोटा राष्ट्रीय उद्यान राजमार्ग के करीब स्थित है, जो कंपाला को पश्चिमी युगांडा के पार्कों से जोड़ता है। यह युगांडा के सवाना के राष्ट्रीय उद्यानों में से सबसे छोटा है,

इस उद्यान को प्राचीन पीकांब्रियन मेटामॉर्फिक चट्टानों द्वारा रेखांकित किया गया है, जो 500 मिलियन से अधिक वर्ष पुरानी हैं। यह 350 पक्षियों की प्रजातियों के साथ-साथ जेब्रा, इनाला, ईलांड, भैंस, ओरीबी, डेफेसा वॉटरबक, लेपर्ड, हिप्पो, हाइना, टोपी और रीडबक का घर है।

कीडेपो वैली नेशनल पार्क

यह राष्ट्रीय उद्यान दक्षिण सूडान और केन्या के साथ युगांडा की सीमाओं के बीच बीहड़, अर्ध-शुष्क घाटियों में स्थित है, जो कंपाला से लगभग 700 किमी. दूर है। 1962 में एक राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित यह उद्यान 77 स्तनपायी प्रजातियों के साथ-साथ लगभग 475 पक्षी प्रजातियों की मेजबानी भी करता है।

सेमेनिकी नेशनल पार्क

रोंजोरी के दूरस्थ, पश्चिमी तरफ सेमलिकी घाटी के तल पर फैला है। पार्क में कांगो बेसिन के महान् इटुरी वन के पूर्वी विस्तार का वर्चस्व है। यह अफ्रीका के सबसे प्राचीन और जैव-विविध वनों में से एक है; 2-18,000 साल पहले अंतिम हिमयुग जीवित रहने के लिए कुछ में से एक, जबकि सेमुलीकी प्रजाति 25,000 से अधिक वर्षों से जमा हो रही है,1 पार्क में और भी पुरानी प्रक्रियाओं का प्रमाण है। हॉट स्प्रिंग्स पिछले 14 मिलियन वर्षों के दौरान दरार घाटी को आकार देनेवाले शक्तिशाली भूमिगत बल का प्रदर्शन करने के लिए गहराई से बुलबुले बनाते हैं। सेमलिकी नेशनल उद्यान नील नदी का स्रोत है, यह नदी दुनिया भर में कई महान् सभ्यताओं को जन्म देनेवाली है। दुनिया की सबसे लंबी नदी होने के साथ इसे जीवन का स्रोत भी माना जाता है। जिनजा शानदार सफेद पानी की राफ्टिंग और मछली पकड़ने के लिए प्रसिद्ध है।

रोंजोरी पर्वत राष्ट्रीय उद्यान और विरुंगा राष्ट्रीय उद्यान रेंज

रवेंजोरी पर्वत-श्रृंखला पूर्वी विषुवतीय अफ्रीका की एक पर्वत-श्रृंखला है, जो युगांडा और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के बीच की सीमा पर स्थित है। यह पर्वत 5,109 मीटर (16,762 फीट) तक की ऊँचाई तक पहुँचते हैं। उच्चतम रोंजोरी चोटियाँ स्थायी रूप से बर्फ से ढकी हुई हैं। रोंजोरी पर्वत राष्ट्रीय उद्यान और विरुंगा राष्ट्रीय उद्यान रेंज में स्थित हैं, जो अपनी जैव-विविधता के लिए प्रख्यात है। कॉफी के लिए यह क्षेत्र विश्वप्रसिद्ध है।

एक निरंतर चिंता रोंजोरी के ग्लेशियरों पर जलवायु परिवर्तन का बढ़ता हुआ विपरीत प्रभाव है। रवेंजोरी ने 43 ग्लेशियरों थे, जो 7.5 वर्ग किलोमीटर (2.9 वर्ग मील) के कुल क्षेत्रफल के साथ अफ्रीका के कुल ग्लेशियर क्षेत्र का लगभग आधे थे। वैश्विक जलवायु परिवर्तन के चलते ये ग्लेशियर काफी सिकुड़ रहे हैं और पहाड़ की वनस्पतियों तथा जैव-विविधता पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। युगांडा के बारे में कहा गया है कि यह एक एक परी-कथा है। अंत में आप पाते हैं कि यह एक अद्‌भुत नई दुनिया है। सर विंस्टन चर्चिल ने लिखा, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के तहत अपने वर्षों के दौरान देश का दौरा किया और जिन्होंने इसे 'अफ्रीका का मोती' कहा। दरअसल, युगांडा जहाँ एक ओर पूर्वी और पश्चिमी सीमाओं के ऊँचे ज्वालामुखी पहाड़ों से युक्त है, वहीं अल्बर्ट नील नदी के घने जंगलों वाले दलदलों और देश के केंद्रीय पठार के वर्षावनों तक, कई पारिस्थितिकी प्रणालियों को अपनाता हुआ जैव-विविधता का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र बन जाता है। मैंने इस देश में सबसे अच्छी बात यह देखी कि भूमि बड़े पैमाने पर उपजाऊ है। युगांडा की कॉफी कृषि-अर्थव्यवस्था की मुख्य आधार और दुनिया भर में कहीं भी जाओ, वहाँ पर युगांडा की कॉफी की धूम है।

सेजिबवा फॉल्स

सेजिबवा फॉल्स मुकोनो में क्यग्वे और बुगरेरे परिशेस के बीच पाए जाते हैं। यह झरना बागांडा के लोगों और विशेष रूप से राजनेताओं के लिए एक महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्थल है। बुगांडा के सभी राजाओं ने अपने पूर्वजों से आशीर्वाद लेने के लिए सेजिबावा फॉल्स का दौरा किया है। देवताओं से आशीर्वाद लेने और उपकार करने के लिए राजघराने के अलावा सैकड़ों लोग इस स्थान पर एक मंदिर में आते हैं। कई विदेशी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय यह स्थान आसपास के सुंदर दृश्यों से घिरा हुआ है। पर्यटक चट्टान पर चढ़ने, प्राइमेट देखने, बर्डवॉचिंग, पिकनिक या फॉल्स के खूबसूरत उद्यानों के आसपास के खूबसूरत वन क्षेत्रों का आनंद ले सकते हैं।

संसद् (बुलंगे) में किंग्स पैलेस

किंग्स पैलेस (महल) और संसद् (बुलंगे) औपनिवेशिक वास्तुकला का अद्भुत नमूना है, जो चार वर्ग मील का क्षेत्र में फैला हुआ है। यह शानदार महल 1885 में निर्मित किया गया था, अगर इतिहास के बारे में अधिक जानने में दिलचस्पी है तो आपको इस स्थान पर अवश्य जाना चाहिए।

किंग्स पैलेस

वर्तमान राजा (कबका) इस महल का उपयोग नहीं करते, क्योंकि यह उनके पिता मुतेसा द्वितीय के शासनकाल के दौरान सरकारी बलों द्वारा इस पर हमला किया गया था। सप्ताह के दिनों में कोई भी इन भवनों में जाने के लिए स्वतंत्र हैं। महल के ठीक सामने बुगंडा की मुख्य संसद् है। जिसे स्थानीय रूप से 'बुल्गे' के नाम से जाना जाता है। आप देख सकते हैं कि संसदीय सत्रों में काम कैसे किया जाता है और कैसे बुगांडा के बुजुर्ग राज्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते हैं।

काबाका झील का सुंदर दृश्य

काबाका झील

यह झील कंपाला शहर के बाहरी इलाके मेंगो में महल के करीब स्थित है। झील शांत पानी के साथ पाँच एकड़ भूमि के बराबर क्षेत्र को आच्छादित करती यह सुंदर पक्षियों और अन्य वन्यजीवों का घर है। पर्यटक सुंदर तटों के किनारे तैराकी, खेल मछली पकड़ने या विश्राम कर सकते हैं। झील के जल स्तर को बनाए रखने और आस-पास काम करनेवाले व्यवसायों से प्रदूषण पर अंकुश लगाने की चुनौतियाँ हैं। यह स्थान अत्यंत शांत, नैसर्गिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। चूँकि यह झील राजमहल के नजदीक है, इसलिए राजसी परिवार का यहाँ पर आना-जाना लगा रहता था।

माउंट एलगॉन नेशनल पार्क

एलगॉन दुनिया का सबसे बड़ा ज्वालामुखी बेस है। युगांडा-केन्या सीमा पर स्थित यह पूर्वी अफ्रीका का सबसे पुराना और सबसे बड़ा एकांत ज्वालामुखी पर्वत भी है। इसका विशाल रूप 80 किमी. व्यास, आसपास के मैदानों से 3,000 मीटर है। पहाड़ की ठंडी ऊँचाइयाँ नीचे के गरम मैदानों से राहत देती है और अधिक ऊँचाई के साथ वनस्पतियों और जीवों के लिए एक आश्रय प्रदान करती है। माउंट एलगॉन नेशनल पार्क पक्षियों की 300 से अधिक प्रजातियों का घर है, जिनमें लुप्तप्राय लैमर्जियर भी शामिल है। छोटे मृग, वन बंदर, हाथी और भैंस भी पहाड़ पर रहते हैं।

माउंट एलगॉन पार्क के जल प्रपात

किबेल नेशनल पार्क

किबेल नेशनल पार्क दक्षिण युगांडा में एक राष्ट्रीय उद्यान है, जो नम सदाबहार वर्षा वन की रक्षा करता है। यह 766 किमी. वर्ग आकार का है और ऊँचाई में 1100 से 1600 मीटर के बीच स्थित है। मुख्य रूप से नम सदाबहार जंगल शामिल करने के बावजूद इसमें विविध प्रकार के परिदृश्य हैं। पार्क कुल 70 स्तनपायी प्रजातियों का घर है, चिंपांजी सहित प्राइमेट की सबसे प्रसिद्ध 13 प्रजातियाँ, पक्षियों की 375 से अधिक प्रजातियाँ शामिल हैं। यहाँ पर्यटन के लिए बड़ी संख्या में देश-विदेश के पर्यटक आते हैं।

नामेम्बे और रूबागा कैथेड्रल

नामेम्बे कैथेड्रल युगांडा के सबसे प्रमुख गिरजाघर में से एक है, जो अपनी विशिष्ट स्थापत्य कला के लिए जाना जाता है, जैसे कि रूबागा रोमन कैथोलिक है। रूबागा कैथेड्रल 1880 में रूबागा पहाड़ी के ऊपर बनाया गया था, जबकि नामीम्बे में 1903 में नामीम्बे पहाड़ी के ऊपर स्थित है। दोनों कैथेड्रल में दो ईसाई संप्रदायों के उच्चतम कार्यालय

हैं। यह वह जगह है, जहाँ उनकी उच्चतम रैंकिंग बिशप निवास करते हैं। इन पवित्र स्थलों में प्रार्थना करने के लिए हर रविवार को शहर और देश भर के ईसाइयों से कैथेड्रल भर जाते हैं। कैथेड्रल में पूर्व पुजारियों और बिशपों के लिए कब्रिस्तान भी हैं, जो युगांडा में ईसाई धर्म के शुरुआती समय के दौरान मिशनरियों के रूप में आए थे।

फोर्ट बेकर

बेकर का किला पटिको में गुलु शहर से बीस किलोमीटर दूर स्थित है। इसे फोर्ट पैटिको के रूप में भी जाना जाता है, इस सुविधा का निर्माण अरब से लाए गए दास व्यापारियों ने किया था, सर सैमुअल बेकर ने बाद में इसकी देखभाल का जिम्मा लिया। बेकर एक प्रसिद्ध खोजकर्ता था, जो दासता के खिलाफ था। उसने 1872 में किले के क्षेत्र में दासों को इकट्ठा करने के लिए किले के रूप में इस्तेमाल करनेवाले अरब व्यापारियों को निराश करने के प्रयास में किले पर अधिकार कर लिया। किला एक खाई से घिरा हुआ है, जो 15 फीट गहरा और 16 फीट चौड़ा है। खाई को दासों द्वारा खोदा गया था, जिन्हें अरब व्यापारियों ने कब्जा कर लिया था। बेकर ने 1888 तक पोर्ट का उपयोग किया, जिसके बाद इसे एमिन पाशा और चार्ल्स गॉर्डन ने अपने अधिकार में ले लिया। यह किला उन पत्थरों के चारों ओर काले निशान के साथ गुलामी की बुराइयों का निरंतर स्मरण कराता है।

युगांडा में बहाई माता मंदिर

बहाई मंदिर

युगांडा में बहाई मंदिर अफ्रीका में अपनी तरह का एकमात्र मंदिर है। यह स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों दोनों के साथ बहुत लोकप्रिय है। आँख पकड़ने वाला मंदिर किकाया हिल (कंपाला) में 30 हेक्टेयर भूमि के एक बड़े टुकड़े पर बनाया गया है। इसमें सुंदर बगीचे हैं, जो विश्राम और ध्यान के लिए आदर्श हैं। बहाई मंदिर सभी धार्मिक समूहों के लिए खुला है। मंदिर खिड़कियों के साथ वास्तुकला का एक अनूठा नमूना है, जो सूर्य से आनेवाले प्रकाश को फिल्टर कर सकता है। बहाई आस्था के बारे में जानने, प्रार्थना करने या आराम करने के लिए इस मंदिर में जाएँ, जो कि कंपाला शहर के अद्‌भुत दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

युगांडा संग्रहालय

युगांडा संग्रहालय को युगांडा के इतिहास को संरक्षित करने के लिए बनाया गया था। यदि कोई युगांडा के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानने में रुचि रखता है तो संग्रहालय सबसे अच्छी जगह है। इस संग्रहालय में यहाँ के इतिहास और विरासत को उपकरणों, कलाकृतियों और रिकॉर्डिंग के संग्रह के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। युगांडा संग्रहालय पहली बार 1908 में बनाया गया था, लेकिन इसे और अधिक आधुनिक रूप देने के लिए इंटीरियर में नवीकरण की एक शृंखला से गुजरना पड़ा है। युगांडा क्या था और इसका वर्णन करने या प्रदर्शित करने के लिए कई उपकरण और उपकरण उपलब्ध हैं। इनमें वाद्ययंत्र, पारंपरिक हथियार (भाले, तीर और धनुष), ड्रम और पुरातात्त्विक अवशेष शामिल हैं।

मपारो टोम्ब्स

यह टोम्ब्स होइमा जिले में पाए जाते हैं—मुख्यत: यह कब्रें बनीरो

के पूर्व राजाओं के लिए दफन स्थल हैं। बनीरो के महान् कबलेगा, जिन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार को एक कठिन समय दिया और अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया। उन्हें बुगांडा के कबका मवांगा के साथ सेशेल्स द्वीप समूह में निर्वासित किया गया था। मपारो कब्रों का दौरा कई स्थानीय लोगों द्वारा आशीर्वाद लेने या अपने पूर्व राजा का सम्मान करने के लिए किया जाता है।

करंबी टॉम्ब्स

ये कब्रें फोर्ट पोर्टल शहर में पाई जाती हैं। कब्रें तोरो के राज्य की हैं। तूरो के तीन राजाओं को यहाँ दफनाया गया है—ओलूमी कबायो द्वितीय, रुकीडी तृतीय और कयंबे कामुरासी। प्रत्येक राजा, शाही राजकुमार और राजकुमारी को भी यहाँ दफनाया गया है। करंबी टॉम्बस ने बटुरो को बहुत सांस्कृतिक महत्त्व दिया है, इसलिए यदि आप उनकी संस्कृति और राजशाही के बारे में अधिक जानने की इच्छा रखते हैं तो यह एक आदर्श स्थल है। आप विशाल ड्रम, भाले और अन्य वाद्ययंत्रों के साथ अद्वितीय वास्तुकला से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते। कब्रों के चारों ओर के नयनभिराम दृश्य एवं आम के कई बड़े पेड़ हैं। टोरो साम्राज्य को राजस्व उत्पन्न करने में मदद करने के लिए उन्हें आधुनिक मानकों पर पुनर्निर्मित करने की योजना है।

□

6

युगांडा के विभिन्न धर्म

विविध धर्मों का राष्ट्र युगांडा धार्मिक रूप से विविध है, जहाँ सबको अपनी-अपनी आस्था अनुसार धार्मिक स्वतंत्रता है। देश में ईसाई धर्म को सबसे व्यापक धर्म के रूप में मान्यता प्राप्त है।

विविध धर्मों का राष्ट्र युगांडा

2014 की जनगणना के अनुसार 14 प्रतिशत आबादी इसलाम का पालन करती है, जिससे इसलाम सबसे बड़ा अल्पसंख्यक धर्म बन गया। ईसाई धर्म सबसे व्यापक रूप से धर्म होने के कारण यहाँ शैक्षिक, स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण की गतिविधियों से जुड़ा है।

युगांडा में धार्मिक मान्यताओं और प्रथाओं की विविधता की विशेषता है। कैथोलिक सबसे बड़ी धार्मिक संप्रदाय हैं, जिनकी आबादी 40 प्रतिशत के करीब है, जिसके बाद एंग्लिकन में 32 प्रतिशत और मुसलिम लगभग 14 प्रतिशत हैं। कुल मिलाकर ईसाई संप्रदायों की कुल आबादी का 84 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। ईसाई आबादी में से रोमन कैथोलिक चर्च के अनुयायियों संपूर्ण देश में स्कूलों और अस्पतालों के माध्यम से उल्लेखनीय जनसेवा कर रहे हैं। उसके बाद एंग्लिकन चर्च है, जबकि इवेंजेलिकल और पेंटेकोस्टल चर्च बाकी प्रतिशत का दावा करते हैं। ये दोनों चर्च बहुत सक्रिय हैं।

मुसलिम आबादी मुख्य रूप से सुन्नी है। कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में

पारंपरिक स्वदेशी मान्यताओं का अभ्यास किया जाता है और कभी-कभी ईसाई या इसलाम के साथ मिश्रित धर्म सा लगता है। भारतीय सबसे महत्त्वपूर्ण आप्रवासी आबादी है; इस समुदाय के सदस्य मुख्य रूप से इस्माइली (आगा खान के शिया मुसलिम अनुयायी) या हिंदू हैं। उत्तरी और पश्चिमी नील क्षेत्र मुख्यत: कैथोलिक हैं, जबकि पूर्वी युगांडा में इगंगा जिले में मुसलमानों का प्रतिशत सबसे अधिक है। देश के बाकी हिस्सों में धार्मिक संबद्धता का मिश्रण प्रतीत होता है।

यहूदी धर्म का प्रचलन युगांडा में देशी लोगों द्वारा किया गया है, जिन्हें अबुदया के नाम से जाना जाता है। दुनिया के सात बहाई हाउस ऑफ उपासना में से एक कंपाला के बाहरी इलाके में स्थित है। बहाई आस्था दुनिया के सबसे कम उम्र के धर्मों में से एक है। बहाई धर्म 1844 में ईरान में उभरा और एक सदी से भी कम समय में यह एक वैश्विक धर्म बन गया था। अधिकांश स्रोतों का सुझाव है कि केवल लगभग 5-6 मिलियन अनुयायी हैं, लेकिन वे दुनिया के लगभग हर देश में पाए जाते हैं। इसलिए बहाई धर्म को ईसाई धर्म के बाद दूसरे सबसे भौगोलिक रूप से व्यापक धर्म के रूप में मान्यता प्राप्त है; हालाँकि बहाई शिक्षाएँ अन्य एकेश्वरवादी विश्वासों के साथ समानताएँ साझा करती हैं।

नामीरामबे कैथेड्रल

बहाई विश्वास (मत) 1951 में युगांडा में आया। इस कारण यह पूर्वी अफ्रीका के सबसे पुराने समुदायों में से एक बना। युगांडा के लोगों ने अपने देश में इस विश्वास की स्थापना करने के साथ इसका प्रचार-प्रसार भी किया, जिसमें सदस्य लगभग हर आदिवासी और धार्मिक समूह में बहाई लोग पाए जाते हैं और इनके पूजा-स्थल पूरे देश में 2,800 से अधिक इलाकों में स्थित हैं।

1961 में पूरा हुआ अफ्रीकी महाद्वीप पर हाउस ऑफ वर्शिप, कंपाला में स्थित है और यह राजधानी का एक प्रसिद्ध स्थल बन गया है। यहाँ उपासना के साथ आध्यात्मिक सभाएँ होती हैं, जो सभी लोगों के लिए खुली हैं। बहाई धर्म का मानना है कि मानव जाति की भलाई, उसकी शांति और सुरक्षा तब तक अप्राप्य है, जब तक कि उसकी एकता दृढ़ता से स्थापित नहीं हो जाती।

आभिजात्य वर्ग से जुड़ा हिंदू धर्म

आभिजात्य वर्ग से जुड़ा हिंदू धर्म अपनी सामाजिक गतिविधियों और उत्साहपूर्ण उत्सवों के लिए जाना जाता है। युगांडा में हिंदू धर्म का आगमन तब हुआ, जब औपनिवेशिक ब्रिटिश साम्राज्य 19वीं सदी के अंत और 20वीं शताब्दी की शुरुआत में अपने पूर्वी अफ्रीकी उपनिवेशों में अन्य भारतीय श्रमिकों के साथ हिंदुओं को लाया गया। युगांडा में हिंदू प्रवासियों का सबसे बड़ा आगमन कुछ शिक्षित और कुशल, लेकिन ज्यादातर गरीब, पंजाब और गुजरात के अकाल-ग्रस्त क्षेत्रों से संघर्ष करते हुए केन्या और युगांडा रेलवे के निर्माण में मदद करने के लिए युगांडा और केन्या के बंदरगाह क्षेत्रों के लिए मोंबासा आए युगांडा से हिंदुओं का सबसे बड़ा प्रस्थान तब हुआ, जब जनरल ईदी अमीन ने उन्हें निष्कासित कर दिया और 1972 में उनकी संपत्ति भी बिना किसी कारण

के जब्त कर ली गई, जिससे इस देश में हिंदुत्व को बड़ा आघात लगा।

देखा जाए भारत की वैदिक सभ्यता (दूसरी और पहली सहस्राब्दी ईसा पूर्व) में उत्पत्ति, हिंदू धर्म एक एकल संस्थापक या धार्मिक प्राधिकरण के साथ विश्वासों और प्रथाओं का विविधता से परिपूर्ण धर्म है।

भारत-युगांडा रक्षा सहयोग के अंतर्गत युगांडा को दी गई वाहनों की खेप

युगांडा में हिंदू धर्म अपने मंदिरों में कई आयोजनों में वेद, उपनिषद् और भगवद्गीता का पाठ और श्रवण करते हैं। हिंदू एक या कई देवताओं की पूजा कर सकते हैं, इस देश में अलग-अलग आराध्यों को समर्पित सुंदर मंदिर हैं। आमतौर पर अपने घर के भीतर प्रार्थना अनुष्ठानों के साथ भगवान् विष्णु, शिव और देवी की भक्ति आम हैं।

अधिकांश हिंदुओं का मानना है कि आत्मा या आत्मान शाश्वत है और किसी के सकारात्मक या नकारात्मक कर्म या किसी के कार्यों के परिणामों द्वारा निर्धारित जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म (संस्कार) के चक्र से गुजरता है। धार्मिक जीवन का लक्ष्य यह सीखना है कि आखिरकार पुनर्जन्म चक्र से बचकर किसी की आत्मा की मुक्ति (मोक्ष) प्राप्त

करना है। प्रमुख बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के निर्माण के अलावा हिंदू ब्रिटिश पूर्वी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में श्रमिकों के वैश्विक आंदोलन का एक हिस्सा थे, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश सरकार को सेवाओं, खुदरा बाजारों और प्रशासनिक सहायता स्थापित करने में मदद करना था। अंग्रेजों ने भारतीय मजदूरों को आमंत्रित किया, क्योंकि स्थानीय कुशल श्रमिक अनुपलब्ध थे। युगांडा-केन्या में बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के चरम पर भारत से 32,000 लोगों को लाया गया था। इन परियोजनाओं के दौरान मुश्किल और असुरक्षित काम करने की स्थिति के कारण लगभग 2,500 श्रमिकों की मृत्यु हो गई। परियोजना समाप्त होने के बाद लगभग 70 प्रतिशत श्रमिक भारत लौट आए, जबकि कुछ 6,000 रेलवे और अन्य ब्रिटिश परिचालन, जैसे कि खुदरा और प्रशासन में अवशोषित हो गए। जो रह गए उनमें हिंदू, मुसलिम, जैन और सिख शामिल थे। इस जातीय समूह में कई लोग आर्थिक रूप से सफल हो गए

उत्साही मिशनरी से फैला ईसाई धर्म

ईसाई धर्म औपनिवेशिक काल के दौरान उत्साही मिशनरी गतिविधि के माध्यम से आया था—विशेष रूप से दक्षिण में, जहाँ कैथोलिकों को बाफराना ('फ्रांसीसी') और प्रोटेस्टेंट बांगेरेजा ('ब्रिटिश') कहा जाता था। ईसाई धर्म की इन दो शाखाओं के अनुयायियों के बीच प्रतिद्वंद्विता और यहाँ तक कि दुश्मनी, जो हमेशा ईसाई और मुसलमानों के बीच की तुलना ज्यादा खतरनाक, जो आज भी देखी जा सकती है। 1930 के दशक के शुरुआती दिनों में कई युगांडा के लोगों के साथ मिलकर एंग्लिकन मिशनरियों से टूटनेवाले एक समूह ने बालोकोल ('फिर से जन्म') पुनरुद्धार शुरू किया, जो पूरे पूर्वी अफ्रीका और उसके बाहर फैल गया और युगांडा में आज भी पेंटेकोस्टलिज्म का एक शक्तिशाली

बल बना हुआ है। हाल के वर्षों में दक्षिण एशियाई चिकित्सकों की वापसी के साथ सिख धर्म और हिंदू धर्म को देश में फिर से स्थापित किया गया है। 1995 के संविधान द्वारा धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी है। 1920 के दशक में पूर्वी युगांडा में यहूदियों की एक बड़ी संख्या रहती है, जो यहूदी धर्म में धर्मांतरित हैं।

इसलाम पहला बहिर्जात धर्म

इसलाम बहिर्जात धर्मों में से पहला था और यह 1970 के दशक में राजनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण हो गया। 1989 में इसलाम में अनुमानित 2.6 मिलियन युगांडा का इस्तेमाल किया गया था, जो लगभग 15 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करता था। इसलाम उन्नीसवीं सदी के मध्य तक पूर्वी अफ्रीकी तटीय व्यापार के उत्तर और अंतरदेशीय नेटवर्क के माध्यम से युगांडा में आ गया था। बागुंडा मुसलिम ने उन्नीसवीं शताब्दी में इसलाम को अपनाया और फिर यह क्रम बढ़ता चला गया। अधिकांश मुसलिम देशों की तरह युगांडा में भी कुरान, हदीस और सुन्ना आध्यात्मिक, नैतिक और सामाजिक जीवन के व्यापक मार्गदर्शक हैं।

1971 में जब युगांडा का मुसलमान ईदी अमीन राष्ट्रपति बना था, तब उसकी अध्यक्षता युगांडा के मुसलिम समुदाय के लिए एक जीत थी, फिर 1972 में, युगांडा से अमीनों के निष्कासन ने मुसलिम आबादी को काफी कम कर दिया, जैसा कि उनका प्रशासन एक क्रूर और असफल शासन में बिगड़ गया। युगांडा के मुसलमानों ने सत्ता से उन लोगों से दूरी बनाना शुरू कर दिया। 1979 में अमीन को उखाड़ फेंकने के बाद मुसलिम धर्म के अनुयायियों को काफी कष्ट उठाने पड़े।

युगांडा नेशनल मसजिद

1989 में राष्ट्रपति योवेरी कागुटा मुसेवेनी ने युगांडा के मुसलिम समुदाय से राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में योगदान देने की अपील की। उन्होंने अन्य युगांडा के मुसलमानों के साथ भेदभाव न करने की चेतावनी दी। युगांडा एक आध्यात्मिक रूप से समृद्ध देश है। हेनरी स्टेनली, ब्रिटिश अन्वेषक और पत्रकार स्टेनली ने अप्रैल 1875 में बुगांडा (एक केंद्रीय युगांडा जनजाति) के कबाका (राजा) से मुलाकात की। राजा के साथ ईसाई धर्म की सरल कहानी साझा करने के बाद राजा ईसाई धर्म के बारे में बहुत उत्साही हो गए और स्टैनली ने मिशनरियों के लिए अपील करते हुए इंग्लैंड की रानी विक्टोरिया को एक पत्र लिखने के लिए कहा। यह पत्र 15 नवंबर, 1875 को इंग्लैंड में 'द डेली टेलीग्राफ' अखबार में प्रकाशित हुआ था।

ऑर्थोडॉक्स चर्च

युगांडा में ईसाई धर्म न केवल संख्या में, बल्कि पूरे अफ्रीका और दुनिया में बढ़ रहा है। युगांडा ईसाई धर्म की विशेषता पवित्र शास्त्र, यीशु का एक उच्च दृष्टिकोण और पवित्र आत्मा के कार्य पर जोर है।

अफ्रीका में मिशनरियों की पहली लहर आने के लगभग 200 साल बाद, ईसाई धर्म दुनिया में कहीं और की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है। उप-सहारन अफ्रीका में आज 390 मिलियन से अधिक ईसाई हैं, 1970 में 117 मिलियन से अधिक, वह प्रवृत्ति ज्यादातर प्रचारवाद के कारण है। ईसाई नेताओं का कहना है कि अफ्रीका का ईसाई आंदोलन काफी हद तक स्वयं अफ्रीकियों द्वारा संचालित है। इंटरनेशनल हेवन ऑफ कोन हेवन-कोन में मिशनरी रिसर्च के एडिटर जोनाथन बोन्क ने कहा, "अफ्रीकियों की परिस्थितियों में बहुत कुछ है, जो ईसाई धर्म वास्तव में उनके साथ प्रतिध्वनित करता है।"

युगांडा के शुरुआती शहीदों में इंग्लिश बिशप, जेम्स हैनिंगटन, पूर्वी इक्वेटोरियल प्रांत के पहले एंग्लिकन बिशप थे। कबका (राजा) ने इस अतिक्रमी दुश्मन से मिलने के लिए योद्धा भेजे। इससे पहले कि वे 29 अक्तूबर, 1885 को हैनिंगटन को मारते उन्होंने कहा कि 'कबका (राजा) से कहो कि मैं युगांडा के लिए मर जाऊँ।' ये शब्द नामीम्बे

कैथेड्रल में उनकी कब्र पर खुदे हुए हैं। राजा मूटा के उत्तराधिकारी राजा मावंगा तेजी से क्रोधित हो गए, क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि पहले धर्मांतरित व्यक्ति ने राजा के लिए पारंपरिक वफादारी के बजाय मसीह के प्रति वफादारी निभाई। शहीदो की शुरुआत 1885 में हुई थी। मावंगा ने पहली बार किसी को मौत के दर्द पर एक ईसाई मिशन के पास जाने से मना किया था, लेकिन खुद को धर्मांतरित लोगों की कुलीनता को ठंडा करने में असमर्थ पाया, जिसने ईसाई धर्म का सफाया करने का संकल्प लिया।

3 जून, 1886 को राजा मवांगा ने छब्बीस लोगों—तेरह एंग्लिकन और बारह रोमन कैथोलिकों की हत्या का आदेश दिया। आज 3 जून को युगांडा के शहीदों को याद करने के लिए सार्वजनिक अवकाश के रूप में अलग रखा गया है। पूर्वी अफ्रीका के हजारों लोग उनके साहस, बलिदान और गवाही को याद करने के लिए शहीद स्थल की यात्रा करते हैं।

शुरुआती ईसाई नामुंगो में शहीद हुए थे। इन शहीदों का उदाहरण, जो अपनी मृत्यु के लिए चले गए, भजन गा रहे थे और अपने दुश्मनों के लिए प्रार्थना कर रहे थे। कुछ ही वर्षों में मुट्ठी भर धर्मांतरित लोग कई गुना बढ़ गए और बहुत दूर तक फैल गए। शहीदों ने अमिट छाप छोड़ी थी कि ईसाईयत वास्तव में अफ्रीकी थी, न कि केवल एक सफेद आदमी का धर्म। अधिकांश मिशनरी काम अफ्रीकी लोगों द्वारा किए गए थे, न कि श्वेत मिशनरियों द्वारा और ईसाई धर्म तेजी से फैला था। युगांडा में अब अफ्रीका में किसी भी राष्ट्र के सबसे बड़े ईसाइयों का सबसे बड़ा प्रतिशत है।

बहाई मंदिर में उत्सव मनाते लोग

युगांडा की लगभग 1 प्रतिशत आबादी केवल पारंपरिक धर्मों का पालन करती है; हालाँकि अधिक लोग अन्य धर्मों, जैसे ईसाई धर्म या इसलाम के साथ पारंपरिक धार्मिक प्रथाओं का पालन करते हैं। 2010 में एक सर्वेक्षण से पता चला कि युगांडा के लगभग 27 प्रतिशत लोगों का मानना है कि पूर्वजों या आत्माओं के बलिदान उन्हें नुकसान से बचा सकते हैं।

2016 के बाद से जब युगांडा की सरकार ने धर्मों और विश्वास-आधारित संठनों को विनियमित करने के बारे में एक नीति बनाने की घोषणा की तो इस नीति से विपरीत प्रतिक्रियाएँ मिलीं। जो भी हो, यह देश आज धार्मिक सद्भाव, सामाजिक समरसता, धर्म-निरपेक्षता की राह पर सामाजिक आर्थिक विकास की नई इबारत लिखने के लिए प्रतिबद्ध है।

□

7

भारत-युगांडा दोस्ताना संबंध

भारत-युगांडा सौ साल से अधिक के राजनीतिक एवं ऐतिहासिक संबंधों को अधिक प्रगाढ़ बनाए के लिए कृत संकल्पित हैं। रिश्तों की शुरुआत 20वीं के प्रारंभ में हुई, जब भारतीय पहली बार युगांडा गए। वर्ष 1947 में भारत के स्वतंत्रता संघर्ष ने कई अफ्रीकी देशों को उपनिवेशवाद से संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया और युगांडा इनमे से एक था। भारतीय स्वतंत्रता के पश्चात् देशों में स्वाधीनता संग्राम जोर पकड़ने लगा और इसी क्रम में युगांडा ने 1962 में स्वतंत्रता प्राप्त की। तीन साल बाद ही भारत ने 1965 में युगांडा में अपनी राजनयिक उपस्थिति स्थापित की। बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग युगांडा में व्यापार या अन्य गतिविधयों में अच्छा काम कर रहे थे।

निष्कासन का कठिन समय

'70 के दशक की शुरुआत भारतीय मूल के लोगों के लिए कठिनता से भरा दौर था। राष्ट्रपति अमीन के शासनकाल के दौरान लगभग 60,000 भारतीयों/पी.आई.ओ. को बिना किसी कारण निष्कासित कर दिया गया। इन लोगों के जाने से युगांडा पर कठिनाइयों का पहाड़ टूट पड़ा। देश राजनीतिक अस्थिरता के साथ आर्थिक रूप से काफी नीचे आ गया। भारत के ये लोग ब्रिटेन, भारत, कनाडा, अमेरिका सहित विश्व

के कई देशों में चले गए थे। सामाजिक-आर्थिक जीवन में इन लोगों के महत्त्व के दृष्टिगत 1986 में सत्ता में आने के बाद राष्ट्रपति जनरल योवेरकिगुता मुसेवेनी ने उन्हें ससम्मान वापस आमंत्रित किया। जब्त संपत्तियों को बहाल करने जैसे कई प्रगतिशील कदमों ने उन भारतीयों को वापस आने के लिए न केवल प्रोत्साहित किया, बल्कि उन्हें सबकुछ भुलाकर नए सिरे से राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया। स्वाभाविक था इस कदम के बाद भारत युगांडा एक-दूसरे के करीब आए और सुदृढ़ संबंधों के नए अध्याय का सूत्रपात हुआ। भारत और युगांडा के बीच के संबंधों ने पिछले कुछ दशकों में राजनीतिक, रक्षा, आर्थिक, वाणिज्यिक, सांस्कृतिक, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में गहराई और व्यापकता हासिल की है।

द्विपक्षीय सहयोग और सहायता

2008 में पहले भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (IAFS-I) के बाद, भारत-अफ्रीका इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड (IAIFT) की मेजबानी के लिए अफ्रीकी संघ द्वारा युगांडा को नामांकित किया गया था, जो भारत द्वारा पैन-अफ्रीका में पेश किए गए 5 संस्थानों में से एक है। संस्थान अंतरराष्ट्रीय व्यापार और प्रबंधन में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करेगा, उद्यमशीलता कौशल विकसित करेगा और विदेशी व्यापार में अनुसंधान को बढ़ावा देगा। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (IIFT) IAIFT के लिए भारतीय कार्यान्वयन एजेंसी है।

2011 में दूसरे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (IAFS-II) में यह निर्णय लिया गया कि युगांडा में एक खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र स्थापित किया जाएगा। केंद्र स्थानीय उद्यमियों को खाद्य प्रसंस्करण में उनके कौशल को बढ़ाकर और उन्हें उद्योग में उपयोग की जानेवाली नवीनतम तकनीक और उपकरणों से परिचित कराएगा।

फरवरी 2017 में भारत के उपराष्ट्रपति ने यहाँ की यात्रा की। युगांडा यात्रा के दौरान भारत ने यूएस $ 2 मिलियन दवाओं और यूएस $ 1 मिलियन मूल्य के चिकित्सा उपकरणों के दान की घोषणा की। जुलाई 2018 में भारत के पीएम की युगांडा यात्रा के दौरान द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर एम.ओ.यू./सहमति, आधिकारिक और राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा आवश्यकता से छूट, सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम और युगांडा में क्षेत्रीय सामग्री प्रयोगशाला की स्थापना पर हस्ताक्षर किए गए। पीएम ने बिजली लाइनों के निर्माण, कृषि और डेयरी उत्पादन में भारतीय सहयोग की घोषणा की। यह भी तय किया गया कि भारत जिनजा में महात्मा गांधी मंदिर की स्थापना करेगा, जहाँ महात्मा गांधी के अस्थियों को विसर्जित किया गया था; विभिन्न भारतीय सेना प्रशिक्षण संस्थानों में युगांडा पीपल्स डिफेंस फोर्स के अतिरिक्त प्रशिक्षण की भी प्रावधान है। इसके अलावा पूर्वी अफ्रीकी समुदाय (ई.ए.सी.) के लिए वित्तीय सहायता, भारत ने युगांडा पीपल्स डिफेंस फोर्सेज और युगांडा सरकार द्वारा नागरिक उपयोग के लिए वाहनों के दान की भी घोषणा की; युगांडा कैंसर संस्थान को भाभाट्रॉन कैंसर थैरैपी मशीन; युगांडा के स्कूल जानेवाले बच्चों के लिए नेशनल कॉउन्सिल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग की पुस्तकें और कृषि के विकास में मदद करने के लिए सौर ऊर्जा सिंचाई पंप शामिल हैं।

लगभग 1.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर की दवाएँ भारत के उच्चायुक्त द्वारा एंतेब्बे में नेशनल मेडिकल स्टोर्स में जनवरी 2019 में युगांडा के स्वास्थ्य मंत्री को सौंपी गई थीं। युगांडा के साथ भारत का जुड़ाव परामर्श एवं प्रतिक्रिया आधारित रहा है और यह युगांडा की क्षमताओं तथा मानव पूँजी के विकास पर केंद्रित है।

भारतीय समुदाय की प्रभावशाली भूमिका

भारतीय समुदाय युगांडा के साथ सबसे मजबूत और सबसे टिकाऊ आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध प्रस्तुत करता है। यह अनुमान है कि वर्तमान में, लगभग हैं। युगांडा में रहनेवाले 30,000 भारतीय/पी.आई.ओ., जिनमें से अधिकांश भारतीय पासपोर्ट धारक हैं। शेष युगांडा, ब्रिटिश, कनाडाई और अन्य पासपोर्ट। भारतीय समुदाय मुख्य रूप से कंपाला और जिंजा शहर में केंद्रित है। भारतीय और पी.आई.ओ. युगांडा अर्थव्यवस्था में विशेष रूप से विनिर्माण, व्यापार, कृषि-प्रसंस्करण, बैंकिंग, चीनी, रियल एस्टेट, होटल, पर्यटन और सूचना प्रौद्योगिकी में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। वे हजारों युगांडा को रोजगार देते हैं और देश के सबसे बड़े करदाताओं में से हैं। पी.आई.ओ. और एन.आर.आई. ने पिछले दो दशकों में युगांडा में 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश किया है। भारतीय नागरिक/PIO, जो युगांडा की आबादी का 0.1 प्रतिशत से कम का गठन करते हैं, बैंक के युगांडा और युगांडा राजस्व प्राधिकरण के आँकड़ों के अनुसार युगांडा के प्रत्यक्ष करों में लगभग 70 प्रतिशत का योगदान करते हैं।

'इंडियन एसोसिएशन' भारतीय समुदाय का एक बड़ा संगठन है, जो भारतीय हितों को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय उच्चायोग के साथ मिलकर काम करता है। भारतीय समुदाय भारतीय त्योहारों को उत्साह और उत्साह के साथ मनाने के अलावा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। दीवाली, ईद, क्रिसमस, गुरपर्व के उत्सव बड़े उत्साह, उल्लास के साथ मनाए जाते हैं। 'भारत दिवस', एक वार्षिक विशेषता, भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करती है और हजारों प्रवासियों को आकर्षित करता है। यह आयोजन भारतीय और युगांडा समुदाय को एक मंच पर लाने का काम करता है। इंडियन एसोसिएशन इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रदर्शन का आयोजन करता है, जिसमें भारत के लोकप्रिय

कलाकारों को प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया जाता है। मुझे भी कई बार इन आयोजनों में बुलाया गया।

भारतीय समुदाय समान रूप से परोपकारी गतिविधियों में संलग्न है। पी.आई.ओ. के व्यक्ति और कंपनियाँ नियमित रूप से सामाजिक जिम्मेदारी के अपने हिस्से का प्रदर्शन करती हैं। उपर्युक्त विभिन्न घटनाओं से प्राप्त आय का एक हिस्सा युगांडा में सामाजिक कार्यों के लिए दान किया जाता है, जिसमें भारत में युगांडा के बच्चों की दिल की सर्जरी, बेघरों को सहायता, रक्तदान शिविर का आयोजन करना शामिल है।

युगांडा कई भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (ICCR) व्यावसायिक और अन्य गैर-व्यावसायिक योजनाओं तथा भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (ITEC) क्षमता निर्माण योजनाओं के माध्यम से भारत की क्षमता निर्माण योजनाओं का एक महत्त्वपूर्ण लाभार्थी है। किसी समय में भारत में युगांडा के लगभग 500 छात्र थे।

भारतीय समुदाय का दर्दनाक निष्कासन (युगांडा 1972)

युगांडा में हर साल छात्रों को भारत में विभिन्न डिग्री और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने के लिए कई छात्रवृत्ति मिलती हैं; भारत आनेवाले छात्रों की संख्या वर्तमान यात्रा के बाद बढ़ने की उम्मीद है। रक्षा और आतंकवाद निरोध में सहयोग पर भी ध्यान दिया गया, युगांडा पीपुल्स डिफेंस फोर्स (UPDF) के सदस्यों को ITEC के तहत भारत में विभिन्न भारतीय सेना प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल को सैनिकों को प्रशिक्षित करने के लिए युगांडा के वरिष्ठ कमांड एंड स्टाफ कॉलेज (SCSC) में तैनात किया जाता है। प्रधानमंत्री प्रतिनिधि-मंडल ने तीन कैंसर स्कैनिंग मशीनें भी दान कीं, इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि भारत चिकित्सा पर्यटन के लिए उप-क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण गंतव्य है। इस इशारे से भविष्य में दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य सहयोग के विभिन्न पहलुओं के बीच बातचीत खुलने की उम्मीद है। युगांडा में भारत का निर्यात $ 524.02 मिलियन था, जबकि युगांडा से आयात $ 68.02 मिलियन था। प्रधानमंत्री मोदी ने युगांडा के सामानों और सेवा प्रदाताओं के लिए भारतीय बाजारों को अधिक सुलभ बनाकर इस व्यापार घाटे को दूर करने की प्रतिज्ञा की है, जिससे युगांडा में व्यापार की भावना को बढ़ावा मिलेगा

आज लगभग 44 मिलियन के देश में युगांडा में 30,000 की संख्या में भारतीय, एक प्रतिशत से भी कम आबादी के लिए जिम्मेदार हैं, फिर भी करों के रूप में सरकार के राजस्व में लगभग 65 प्रतिशत का योगदान है। अर्थव्यवस्था से कृषि तक सभी क्षेत्रों में भारतीय फर्मों का विनिर्माण किया जाता है।

कोविड संकट के दौरान सहायता प्रदान करता भारतीय मूल का रूपारेलिया समूह

युगांडा में जनमे भारतीय सुधीर रूपारेलिया की अध्यक्षता में $ 800 मिलियन का मूल्यवाला रूपारेलिया समूह पूर्वी अफ्रीका में सभी क्षेत्रों में निवेशित है—बैंकिंग, बीमा, आतिथ्य, अचल संपत्ति, शिक्षा, प्रसारण और फूलों की खेती, दूसरों के बीच में 8,000 से अधिक को रोजगार प्रदान करना। युगांडा में माधवानी समूह (भारत के सौराष्ट्र में) एक सरल शुरुआत की एक और कहानी है, जिसने अकेले युगांडा में $ 500 मिलियन के कारोबार के साथ एक व्यवसाय में बदल दिया है, जो 10,000 से अधिक युगांडा को रोजगार प्रदान करता है। औद्योगिक क्षेत्र में निवेश ने न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बदल दिया, बल्कि भारत को वार्षिक प्रेषण में अनुमानित $ 15 मिलियन का योगदान दिया।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि युगांडा सहित अफ्रीका के सभी देश भारत के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि भारत अब कारों और स्मार्टफोन का निर्यात कर रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक भारत के लोगों के लिए सशक्तीकरण का एक साधन

बन रहा है; और देश स्टार्टअप के लिए एक महत्त्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है।

युगांडा हमेशा हमारे दिलों के करीब रहा है और रहेगा। भारत हमेशा युगांडा की आर्थिक प्रगति और राष्ट्रीय विकास के प्रयासों में तत्पर रहा है। प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढाँचा आदि हमारे सहयोग के मुख्य क्षेत्र हैं। भविष्य में हम युगांडा की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुसार अपना सहयोग जारी रखेंगे।

युगांडा के लोगों के साथ हमारी दोस्ती की अभिव्यक्ति के रूप में भारत सरकार ने कंपाला को अत्याधुनिक कैंसर चिकित्सा मशीन युगांडा कैंसर संस्थान को उपहार में देने का फैसला किया है। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि यह मशीन न केवल हमारे युगांडा के दोस्तों की, बल्कि पूर्वी अफ्रीकी देशों के दोस्तों की जरूरतों को भी पूरा करेगी।

भारत के उपराष्ट्रपति ने फरवरी 2017 में युगांडा का दौरा किया। उन्होंने युगांडा के राष्ट्रपति से मुलाकात की और युगांडा के उपराष्ट्रपति तथा युगांडा संसद् के अध्यक्ष के साथ बैठक की। उन्होंने एक व्यापारिक कार्यक्रम को संबोधित किया और जिनजा में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उच्चायुक्त द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में वह भारतीय समुदाय से भी मिले।

युगांडा के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर पीएम श्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2018 में युगांडा की राजकीय यात्रा की। उन्होंने युगांडा के राष्ट्रपति के साथ विचार-विमर्श किया, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्त्ता हुई और उनके सम्मान में एक राजकीय भोज का आयोजन किया गया। उन्होंने युगांडा में भारतीय समुदाय की एक बड़ी सभा को भी संबोधित किया और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का लोकार्पण किया। पीएम और युगांडा के राष्ट्रपति ने संयुक्त रूप से एक व्यापारिक कार्यक्रम को संबोधित किया।

युगांडा–भारत रक्षा सहयोग

पीएम की युगांडा यात्रा का सबसे महत्त्वपूर्ण तत्त्व युगांडा की संसद् को उनका संबोधन था, जिसका भारत और कई अफ्रीकी देशों में सीधा प्रसारण हुआ था। यह पहली बार था, जब किसी भारतीय पीएम ने युगांडा की संसद् को संबोधित किया, एक विलक्षण सम्मान उन्हें प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मोदीजी की यात्रा से न केवल मौजूदा आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की उम्मीद है, बल्कि यह देश के लिए, विशेष रूप से स्वास्थ्य, कृषि और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्रों में भारतीय निवेश के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी। अपने ऐतिहासिक भाषण में पीएम ने अफ्रीका के लिए भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया और महाद्वीप के साथ जुड़ने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराया।

□

8

संभावनाओं का देश युगांडा

युगांडा के प्रधानमंत्री द्वारा बातचीत में युगांडा को अफ्रीका की सामाजिक-आर्थिक शक्ति बनाने का संकल्प व्यक्त किया गया। इस बात पर भी चर्चा हुई कि भारत के समान युगांडा संभावनाओं का एक ऐसा देश, जहाँ पर तमाम प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं और मजबूत इच्छाशक्ति के चलते देश आर्थिक विकास के रास्ते पर गतिमान है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि अन्य देशों के मुकाबले युगांडा की बेहतर अर्थव्यवस्था देश में शांतिपूर्ण राजनीतिक व्यवस्था का परिणाम है।

युगांडा के प्रधानमंत्री ने अपने संवाद के दौरान इस बात को इंगित किया कि सरकार का पूरा प्रयास देश में शांति परस्पर सौहार्द बनाने पर है, ताकि आर्थिक विकास की गति तेज की जा सके। उनके इन प्रयासों को खासी सफलता भी मिली है।

निवेश का आकर्षक गंतव्य युगांडा

युगांडा समूचे अफ्रीका के मध्य में व्यवसाय के लिए एक असाधारण अवसर प्रदान करता है। व्यापक अफ्रीकी बाजार के केंद्र में स्थित युगांडा पहले से ही कई प्रमुख वैश्विक निगमों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का पसंदीदा घर है। युगांडा सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था (+ 6 प्रतिशत) और अफ्रीका में विदेशी निवेश के लिए सबसे उदार

देशों में से एक रहा है; हालाँकि कोविड संक्रमण से अनेक चुनौतियाँ सामने आई हैं।

आज भी युगांडा ऐसी जगह, जहाँ व्यापार के अवसर बहुत हैं, यह अफ्रीका तक पहुँचने के लिए एक आदर्श स्थान है। निवेश बढ़ाने में युगांडा की सरकार बेहद प्रयत्नशील है। युगांडा इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी युगांडा में निवेश के लिए सभी पहलुओं में समर्थक सक्रिय सहायता प्रदान करता है। देश-विदेश से युगांडा आपको यह निर्णय लेने के लिए आमंत्रित करता है कि किस उद्योग में निवेश करना है, क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था अभी भी युवा है, संभावित निवेशकों के लिए निवेश के अवसरों की संभावना बहुत अधिक है। युगांडा का मौजूदा तुलनात्मक लाभ कृषि, वानिकी और खनिज संसाधनों तथा उनके प्राथमिक प्रसंस्करण पर अधिक केंद्रित है।

समृद्ध घरेलू प्राकृतिक संसाधनों और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, अधिशेष घरेलू श्रम के अस्तित्व, अच्छे बाजार की संभावनाओं, 'उच्च मूल्य कम परिवहन लागत' के साथ ही शांति और परस्पर सद्भाव के कारण युगांडा निवेश हेतु अत्यंत आकर्षक माना जाता है। युगांडा का लाभ इस क्षेत्र में एक मुख्य व्यापारिक साझेदार के रूप में दिखाई देता है कृषि, पशु, मछली पालन, वानिकी, विनिर्माण, खुदाई, भूमि विकास, वित्तीय सेवाएँ, पर्यटन, मुद्रण और प्रकाशन, रियल एस्टेट में निवेश की व्यापक संभावनाएँ हैं।

सरकार की बड़ी प्रतिबद्धता : निजी क्षेत्र को बढ़ावा

निजी क्षेत्र को बढ़ावा देने हेतु लिए सरकार की बड़ी प्रतिबद्धता है। नीति निर्माण में सरकारी और निजी क्षेत्र का संवाद, अवसंरचना और अन्य सामाजिक सेवाएँ प्रदान करने में निरंतर सुधार, प्रशिक्षण योग्य श्रम शक्ति (युगांडा वर्तमान में प्रतिवर्ष 10,000 से अधिक विश्वविद्यालय

के स्नातकों का पूल तैयार करता है), श्रम की गुणवत्ता सबसे बड़े आकर्षणों में से एक है। सबसे अच्छी बात यह है कि सरकार युगांडा में निवेश की सुरक्षा के साथ संविधान और निवेश संहिता 1991 के तहत गारंटी प्रदान करती है।

युगांडा मुख्य अंतरराष्ट्रीय निवेश से संबंधित संस्थानों के लिए एक हस्ताक्षरकर्ता है, मल्टी लेटरल इन्वेस्टमेंट गारंटी एजेंसी (MIGA) अमेरिका के ओवरसीज प्राइवेट इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (OPIC), विदेशी मध्यस्थ व्यवस्था (CREFAA), ICSID, TRIMS, GATS और TRIPS की मान्यता और प्रवर्तन पर कन्वेंशन से निवेश को प्रोत्साहन मिला है।

सरकार कच्चे माल, संयंत्र, मशीनरी और अन्य आदानों पर शुल्क में छूट, स्टांप शुल्क में छूट, घरेलू टैरिफ क्षेत्र से माल के इनपुट पर लागू करने के लिए ड्यूटी ड्रा, कोई निर्यात-कर नहीं, बाहरी ऋण पर ब्याज पर होल्डिंग टैक्स के साथ छूट, दोहरे कराधान से राहत पाने के लिए लाभांशों की पुनरावृत्ति जैसी सुविधा देकर युगांडा को अफ्रीका का औद्योगिक हब बनाना चाहती है।

युगांडा की राजनीतिक स्थिरता का लाभ

युगांडा की राजनीतिक स्थिरता का लाभ वहाँ निवेश के सकारात्मक वातावरण के रूप में मिला है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि अन्य देशों के मुकाबले युगांडा की बेहतर अर्थव्यवस्था देश में शांतिपूर्ण राजनीतिक व्यवस्था का परिणाम है, जैसा कि अधिकांश अफ्रीकी देशों के साथ हुआ है। आर्थिक विकास और आधुनिकीकरण ऐसे कार्य हैं, जो देश की राजनीतिक अस्थिरता से प्रभावित हुए हैं। ईदी अमीन और मिल्टन ओबोटे की सरकारों द्वारा अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान की मरम्मत के लिए, मुख्य रूप से पश्चिमी देशों और पूर्व एशियाई निवासियों से कृषि एवं मुख्य उद्योगों में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित किया गया था। 1991

के निवेश कोड ने स्थानीय और विदेशी निवेशकों को कर और अन्य प्रोत्साहन की पेशकश की तथा युगांडा निवेश प्राधिकरण बनाया, जिससे संभावित निवेशकों के लिए लाइसेंस और निवेश अनुमोदन प्राप्त करना आसान हो गया।

युगांडा में हर साल लगभग 7,00,000 युवा काम करने की उम्र तक पहुँचते हैं, हर साल केवल 75,000 नौकरियाँ पैदा होती हैं। मुख्य रूप से निर्वाह आधार पर कृषि में कार्यरत युगांडा के 70 प्रतिशत से अधिक लोग हैं। 2030–2040 के बीच औसतन दस लाख युवाओं के काम करने की उम्र तक पहुँचने की उम्मीद है।

आधुनिकता और प्रगति के सूचक नए अपार्टमेंट्स

अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवधानों के कारण वित्त वर्ष 20 की दूसरी छमाही के दौरान निर्यात, पर्यटन, प्रेषण, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और पोर्टफोलियो प्रवाह सिकुड़ हैं और लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध। इसने महत्त्वपूर्ण राजकोषीय और बाहरी असंतुलन और सेवाओं में वृद्धि में गिरावट, मुख्य रूप से रियल एस्टेट गतिविधियों और सूचना व संचार प्रौद्योगिकी में वृद्धि की है।

युगांडा के लिए मध्यम अवधि का दृष्टिकोण भी अनुकूल नहीं है। युगांडा की वास्तविक जी.डी.पी. वृद्धि में गिरावट और नौकरियों की हानि और भी बड़ी हो सकती है, अगर देश को अधिक व्यापक महामारी और आगे के टिड्डी आक्रमणों का सामना करना पड़े, क्योंकि यह तेजी से आर्थिक सुधार को रोक सकता है। आगामी फरवरी 2021 के चुनावों के आस-पास की अनिश्चितता ने इन जोखिमों को और बढ़ा दिया है।

विकास की चुनौतियाँ

युगांडा ने पिछले दशकों में गरीबी को कम करने के लिए उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए हैं, जो मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र द्वारा संचालित है। 1992 से 2013 तक गरीबी में रहनेवाले युगांडा के घरों का प्रतिशत आधा कर दिया गया था।

युगांडा के सभी क्षेत्रों ने उत्तरी क्षेत्र के उल्लेखनीय अपवाद के साथ गरीब लोगों की संख्या में वृद्धि दर्ज की, जो सबसे गरीब है और जहाँ गरीबी 44 प्रतिशत से घटकर 33 प्रतिशत हो गई। COVID-19 ने गरीबी के प्रभाव को खराब कर दिया है और वित्त वर्ष 17 में अनुमानित 8.7 मिलियन से ऊपर तीन मिलियन लोग विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में गरीबी में जा सकते हैं। वर्तमान सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम अपर्याप्त हैं, जो आबादी के केवल 3 प्रतिशत तक पहुँचते हैं और झटके के लिए समग्र भेद्यता बढ़ाते हैं।

निवेश का आकर्षक गंतव्य युगांडा

समूचे अफ्रीका के मध्य में व्यवसाय के लिए एक असाधारण अवसर प्रदान करता है। व्यापक अफ्रीकी बाजार के केंद्र में लगभग स्थित युगांडा पहले से ही कई प्रमुख वैश्विक निगमों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का पसंदीदा घर है। युगांडा सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं (+ 6 प्रतिशत) और अफ्रीका में विदेशी निवेश के लिए सबसे उदार देशों में से

एक है। ऐसी जगह जहाँ व्यापार के अवसर बहुत हैं, यह अफ्रीका तक पहुँचने के लिए एक स्थापित करने के लिए एक आदर्श स्थान है। युगांडा इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी युगांडा में निवेश के लिए सभी पहलुओं में समर्थक सक्रिय सहायता प्रदान करता है।

युगांडा आपको यह निर्णय लेने के लिए आमंत्रित करता है कि किस उद्योग में निवेश करना है, क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था अभी भी युवा है, संभावित निवेशकों के लिए निवेश के अवसरों की संभावना बहुत अधिक है और अधिक विकसित अर्थव्यवस्थाओं में होगी।

युगांडा का मौजूदा तुलनात्मक लाभ कृषि, वानिकी, खनिज संसाधनों और उनके प्राथमिक प्रसंस्करण पर बहुत अधिक केंद्रित है।

पहचाने गए संभावित निवेश के अवसर घरेलू प्राकृतिक संसाधनों और बिचौलियों की उपलब्धता, अधिशेष घरेलू श्रम के अस्तित्व, अच्छे बाजार की संभावनाओं, 'उच्च मूल्य कम परिवहन लागत' के साथ ही निर्यात बाजारों के सापेक्ष प्रतिस्पर्धी हैं। युगांडा का लाभ इस क्षेत्र में एक मुख्य व्यापारिक साझेदार के रूप में दिखाई देता है। कृषि, पशु, मछली पालन, वानिकी, विनिर्माण, खुदाई, भूमि विकास, वित्तीय सेवाएँ, पर्यटन, मुद्रण और प्रकाशन, रियल एस्टेट क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएँ हैं।

युगांडा के लोग, अफ्रीका के लोग अत्यंत सरल, मेहमाननवाज एवं शिष्ट हैं। चूँकि यह राष्ट्र प्राचीन राज्यों के एकीकरण के साथ-साथ कई स्वतंत्र सरदारों के एकीककरण का परिणाम है, लोग अपनी विरासत से अत्यधिक प्रेम करते हैं। उनकी पारंपरिक वेशभूषा, भाषा और व्यवहार आज युगांडा के जीवन में अत्यंत विविधता के रंग भरती है, जो अकल्पनीय हैं।

औद्योगिक विकास के लिए एक बड़ी बात यह है कि यहाँ अत्यधिक गरमी और सर्दी नहीं पड़ती। युगांडा की भूमध्यरेखीय जलवायु पहाड़ों से

ठंडी हवाओं द्वारा ठंडी होती है और वनस्पति दो वर्षा ऋतु में भरपूर वर्षा का परिणाम है, जो अप्रैल और नवंबर के आसपास गिरती है।

हालाँकि लगभग 30 विभिन्न भाषाएँ बोली जाती हैं, अंग्रेजी आधिकारिक भाषा है। स्वाहिली भी व्यापक रूप से बोली जाती है।

एक युवा और तेजी से बढ़ती जनसंख्या के साथ, बेहद उत्पादक कृषि भूमि, एक नवजात तेल क्षेत्र और पूर्वी और मध्य अफ्रीका के केंद्र में एक रणनीतिक स्थान, युगांडा महान् आर्थिक क्षमता प्रदान करता है।

कंपाला में एशिया यूरोप दक्षिण और उत्तर अमेरिका के कई मिशन हैं, जो आर्थिक और वाणिज्यिक वाणिज्यिक सेवाएँ प्रदान करते व्यापार और निवेश हितों को बढ़ावा देने के साथ द्विपक्षीय व्यापार को प्रोत्साहित कर खुले बाजारों, मुक्त व्यापार को अगले स्तर तक ले जाते हैं। विनियामक वातावरण में पारदर्शिता को बढ़ावा दिया गया है और व्यापारिक संपर्कों तथा स्थानीय ज्ञान के व्यापक नेटवर्क को प्रोत्साहित किया गया है।

सरकार इस बात को समझती है कि छोटे और मध्यम दर्जे के उद्योग अत्यंत जरूरी हैं। ये बढ़ते व्यवसाय देश के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। विकासशील अर्थव्यवस्था के महत्त्वपूर्ण इंजन हैं। रोजगार पैदा करते हैं और आवश्यक सामान तथा सेवाएँ प्रदान करते हैं, जो अकसर रेखांकित समुदायों के लिए होते हैं। सरकार विश्व-स्तरीय प्रशिक्षण और स्थानीय उद्यमियों को सहायता प्रदान करती है, ताकि वे अपनी पूरी क्षमता प्राप्त करने में मदद कर सकें, आर्थिक विकास चला सकें, जो पूरे समुदायों का स्तर उठा सकें।

युगांडा की प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था

युगांडा के पास दुनिया की प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था है (2012-13, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस रिपोर्ट), जिसमें 2011 में जी.डी.पी. का 8.2 प्रतिशत योगदान दिया गया (वैल्यू एडेड

फिगर, वर्ल्ड बैंक)। व्यापार करने में आसानी के लिए विश्व बैंक द्वारा 120 देशों में से इसे पहले वर्गीकृत किया गया है, एक रैंकिंग के आधार पर कि कैसे नियामक वातावरण एक स्थानीय फर्म के उद्घाटन और संचालन के लिए अनुकूल है। उद्योग श्रमिकों ने 2009 (विश्व बैंक) में कुल रोजगार का 6 प्रतिशत बनाया और औद्योगिक उत्पादन 2012 में 3 प्रतिशत (सी.आई.ए. वर्ल्ड फैक्टबुक) की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया गया था। अधिकांश श्रमबल कृषि क्षेत्र के भीतर कार्यरत है।

2000 के दशक की शुरुआत में अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार

1997 में इसे कड़े आर्थिक सुधार परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए ऋण राहत प्राप्त करनेवाले कुछ देशों में से एक के रूप में चुना गया था और तब से महत्त्वपूर्ण ऋण राहत के लिए अर्हता प्राप्त करना जारी रखा है। इस वजह से युगांडा गरीबी उन्मूलन और संसाधन शोषण, उद्योगों और पर्यटन के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम है।

युगांडा के मुख्य उद्योगों में इस्पात उत्पादन, सीमेंट, कपास, तंबाकू, चीनी और ब्रुअरीज शामिल हैं। उद्योग क्षेत्र समग्र रूप से अधिक विकसित देशों के संबंध में छोटा है, सहायक कंपनियों के माध्यम से बहुराष्ट्रीय निगमों का प्रभुत्व है। रुक-रुककर बिजली की आपूर्ति और बिजली की उच्च लागत उत्पादन को मुश्किल बनाते हैं और परिणामस्वरूप उद्योग के आकार को नुकसान उठाना पड़ता है। गरीबी का उच्च स्तर घरेलू बाजार की क्रय शक्ति पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। सरकार उद्योग के सामने मौजूद चुनौतियों से निपटने के लिए लंबी और छोटी अवधि की परियोजनाओं को लागू करने की प्रक्रिया में है।

युगांडा में अग्रणी कंपनियों में नाइल ब्रेवरीज लिमिटेड और युगांडा ब्रुअरीज लिमिटेड शामिल हैं। बड़े निगमों की सहायक कंपनियाँ भी देश

के भीतर काम करती हैं; इसमें शामिल हैं—यूनिलीवर युगांडा लिमिटेड; सेंचुरी बॉटलिंग कंपनी लिमिटेड, कोका कोला SABCO; और हेमा सीमेंट लिमिटेड, लार्फर्ज ग्रुप।

युगांडा में मानव राजधानी

युगांडा का मानव पूँजी सूचकांक (HCI) कम है; युगांडा में पैदा हुई एक बच्ची के आज बड़े होने पर 38 प्रतिशत उत्पादन की उम्मीद है, क्योंकि वह पूरी शिक्षा और पूर्ण स्वास्थ्य का आनंद ले सकती है। 3 प्रतिशत पर प्रजनन दर में कमी के बावजूद युगांडा की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर दुनिया में सबसे अधिक है। युगांडा की 35 मिलियन की आबादी 2050 तक 100 मिलियन तक पहुँचने की उम्मीद है, जबकि 5.2 प्रतिशत की वार्षिक शहरी विकास दर दुनिया में सबसे अधिक है और 2040 तक 6.4 मिलियन (2014) से बढ़कर 22 मिलियन होने की उम्मीद है।

चुनौतियाँ

युगांडा की शरणार्थी आबादी जुलाई 2016 के बाद से लगभग तीन गुना हो गई है और वर्तमान में लगभग 1.4 मिलियन है, जिससे यह अफ्रीका में सबसे बड़ा शरणार्थी मेजबान है और दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है; हालाँकि इसकी ओपन डोर पालिसी नीति दुनिया में सबसे प्रगतिशील में से एक है, जहाँ शरणार्थी सामाजिक सेवाओं, भूमि तक पहुँच का आनंद ले रहे हैं और स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ सकते हैं और काम कर सकते हैं, निरंतर शरणार्थी प्रवाह मेजबान समुदायों और सेवा वितरण पर विपरीत असर डाल रहा है।

शरणार्थियों की कठिनाइयों से जूझती जनता

युगांडा के अधिकतर लोग कृषि में संलग्न हैं—कुल श्रम शक्ति का लगभग 64 प्रतिशत और युवा युगांडा का 72 प्रतिशत, कृषि और उस से जुड़े उद्योगों में लगा है। कृषि क्षेत्र को जलवायु संबंधी परेशानियाँ जारी हैं। खतरों में बाढ़, सूखा, भूस्खलन और हाल ही में टिड्डियाँ शामिल हैं। आपदावाली जगह पर एडेप्टिव सोशल प्रोटेक्शन होना जरूरी है, ताकि आपात स्थिति में तेजी से बचाव किया जा सके।

कृषि क्षेत्र में निवेश के बढ़ते अवसर

सरकार के समक्ष सीमित संसाधनों को सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के प्रगतिशील विस्तार की आवश्यकता है। भेद्यता और जोखिम के उच्चतम स्तरवाले क्षेत्रों में किसी भी सामाजिक सुरक्षा विस्तार को प्राथमिकता देने की आवश्यकता महसूस की जाती है। सरकार मानव पूँजी विकास के संकेतक, जोखिम और झटके के साथ-साथ गरीबी का उपयोग करते हुए, भौगोलिक दृष्टि से सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए विभिन्न विकल्पों पर कार्य कर रही है। युगांडा में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश से लाभ के लिए अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक योजनाएँ बनाई जा रही हैं।

आधुनिक कृषि पद्धतियों का उपयोग

घरेलू खपत के लिए उत्पादन और निर्यात क्षेत्रीय बाजारों तक सीमित हैं। मुख्यत: युगांडा और विदेशी निर्माताओं के सामने आनेवाली चुनौतियों में बुनियादी ढाँचे की उच्च लागत की कमी शामिल है। तकनीकी और प्रबंधकीय कौशल तथा वित्त की कमी, विशेष रूप से

दीर्घकालिक वित्तपोषण के संदर्भ में एक चुनौती प्रस्तुत करती है। अच्छी बात यह है कि सरकार इस दिशा में सकारात्मक कदम उठा रही है। देश कृषि पर अधिक निर्भर है, इसलिए वैज्ञानिक कृषि को बढ़ावा दिए जाने और उत्पादकों के लिए विपणन सुविधा जुटाने की आवश्यकता है। नीतियों, रणनीतियों और संस्थानों के लिए औद्योगीकरण पर्याप्त रूप से वित्तपोषित, प्रबंधित और समन्वित नहीं हैं।

निर्यात में कॉफी, चाय, मछली उत्पाद, सोना और बागवानी उत्पाद शामिल हैं। देश के मुख्य निर्यात भागीदार केन्या और रवांडा हैं; हालाँकि कई उत्पादों और सेवाओं को संयुक्त अरब अमीरात और लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो को भी निर्यात किया जाता है। आयातित उत्पादों से प्रतिस्पर्धा है, जो मुख्य रूप से केन्या, संयुक्त अरब अमीरात और चीन से होता है और इसमें वाहन, पेट्रोलियम और चिकित्सा आपूर्ति शामिल हैं।

250 मेगावाट का बुजगाली डैम

पिछले कुछ दशकों में युगांडा की अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ी है और इसने आर्थिक परिवर्तन का अनुभव किया है, लेकिन इसके निर्माण क्षेत्र में स्थिरता आई है। उच्च जनसंख्या वृद्धि दर के साथ कई युवा हर साल श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं, औद्योगिकरण युगांडा के लिए महत्त्वपूर्ण है।

विनिर्माण का विकास

युगांडा के लैंडलॉक की स्थिति और परिवहन की बहुत उच्च लागत के कारण आयात में कमी, व्यापार संतुलन में सुधार पर युगांडा ने अधिक ध्यान दिया है। युगांडा में सक्रिय घरेलू और विदेशी निर्माताओं के सामने मुख्य चुनौतियों में उच्च लागत भी शामिल है।

उद्योग द्वारा नौकरियों के बढ़ते अवसर

बुनियादी ढाँचे, तकनीकी और प्रबंधकीय कौशल की सीमित उपलब्धता और वित्तीय स्रोतों की कमी, विशेष रूप से लंबी अवधि के

वित्तपोषण के संदर्भ में युगांडा सरकार (Gou) ने विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित किया है। विदेशी और घरेलू निवेश और विनियमन के प्रभारी युगांडा मुक्त क्षेत्र प्राधिकरण मुक्त क्षेत्रों में निवेश, रणनीतिक और लक्षित निवेश करने के लिए सीमित संसाधन हैं। औद्योगीकरण के लिए बनाई गई नीतियाँ और संस्थाएँ सीमित हैं।

वित्त पोषण, प्रबंधन और समन्वय सरकारी समर्थन के परिणामस्वरूप एक औद्योगीकरण प्रक्रिया शुरू हुई, जो काफी हद तक सहज है। इसने निजी क्षेत्र का नेतृत्व किया। युगांडा विनिर्माण क्षेत्र में कृषि-प्रसंस्करण, भोजन और का प्रभुत्व है—पेय पदार्थ, घरेलू उत्पाद, निर्माण सामग्री और तेजी से बढ़ते उपभोक्ता सामान की ज्यादातर फर्म हैं। युगांडा में उत्पाद घरेलू खपत के उद्देश्य से हैं और निर्यात क्षेत्रीय बाजार सीमित हैं (जिसमें रवांडा, बुरुंडी, दक्षिण सूडान, लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (DRC) शामिल हैं।

बेहतर लोजिस्टिक्स के साथ आधुनिक डेरी उद्योग

घरेलू निर्माण में शामिल फर्मों का वर्चस्व युगांडा-एशियाई समूह के लोगों का है। कृषि से लेकर सेवाओं तक के विनिर्माण में निवेश के

साथ बहुत विविधता है। विदेशी फर्म भी विनिर्माण में शामिल हैं। कई विदेशी निवेशक पूर्वी अफ्रीकी से आते हैं। उभरते बाजारों से विदेशी विनिर्माण फर्म भी हैं। दक्षिण एशियाई फर्म हैं, जो युगांडा के साथ ऐतिहासिक संबंधों के कारण पारंपरिक रूप से मजबूत हैं और चीन एक नए खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। ओ.ई.सी.डी. देशों के फर्मों में अल्पसंख्यक हैं, विनिर्माण क्षेत्र में और निवेश के लिए कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए अवसर हैं। नीतियों, रणनीतियों और संस्थानों के लिए औद्योगीकरण पर्याप्त रूप से वित्तपोषित, प्रबंधित और समन्वित नहीं हैं। तकनीकी और प्रबंधकीय कौशल एवं वित्त की कमी, विशेष रूप से दीर्घकालिक वित्तपोषण के संदर्भ में एक चुनौती सामने है। अच्छी बात यह है कि सरकार इस दिशा में सकारात्मक कदम उठा रही है। देश कृषि पर अधिक निर्भर है, इसलिए वैज्ञानिक कृषि को बढ़ावा दिए जाने और उत्पाद के लिए विपणन सुविधा जुटाने की आवश्यकता है। आशा की जानी चाहिए कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के चलते एवं युगांडा के उद्यमशील लोगों की मेहनत के कारण देश नई ऊँचाइयों को स्पर्श करेगा। मुझे प्रधानमंत्रीजी का यह कथन सर्वथा सही लगा कि भारत और युगांडा में असीम संभावनाएँ हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प के चलते युगांडा के नव-निर्माण का संकल्प अवश्य सिद्ध होगा।

□□□